हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जबलपुर

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

haribhoomi.com

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com जबलपुर, सोमवार 6 अक्टूबर 2025

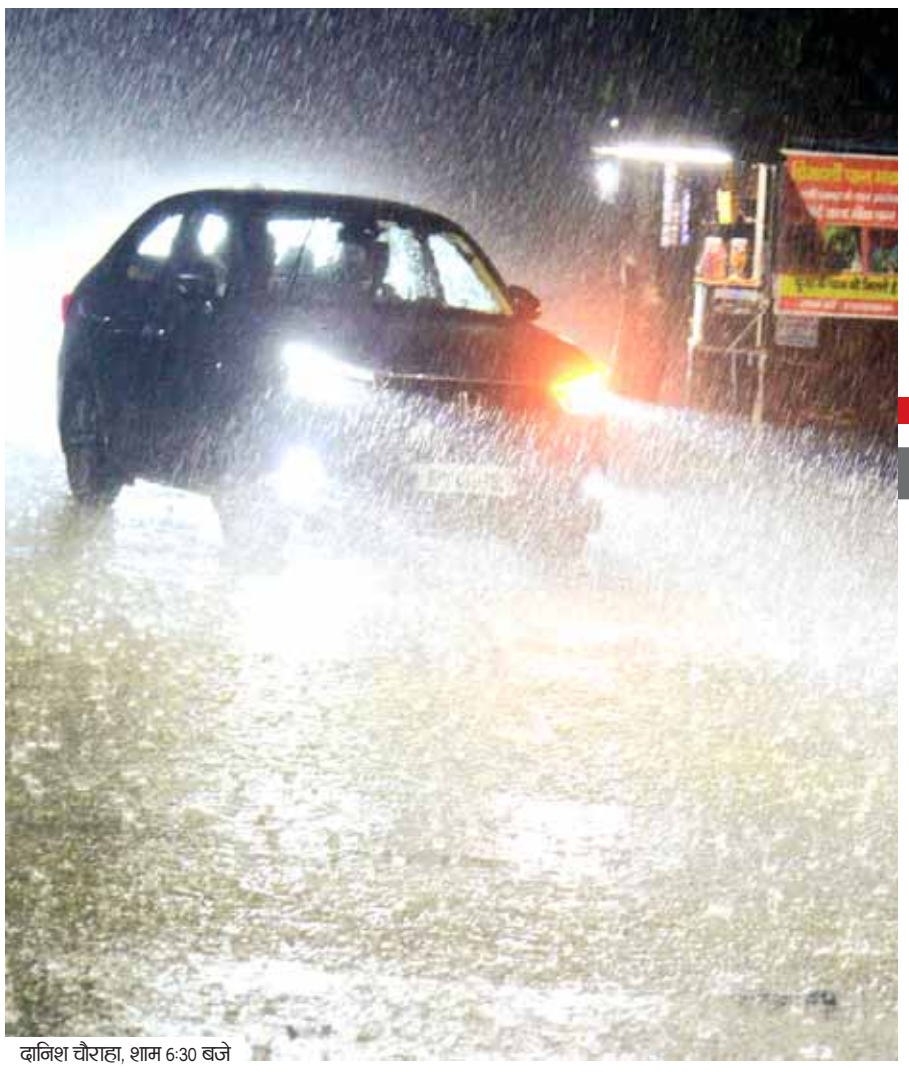
दानिश चौराहा, शाम 6:30 बजे

एक घंटे में राजधानी में 9 मिमी तो बैरागढ़ में शाम 5:30 बजे तक 5 मिमी बारिश रिकॉर्ड

दर्जन भर जिलों में तेज बारिश शाम से पहले ही छा गया अंधेरा

दो दिन ऐसा ही मौसम, इसके बाद आएगी बारिश में कमी शेष जिलों से धीरे धीरे मानसून होगा विड्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित करीब एक दर्जन जिलों में रविवार दोपहर बाद से ताबड़तोड़ बारिश हुई। भोपाल में शाम 5 बजे से घने बादलों से अंधेरा छा गया। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चली बारिश से सड़कें बह निकलीं। इस बीच शहर के एमपी नगर इलाके के अरेरा हिल्स में 5 से 6 बजे के बीच 9 मिमी बारिश हुई, जबकि बैरागढ़ इलाके में सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे के बीच 5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। अक्टूबर में बारिश की रफ्तार के लिहाज से यह पिछले साल के मुकाबले लगभग बराबर रही है। वर्ष 2024 में अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में दो दिन तेज बारिश हुई, जो 24 घंटे में 20 मिमी से अधिक दर्ज हुई थी। मौसम केंद्र के अनुसार अब प्रदेश में दो दिन बाद बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी।

24 घंटे में 128 मिमी बारिश का रिकॉर्ड

राजधानी में अक्टूबर में बारिश का रिकॉर्ड 1955 के बाद 2009 में दर्ज हुआ है। अक्टूबर में ऑल टाइम रिकार्ड के अनुसार वर्ष 1955 में पूरे महीने में सर्वाधिक 188.2 मिमी बारिश हुई थी। इसके बाद 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश 6 अक्टूबर 2009 को 128.4 मिमी दर्ज हुई। इस साल अभी अक्टूबर के पांच दिनों में कुल 12 मिमी के करीब बारिश हुई है।

एक से डेढ़ घंटे झमाझम बारिश

रविवार को दोपहर बाद से शाम 5:30 बजे के बीच गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सागर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, श्योपुर कलां, शिवपुरी, भोपाल, सीहोर, बैतूल, छिंदवाड़ा, जबलपुर, शहडोल, राजगढ़, दमोह, छतरपुर, उमरिया, ग्वालियर आदि जिलों में मध्यम से हल्की बारिश दर्ज हुई है। इनमें से भोपाल सहित करीब एक दर्जन जिलों में शाम को एक से डेढ़ घंटे झमाझम बारिश हुई।

खबर संक्षेप

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो की दबकर मौत

मुरैना। सबलगढ़ तहसील के रामपुर और विजयपुर तहसील के बरहा गांव के श्रद्धालु केला देवी के

दर्शन कर ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान रामपुरथाना क्षेत्र के नंदापुरा के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रॉली में दबने से एक महिला और युवती की मौके पर मौत हो गई। वहीं बच्चों समेत 18 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई।

बांसवाड़ा के व्यापारी ने इंदौर में ली दीक्षा, संन्यासी बने

इंदौर। डेली कॉलेज में पढ़े राजस्थान के बांसवाड़ा में मार्बल के बड़े व्यापारी अनिल मेहता ने

58 वर्ष की उम्र में संन्यास ले लिया। रविवार को उन्होंने इंदौर में विजय नगर स्थित कार्यक्रम में दीक्षा ली। विनम्र सागर महाराज व अन्य मुनिश्री की मौजूदगी में उन्हें दीक्षा दिलाई गई। उनके अलावा कुछ अन्य लोगों ने भी वैराग्य धारण किया है। रविवार सुबह चार बजे केशलोचन से दीक्षा समारोह की प्रक्रिया शुरू हुई।

कलेक्टर को पालकी में बैठाकर दी भावुक विदाई

सिवनी। कलेक्टर संस्कृति जैन का ट्रांसफर भोपाल हो चुका है। जिसके को लेकर उनकी विदाई

समारोह का आयोजन किया गया। उन्हें लोगों ने ऐसा सम्मान दिया कि वो भावुक हो गईं। जिसके देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक नजर आए। कलेक्टर को कबूतर वाली पालकी में बैठाकर लोगों ने कंधे पर रखकर विदाई दी। जिला कलेक्टर संस्कृति जैन ने सिवनी में अपने कार्यकाल के दौरान 'वन गिफ्ट ए डे' की मुहिम चलाई थी।

कफ सिरप कांड: प्रदेश में कफ सिरप से अब तक 16 बच्चों की मौत के बाद हड़कंप

दवा लिखने वाला डॉक्टर गिरफ्तार, फार्मा कंपनी पर एफआईआर, 6 राज्यों में जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

◆ रविवार को इस मामले में उज्जैन, भिंड और जबलपुर समेत राज्य के अलग-अलग शहरों में छापेमारी की गई है

प्रदेश में कफ सिरप से अब तक 16 बच्चों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। बच्चों की मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। छिंदवाड़ा के परासिया उपखंड में 7 सितंबर से अब तक दस बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि जिले भर में मृतक बच्चों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। बैतूल में भी दो बच्चों की मौत हुई। जांच में कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा अधिक होने की पुष्टि के बाद सरकार और प्रशासन अलर्ट मोड में हैं। शनिवार देर रात पुलिस ने कफ सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया है।

सरकार ने इस कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है। राजस्थान, केरल व तमिलनाडु सरकार ने भी इसकी बिक्री पर बैन लगाया है। शनिवार को ही परासिया थाने में डॉक्टर प्रवीण सोनी और कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मस्यपटिकल्स के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामले में ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट की धारा 27(ए), बीएनएस की धारा 105 और 276 के तहत केस दर्ज किया गया है। छिंदवाड़ा में हुई बच्चों की मौत मामले में ज्यादातर बच्चों को डॉक्टर प्रवीण सोनी ने ही ये कफ सिरप लिखी थी। परासिया सीएचसी के बीएमओ अंकित सहलाम ने डॉक्टर प्रवीण सोनी के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया था।

ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट की धारा 27(ए), बीएनएस की धारा 105 और 276 के तहत केस दर्ज

◆ *एक अन्य कफ सिरप नेक्सट्रो-डीएस की बिक्री पर भी रोक*

- पुलिस डॉ. सोनी से हन पूछताछ में जुटी
- श्रीसन फार्मा की सप्लाई चेन और मालिकों पर शिकंजा
- केंद्र ने बच्चों (5 साल से कम) के लिए सभी कफ सिरप्स पर सख्त चेतावनी जारी की
- मल्टीडिसिप्लिनरी जांच टीम (एनआईवी, आईसीएमआर, सीडीएससीओ, एम्स-नागपुर) मामले की तह तक जा रही
- राजस्थान, केरल व तमिलनाडु सरकार ने भी इसकी बिक्री पर बैन लगाया

19 दवाएं जांच के घेरे में

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6 राज्यों में दवा फैक्ट्रियों की गहन छानबीन शुरू कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने छह राज्यों में 19 दवाओं जिनमें कफ सिरप और एंटीबायोटिक शामिल हैं, उनके उत्पादन इकाइयों पर जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू कर दिया है।

डॉ. प्रवीण सोनी को किया निलंबित

सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर छिंदवाड़ा जिले के परासिया में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सोनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शिशुओं के उपचार में लापरवाही बरतने के आरोप में उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन के बाद उन्हें क्षेत्रीय कार्यालय स्वास्थ्य सेवाएं, जबलपुर में अटैच कर दिया गया है।

उज्जैन व जबलपुर समेत कई शहरों में मारा छापा

रविवार को इस मामले में उज्जैन, भिंड और जबलपुर समेत राज्य के अलग-अलग शहरों में छापेमारी की गई है। आयुष फार्मा और न्यू अपना फर्मा कंपनी पर छापेमारी की है। आयुष फार्मा से कोल्ड्रिफ सिरप की 248 बोतलों को जब्त भी किया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने कई शहरों में एक साथ छापेमारी की है। उन्होंने बताया कि इस छापेमारी के दौरान जब्त दवाइयां उसी बैच की हैं जो टेस्टिंग में फेल हुई है।

बैतूल में भी दो मासूमों की मौत

बैतूल जिले के आमला ब्लॉक में दो मासूम बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में इन बच्चों की मौत का कारण भी किडनी फेल होना बताया जा रहा है। दोनों बच्चों का इलाज छिंदवाड़ा जिले के परासिया में ही डॉ. प्रवीण सोनी के पास हुआ था। बैतूल जिले में पहला मामला निहाल (2 वर्ष) पुत्र निखिलेश धुर्वे, निवासी जामुन बिछुआ का है। तबीयत बिगड़ने पर बच्चे को बैतूल और फिर एम्स भोपाल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरा मामला कबीर (3 वर्ष 11 माह) पुत्र कैलाश यादव, निवासी राम नगर ढाना कलमेश्वरा का है। उसने भी इसी डॉक्टर से इलाज कराया था और 8 सितंबर को उसकी मौत हो गई।

कफ सिरप से हुई मौतों पर केंद्र सरकार सख्त

राज्यों के साथ स्वास्थ्य सचिव की बैठक कोल्ड्रिफ सिरप कंपनी पर लगेगा ताला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप के चलते हुए बच्चों की मौत के बाद केंद्र सरकार एक्शन में आ गई है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों के साथ रविवार शाम को बैठक की।

जिसमें दवाओं की गुणवत्ता को लेकर अहम फैसले लिए गए। रविवार शाम चार बजे केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों, स्वास्थ्य सचिवों और औषधि नियंत्रकों के साथ कफ सिरप के तर्कसंगत उपयोग और दवाओं की गुणवत्ता पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक की। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) तमिलनाडु एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) को कोल्ड्रिफ सिरप निर्माता के खिलाफ सबसे गंभीर अपराधों के तहत सख्त कार्रवाई करने के लिए कहेगा।

दवाओं की गुणवत्ता को लेकर अहम फैसले लिए गए

◆ दवाओं पर चेतावनी लेबल जरूरी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को सलाह दी है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप न दी जाए। वहीं, पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कफ सिरप का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह, सीमित मात्रा और सावधानी के साथ किया जाए। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए नुकसानदेह दवाओं पर अब चेतावनी लेबल लगाना अनिवार्य होगा।

तेलंगाना में भी बैन

तंलगाना सरकार के अनुसार कोल्ड्रिफ सिरप के इस बैच में डायएथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला रसायन मिला है, जो शरीर के गुर्दों (किडनी) को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और जानलेवा साबित हो सकता है। इसी कारण तेलंगाना में इस सिरप को लेकर लोगों को उपयोग तुरंत बंद करने की चेतावनी दी गई है।

ब्यूटी पार्लर में मिला दुर्लभ सांप

सिर और पूंछ एक जैसे, वजन 7 किलो, कीमत 25 करोड़ रु. तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीधी

शहर के एक ब्यूटी पार्लर से दुर्लभ रेड सैंड बोआ सांप का रेस्क्यू किया गया है। सांप का पता उस वक्त चला जब ब्यूटी पार्लर

■ गुड लक चार्म के नाम से भी फेमस

संचालिका किसी काम से पार्लर के पीछे बने कमरे में पानी लेने गई। उन्हें फर्श के कोने में एक मोटा, भूरा और चमकदार सांप दिखा। घटना शनिवार रात की है। जैसे ही ब्यूटी पार्लर में सांप होने की सूचना लोगों को मिली भीड़ जमा हो गई। भीड़ में से किसी युवक ने वन विभाग और सर्प रेस्क्यू टीम को सूचना दी। टीम ने सर्प को पकड़ा, जिसकी पहचान रेड सैंड बोआ के रूप में हुई।

को-पायलट बने भाजपा सांसद रूडी

शिवराज ने पत्र लिखकर कहा रूडी जी, आपने दिल जीत लिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पटना से दिल्ली की हवाई यात्रा शनिवार को बेहद यादगार हो गई। इसकी वजह बने भाजपा के सीनियर नेता और छपरा से सांसद राजीव प्रताप रूडी, जो इस फ्लाइट के को-पायलट के रूप में कॉकपिट में मौजूद थे। भाजपा सांसद रूडी, जो एक प्रशिक्षित कमर्शियल पायलट भी हैं। उन्होंने फ्लाइट के दौरान मौसम की जानकारी देते हुए यात्रियों का दिल जीत लिया। केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, राजीव जी, आपने दिल जीत लिया।

■ पटना से नई दिल्ली की यात्रा का शेयर किया अनुभव

अब आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में विवाद

टीम इंडिया के साथ टॉस में बेईमानी! पाकिस्तानी कप्तान ने की धोखेबाजी

एजेंसी ⏭ कोलंबो

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के मैदान में विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुरुषों के एशिया कप 2025 के दौरान 3 बार दोनों टीम की टक्कर हुई और हर बार कोई न कोई बवाल हुआ। अब आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भी भारत और पाकिस्तान के मुकाबले में विवाद हो गया। एक बार फिर विवाद टॉस के दौरान हुआ, जहां दोनों कप्तानों ने हाथ तो नहीं ही मिलाया लेकिन टीम इंडिया के साथ 'बेईमानी' हो गई। टॉस हारने के बाद भी यहां पाकिस्तानी कप्तान को ही विजेता बता दिया गया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में रविवार को वर्ल्ड कप के छठे मैच में भारत और पाकिस्तानी टीम आमने-सामने थीं। हर किसी की नजरें इस बात पर थीं कि टॉस के दौरान क्या भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना आपस में हाथ मिलाएंगी या नहीं? जैसा कि मेंस एशिया कप में देखने को मिला था, वही यहां भी हुआ। भारत और पाकिस्तान की कप्तानों ने टॉस के दौरान न हाथ मिलाए और न ही नजर। बात करना तो दूर की बात थी।

■ रेफरी ने पाक को टॉस जिताया

सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

महिला ने ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय पर लगाया गलत तरीके से छूने का आरोप

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए एक महिला ने आरोप लगाया कि है ि ब्लं कि ट डिलीवरी बॉय पार्सल देते समय उसे गलत तरीके सीने पर छुआ। जिसके बाद उन्हें उससे बचने के लिए उस पार्सल को अपने सीने के आगे रखना पड़ा। महिला द्वारा शेयर किए गए वीडियो में ब्लिंकिट की पली ड्रेस पहले एक एजेंट को पार्सल देते और पेमेंट लेते हुए देखा जा सकता है। लेकिन जैसे ही वह पैसे लौटाता है वह महिला के सीने पर छूता है, जिससे वह जल्दी से अपने पार्सल को अपने आगे कर लेती है। महिला ने ब्लिंकिट की शुरूआती प्रतिक्रिया पर निशारा व्यक्त करते हुए दावा किया कि यह अपर्याप्त थी। महिला ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि आज ब्लिंकिट से ऑर्डर करते समय मेरे साथ यही हुआ।

■ आरोप के बाद ब्लिंकिट ने डिलीवरी ड्राइवर को किया बैन

डिलीवरी बॉय ने दोबारा मेरा पता पूछा और फिर मुझे गलत तरीके से छुआ। यह स्वीकार्य नहीं है। ब्लिंकट कृपया सख्त कार्रवाई करें। क्या भारत में महिला सुरक्षा एक मजाक है? महिला ने आगे दावा किया कि ब्लिंकिट ने डिलीवरी ड्राइवर के खिलाफ तभी कार्रवाई की जब उसने घटना का सबूत दिया।

सीईसी का 16 अफसरों की टीम के साथ राज्य में डेरा, बिहार विधानसभा इलेक्शन का काउंटडाउन शुरू

किसी भी मतदान केंद्र में 1200 से ज्यादा वोट नहीं होंगे ये प्रक्रिया पूरे देश में लागू होगी

सीईसी ज्ञानेश कुमार बोले- 22 नवंबर से पहले पूरा होगा चुनाव, वोटर 'मोबाइल' ले जा सकेंगे

बिहार के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने एक ऐसा कार्य किया जो पूरे देश में अनुकरणीय

एजेंसी ⏭ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर काउंटडाउन की शुरुआत हो गई है। पटना में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि पूरी प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले समाप्त हो जाएगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मैं बिहार के सभी मतदाताओं से यह आह्वान करता हूं कि जिस तरह हम अपने त्योहारों को उल्लास और श्रद्धा से मनाते हैं...उसी तरह से लोकतंत्र के चुनाव के इस महापर्व को भी उत्सव की तरह मनाएं।

बूथ के बाहर फोन रखने की होगी व्यवस्था

सीईसी ने कहा कि अब देशभर में किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता पंजीकृत नहीं होंगे। यह नियम पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाएगा। आयोग ने 100 मीटर की दूरी पर पोलिंग बूथ स्थापित करने की अनुमति दी है, जिससे मतदाताओं को सुविधा और भीड़-भाड़ से राहत मिल सके। इसके साथ ही हर बूथ पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था होगी, ताकि मतदान की हर गतिविधि पर रियल-टाइम निगरानी रखी जा सके। वहीं, बूथ के बाहर मोबाइल फोन रखने की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे मतदान केंद्र के अंदर किसी तरह का इलेक्ट्रॉनिक व्यवधान या गड़बड़ी न हो।

पोलिंग एजेंट को मतदान शुरू होने से पहले भेजें

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की ओर से एक मॉक पोल होता है। मॉक पोल में प्रत्याशियों द्वारा नामित कैंडिडेट की ईवीएम पर पोलिंग होती है, इससे पारदर्शिता सामने आती है। बिहार के आगामी चुनाव में जो प्रत्याशी खड़े हों, वो अपने बूथों पर अपने पोलिंग एजेंट जरूर नामित करें। मतदान पूर्ण होने पर जो पोलिंग एजेंट उपस्थित होते हैं, वो बताते हैं कि कितने वोट पड़े, उन्हें भी बताया जाए।

हरिभूमि

जबलपुर

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

चिंतन

पहाड़ों पर बार-बार क्यों पड़ रही प्रकृति की मार

हिमाचल प्रदेश और उतराखंड पर प्रकृति की मार से उभर भी नहीं पाए थे कि दार्जिलिंग में मौसम ने कहर बरपा दिया। पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में स्थित पहाड़ों में भारी बारिश ने कहर बरपाया है। लगातार बरसात के कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुए। इन भूस्खलनों से 40 लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोग अभी तक लापता हैं। भूस्खलन के कारण कई घर पूरी तरह से बह गए। इन घरों में रहने वाले लोगों ने अपना सब कुछ खो दिया। सड़कें भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। कई जगहों पर सड़कें टूट गईं या मलबे से भर गईं। असल में भूटान में लगातार हो रही बारिश के कारण पानी उत्तर बंगाल में बह रहा है। केवल 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। जिसने जमकर बर्बादी की है। इससे आवागमन पूरी तरह से रुक गया है। कई दूरदराज के गांवों का संपर्क बाकी दुनिया से टूट गया है। भूस्खलन और सड़क मार्ग पर अवरोधों के कारण पूरे क्षेत्र में हजारों पर्यटक फंसे हुए हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासन उन्हें किसी तरह आपदा से बाहर लाने की कोशिशों में जुटे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पहले से ही दार्जिलिंग और कलिम्पोंग सहित उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में छह अक्टूबर तक अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया था। साथ ही, मिट्टी की नाजुक स्थिति के कारण और अधिक भूस्खलन और सड़कों पर अवरोध पैदा होने की चेतावनी दी गई थी। असल में अब पहाड़ों का जानलेवा होना कोई नया नहीं रह गया है। कई सालों से लगातार देखने में आ रहा है कि पहाड़ों में बादल फटने और भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है। 2010 से 2025 के बीच पहाड़ों पर हुईं भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने 5949 से अधिक लोगों की जान ले ली। ऐसी घटनाओं का मुख्य कारण कहीं न कहीं मनुष्य और आबादी क्षेत्र का विस्तार है। यह अंधाधुंध विकास और पर्यावरण के असंतुलन का परिणाम है। बीते कुछ दशकों में हमने अपने पहाड़ों की संपदा का 40 से 50 प्रतिशत दोहन बढ़ा दिया है। इससे न केवल जल चक्र प्रभावित हुआ बल्कि सीधे तौर पर मानव जीवन और पर्यटन अर्थ आवासीय संरचना को काफी बढ़ाया है। इन क्षेत्रों में लोगों के पास रहने के लिए पर्याप्त जमीन नहीं है। ऐसे में वह उन जगहों पर रहने के लिए मजबूर हैं जहां पर प्राकृतिक आपदा आ सकती है। इसके अलावा पहाड़ों पर लगातार हो रही घटनाओं का कारण भूमि स्ट्रक्चर में बदलाव को भी माना जा रहा है। बीते वर्षों में केदारनाथ त्रासदी 2013, चमोली त्रासदी 2021, जोशीमठ त्रासदी 2023 और इस साल उत्तराखंड के धराली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर में जो भी घटनाएं हो रही हैं। वह सब इसी के एक बड़ा उदाहरण हैं। मौजूदा समय में हम क्लाइमेट चेंज के ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां पर मौसम बिल्कुल अनिश्चित है। कभी गर्मी का मौसम लंबा खिंचता है तो कभी सर्दी का, इसने हमारे इको सिस्टम को प्रभावित किया है। इसी का असर है कि जिन बादलों को मैदान की तरफ जाकर बरसना चाहिए, वह जलवायु दबाव के कारण पहाड़ों पर ही अचानक से बरस जा रहे हैं। इसके अलावा धरती और समंदर दोनों लगातार गर्म हो रहे हैं। ऐसे में बादलों के बरसने का जो नियम है वह पहाड़ों पर ठंडा मौसम होने के कारण वहां पर अधिक विकराल रूप ले रहा है। अगर हम भी नहीं चेते तो तय है कि ये प्रकृतिक आपदाएं और भी विकराल रूप ले लेंगी। इससे पहाड़ों में जीवन ही कठिन हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम प्रकृति को उसके हाल पर छोड़ दें। उससे ज्यादा छेड़छाड़ पूरी मानव सभ्यता के लिए हानिकारक है।

श्रद्धांजलि
नरेंद्र मोदी

उपलब्धियों से भरा रहा मल्होत्रा का जीवन

भारतीय जनता पार्टी परिवार ने अपने सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक विजय कुमार मल्होत्रा को खो दिया। उन्होंने अपने जीवन में बहुत-सी उपलब्धियां हासिल कीं। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण ये है कि उन्होंने कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय और सेवा से भरा जीवन जिया। उनके जीवन को देखकर समझा जा सकता है कि आरएसएस, जनसंघ और भाजपा के मूल संस्कार क्या हैं। विपरीत परिस्थितियों में साहस का प्रदर्शन, स्वयं से ऊपर सेवा भावना, साथ ही राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता, यह उनके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी पहचान रही। मल्होत्रा के परिवार ने विभाजन का भयावह दौर झेला। उस आघात और विस्थापन ने उन्हें कड़वा या आत्मकेंद्रित नहीं बनाया। इसके बजाए, उन्होंने स्वयं को दूसरों की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्हें आरएसएस और जनसंघ की विचारधारा में राष्ट्रसेवा का रास्ता नजर आया।

कुछ दिन पहले, भारतीय जनता पार्टी परिवार ने अपने सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक विजय कुमार मल्होत्रा को खो दिया। उन्होंने अपने जीवन में बहुत-सी उपलब्धियां हासिल कीं। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण ये है कि उन्होंने कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय और सेवा से भरा जीवन जिया। उनके जीवन को देखकर समझा जा सकता है कि आरएसएस, जनसंघ और भाजपा के मूल संस्कार क्या हैं। विपरीत परिस्थितियों में साहस का प्रदर्शन, स्वयं से ऊपर सेवा भावना, साथ ही राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता, यह उनके व्यक्तित्व की बहुत बड़ी पहचान रही। वीके मल्होत्रा के परिवार ने विभाजन का भयावह दौर झेला। उस आघात और विस्थापन ने उन्हें कड़वा या आत्मकेंद्रित नहीं बनाया। इसके बजाए, उन्होंने स्वयं को दूसरों की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्हें आरएसएस और जनसंघ की विचारधारा में राष्ट्रसेवा का रास्ता नजर आया।

बंटवारे का वो समय बहुत चुनौतीपूर्ण था। मल्होत्रा ने सामाजिक कार्यों को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। उन्होंने उन हजारों विस्थापित परिवारों की मदद की, जिन्होंने सब कुछ खो दिया था। उनका जीवन संवारने और उन्हें फिर से खड़े होने में मदद की। यही जनसंघ की प्रेरणा थी। उन दिनों उनके साथी मदनलाल खुराना और केदारनाथ साहनी भी बढ़-चढ़कर सेवा कार्यों में शामिल होते थे। उन लोगों की निःस्वार्थ सेवा को आज भी दिल्ली के लोग याद करते हैं। 1967 के लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव तब अपराजेय मानी जाने वाली कांग्रेस के लिए चौंकाने वाले रहे थे। इसकी बहुत चर्चा होती है, लेकिन एक कम चर्चित चुनाव भी हुआ। वो था, दिल्ली मेट्रोपॉलिटन काउंसिल का पहला चुनाव। राष्ट्रीय राजधानी में जनसंघ ने शानदार जीत दर्ज की। आडवाणी काउंसिल के चेयरमैन बने और मल्होत्रा को चीफ एग्जीक्यूटिव काउंसलर की जिम्मेदारी दी गई, जो मुख्यमंत्री के लगभग बराबर का पद था। तब उनकी उम्र केवल 36 वर्ष थी। उन्होंने अपने कार्यकाल को दिल्ली की जरूरतों, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर और लोगों से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया। इस जिम्मेदारी ने मल्होत्रा जी का दिल्ली से जुड़ाव और मजबूत कर दिया। जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर मल्होत्रा सक्रिय रूप से जनता के साथ खड़े होते और उनकी आवाज बुलंद करते। उन्होंने 1960 के दशक में गौ रक्षा आंदोलन में भी हिस्सा लिया, जहां उनके साथ पुलिस की ज्यादतियां भी खूब हुईं। आपातकाल विरोधी आंदोलन में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही। दिल्ली की सड़कों पर जब सिखों का बेरहमी से कत्लेआम हो रहा था, तब वे शांति और सद्भावना की आवाज बनकर सिख समुदाय के साथ पूरी मजबूती से खड़े रहे। उनका मानना था कि राजनीति, चुनावी सफलता के अलावा सिद्धांतों, मूल्यों और लोगों की रक्षा के लिए भी है, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। 1960 के दशक के उत्तरार्ध में वीके मल्होत्रा सार्वजनिक जीवन का एक स्थायी चेहरा बन गए थे। बहुत कम नेता ऐसा दावा कर सकते हैं कि उनके पास लोगों के बीच रहकर काम करने का इतना लंबा और ठोस अनुभव है। वो एक अथक कार्यकर्ता, उत्कृष्ट संगठनकर्ता और एक संस्था निर्माता थे। उनमें चुनावी राजनीति और संगठनात्मक राजनीति, दोनों में समान

रूप से सहजता के साथ काम करने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने जनसंघ और भाजपा की दिल्ली इकाई को स्थिर नेतृत्व दिया। अपने लंबे सेवाकाल में मल्होत्रा ने सिविक एडमिनिस्ट्रेशन संभाला, राज्य विधानसभा में भी पहुंचे और देश की संसद में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। 1999 के लोकसभा चुनाव में डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ उनकी शानदार जीत समर्थकों और विरोधियों के बीच आज भी याद की जाती है। ये एक बेहद हाई-प्रोफाइल चुनाव था। कांग्रेस की पूरी ताकत उनके दक्षिण दिल्ली क्षेत्र में उतर आई थी। लेकिन मल्होत्रा ने कभी बहस का स्तर नीचे नहीं किया। उन्होंने पॉजिटिव कैंपेन चलाया। गालियों और हमलों को नजरअंदाज किया और 50 प्रतिशत से ज्यादा वोटों के साथ जीत हासिल की। ये जीत सिर्फ प्रचार के दम पर नहीं मिली थी। ये जीत मल्होत्रा की जमीन पर मजबूत पकड़ की वजह से मिली थी। कार्यकर्ताओं से आत्मीय संबंध बनाकर रखने और मतदाताओं के मन की थाह लेने में वो माहिर थे। मल्होत्रा संसद में सटीक तैयारी के साथ अपनी बात रखते थे। वो पूरी रिसर्च करके आते थे और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखते थे। यूपीए-1 के दौरान विपक्ष के उपनेता के रूप में उन्होंने जिस तरीके से काम किया, वो राजनीति में आने वाले युवाओं के लिए एक मूल्यवान सबक की तरह है। उन दिनों मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था और अक्सर मल्होत्रा से बातचीत होती। वो हमेशा गुजरात की विकास यात्रा के बारे में जानने को उत्सुक रहते थे। राजनीति, वीके मल्होत्रा के व्यक्तित्व का केवल एक पहलू थी। वो एक उत्कृष्ट शिक्षाविद भी थे। उनके परिवार से मुझे पता चला कि उन्होंने स्कूल में डबल प्रमोशन हासिल किया। उन्होंने मैट्रिक और ग्रेजुएशन निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली। उनकी हिंदी पर इतनी अच्छी पकड़ थी कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषणों का हिंदी अनुवाद प्रायः वही करते थे। वे आरएसएस से जुड़ी कई संस्थाओं के संस्थापक और संरक्षक रहे। उनके प्रयासों से अनेक सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक संस्थाओं का विकास हुआ और मार्गदर्शन मिला। इन संस्थाओं के माध्यम से कई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने एक ऐसे समाज का विजन दिया, जो आत्मनिर्भर हो और मूल्यों पर टिका हो। मल्होत्रा ने राजनीति और अकादमिक जीवन से परे, खेल जगत में भी अमिट छाप छोड़ी। तीरंदाजी उनका गहरा शौक था और वो कई दशकों तक आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय तीरंदाजी को ग्लोबल पहचान मिली। उन्होंने खिलाड़ियों को मंच और अवसर दिलाने के लिए निरंतर अथक प्रयास किए। खेल प्रशासन में भी उन्होंने वही गुण दिखाए जो सार्वजनिक जीवन में थे, यानी समर्पण, संगठन क्षमता और उत्कृष्टता की निरंतर खोज। वी के मल्होत्रा जी को आज लोग उनके द्वारा संभाले गए पदों के साथ ही उनकी संवेदनशीलता के लिए भी याद कर रहे हैं। उनकी पहचान एक ऐसे व्यक्तित्व की रही, जो हमेशा लोगों की मुश्किलों में उनके साथ खड़े रहे। जहां भी मदद की जरूरत पड़ी, वहां उन्होंने खुद आगे बढ़कर योगदान दिया। विपरीत परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों से पीछे नहीं हटे। वे आदर्श पार्टी कार्यकर्ता थे, कभी ऐसा कुछ नहीं बोलते थे जिससे हमारे कार्यकर्ताओं या विचारधारा को ठेस पहुंचे। कुछ दिन पहले, मैं दिल्ली भाजपा के नए मुख्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुआ था। वहां मैंने स्नेहपूर्वक वीके मल्होत्रा को याद किया। इस वर्ष तीन दशक बाद जब भाजपा ने दिल्ली में सरकार बनाई, तो वो बहुत उत्साहित थे। उनकी अपेक्षाएं बहुत बड़ी थीं, जिन्हें हम पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा पाती रहेंगी।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

पर्यावरण
ज्ञानेन्द्र रावत

हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झीलों से तबाही का खतरा

जलवायु परिवर्तन से ग्लेशियरों के पिघलने की गति जिस तेजी से बढ़ रही है, उसी गति से ग्लेशियर झीलों की तादाद भी बढ़ रही है। इस हिमालयी इलाके में ग्लेशियर झीलों की बेतहाशा बढ़ती तादाद निचले इलाकों में रहने वालों के लिए भीषण खतरा बन गई है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झीलों के आकार में तेजी से हो रही बढ़ोतरी ने वैज्ञानिकों और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों के अध्ययन इस बात के जीते-जागते सबूत हैं कि ग्लेशियर झीलों के विस्तार भविष्य में 2013 की केदारनाथ त्रासदी जैसी भीषण आपदा का सबब बन सकती है। इसलिए इस पर तत्काल अंकुश लगाये जाने की जरूरत है। यदि हिमालयी राज्य उत्तराखंड को लें, तो इसके उच्च हिमालयी क्षेत्र में लगभग 1266 से भी अधिक ग्लेशियर झीलें हैं। इनमें 13 तो बेहद खतरनाक हैं। इनमें भी पांच उच्च जोखिम वाली क्षेणी में हैं। इनमें बहुतेरी झीलें ऐसी हैं जो विभिन्न कारणों से बनती-बिगड़ती रहती हैं। हाल ही में एक नयी आफत दस्तक दे रही है। वह यह है कि पिथौरागढ़ की दारमा घाटी के ऊपर करीब सात सौ मीटर लम्बी और छह सौ मीटर चौड़ी ग्लेशियर झील ने वैज्ञानिकों को अचरज में डाल दिया है। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि इस झील के आकार में बीते दिनों करीब तीस फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। केन्द्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक अकेले अरुणाचल में 197 से ज्यादा ग्लेशियर झीलें हैं। ये अपना खतरनाक स्तर पर विस्तार कर रही हैं। इनके बाद लद्दाख में 120, जम्मू-कश्मीर में 57, सिक्किम में 47, हिमाचल में 6 और उत्तराखंड में 5 झीलें हैं। कुल मिलाकर 2025 में ही 1,435 ग्लेशियर झीलों का विस्तार हुआ है जो तबाही का संकेत है। गौरतलब है कि ग्लेशियर झीलों का मुद्दा 2013 में केदारनाथ आपदा के समय महत्वपूर्ण बन गया जबकि चौराबाडी ग्लेशियर की झील के फटने से तबाही आई थी। जियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के मुताबिक उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में लगभग 968 ग्लेशियर हैं जिनमें 12000 ग्लेशियर झीलें मौजूद हैं। देखा गया है कि आये दिन उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर से बनने वाली झीलों में जरूरत से ज्यादा पानी आने के कारण बाढ़ का खतरा मंडराता रहता है। इनको लेकर नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथारिटी द्वारा इन बर्फीली वादियों में बनी झीलों पर बीते महीनों में किये गये अध्ययनों में कई हैरानी वाली बातें सामने आयीं हैं। इसकी पुष्टि वाडिया इंस्टीटयूट आफ हिमालयन जियोलाजी के शोध में भी की गई है। शोध में खुलासा हुआ है कि इन झीलों में पानी बढ़ने से इनका आकार तेजी से विकराल रूप लेता जा रहा है। इसके चलते हमेशा आउटबर्स्ट का खतरा बना रहता है। 2021 में हिमनद का एक हिस्सा टूटने से चमोली में धौलीगंगा नदी में बाढ़ और 2013 में केदारनाथ त्रासदी इसकी जीती-जागती मिसाल है। चूंकि हिमालयन क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से काफी संवेदनशील है, इसलिए यह खतरा और बढ़ जाता है। यही वजह है कि वैज्ञानिक और पर्यावरणविद हिमालयी अंचल में बनी इन झीलों से आने वाले भीषण खतरों के प्रति काफी चिंतित हैं। इस सच्चाई को दरगुजर नहीं किया जा सकता कि भारत में ग्लेशियर झीलों का क्षेत्रफल लगातार बढ़ रहा है।

वैज्ञानिकों के शोध-अध्ययन और रिपोर्ट इस बात के प्रमाण हैं कि भारत में मौजूद 432 ग्लेशियर झीलों में बहुतेरी ऐसी हैं जिनका आकार जून 2025 के दौरान बढ़ा है। केन्द्रीय जल आयोग की मानें तो देश में सबसे अधिक हिमनद झीलें अपने विस्तार में चिंताजनक रुझान दिखा रही हैं जो खतरनाक संकेत हैं। याद रखना होगा कि ग्लेशियर मात्र बर्फीले शिखर ही नहीं हैं, वे हमारे भविष्य की जड़ें हैं। फिर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बर्फ के पिघलने से पूरा का पूरा पारिस्थितिकीय तंत्र बदल जाता है जो पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक है। बढ़ते खतरे से निपटने की दिशा में हमें तत्काल कार्रवाई, फंडिंग के साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सहयोग की भी बहुत जरूरत है। इसके अलावा हमें अपनी जीवन शैली में बदलाव के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय दखलंदाजी पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन के दानव और कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगानी ही होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब हिमालय की धारायें मौन हो जाएंगी, हम बूंद-बूंद पानी के लिए तरस जायेंगे, खेत सूख जाएंगे, जमीन बंजर हो जाएगी। निष्कर्ष यह कि आपदा प्राकृतिक हो या मानवीय निर्मित ,प्राकृतिक आपदा को तो हम रोक नहीं सकते लेकिन जागरूकता, सतर्कता और सावधानी से होने वाले जान-माल के नुकसान को कम जरूर कर सकते हैं। इसलिए ऐसे कदम प्राथमिकता के आधार पर तो हम उठा ही सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपत्ति को परमार्थ में न लगाना ही असफलता

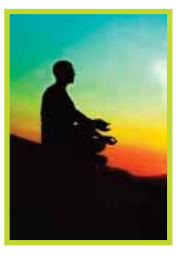

संकलित
दर्शन

संतोष सभी गुणों में सर्वोपरि है। जीवन में संतुष्टि है, तो सद्गुणों को अपनाना सहज है। जहां सद्गुणों का वास है, वहां दुर्गुणों का नाश हो ही जाता है। क्योंकि, असंतुष्टि अशांति व अवगुणों की जननी है। असंतुष्टि का कारण अप्राप्ति है, किसी न किसी इच्छा या अपेक्षा की अपूर्ति है। ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्तियों की प्राप्ति, धारणा व उपार्जन से इंसान की सभी सदिच्छाओं व आवश्यकताओं की सहज पूर्ति हो जाती है। संतुष्ट आत्मा बनने का अर्थ है सदा सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलना। संतोष द्वारा सर्व दिव्य गुणों का आह्वान होता है, जिससे सर्व अवगुणों की आहुति स्वतः हो जाती है। जीवन में अप्राप्ति या असंतुष्टि का कारण अंदर की कमियां या कमजोरियां ही हैं, जो परमात्म ज्ञान और योग साधना की प्राप्तियों से दूर हो जाती हैं। जिन्हें सर्व प्राप्तियां हैं, उसके चिह्न उनके मुख और व्यक्तित्व में प्रसन्नता के रूप में दिखाई देते हैं। आजकल लोगों के चेहरे पर सदा प्रसन्नता की झलक देखने को नहीं मिलती है। इंसान कभी प्रसन्नचित्त है तो और कभी प्रश्नचित्त बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में हम क्यों, क्या, कैसे, कब... जैसे प्रश्नों से प्रश्नचित्त बन जाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो सदा प्रसन्नचित्त होते हैं। उनकी किसी भी बात में प्रश्न नहीं होता है। जो प्राप्तियों से सम्पन्न होता है, उसमें हलचल नहीं होती है। जो खाली होता है, उसमें हलचल होती है। स्वयं से पूछिए कि क्या मैं सदा प्रसन्नचित्त रहता या रहती हूं? यदि प्रसन्नता कम होती है तो उसका कारण प्राप्ति की इच्छा है।

एक सत्संग ऐसी भी

संकलित
प्रेरणा

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहाँ जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहाँ हैं। सेठजी कहते हैं, हाँ महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया , मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

सटाका

आज की पाती

पशुओं के संरक्षण-संवर्धन का संकल्प लें

चार अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस मनाया जाता है। देश में पशु जगत की दुर्दशा को देखकर मन विचलित हो जाता है। गोधन की दुर्दशा देखकर हृदय कंपित हो उठता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में पशुओं के प्रति प्रेम और सहानुभूति अभूतपूर्व थी। पशुओं के संरक्षण के लिए आज हमें ठोस प्रयास करने होंगे। पशुओं का अनिवार्य रूप से संरक्षण होना चाहिए। सामूहिक रूप से हिंसा उन्मूलन के प्रयास तेज होने चाहिए। उससे अहिंसात्मक मूल्यों की प्राणप्रतिष्ठा हो सकती है। पशु दुर्व्यवहार एक तरह से जानबूझ कर करने वाला कार्य जैसे मारना, जलाना, भोजन-पानी, आश्रय, देखभाल में कमी जैसी उपेक्षा से पशुओं को पीड़ा होती है। पशु शिकायत नहीं कर सकते। इसलिए हमें उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

- अशोक दुबे, दुर्ग

ट्रेंड

दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना

दार्जिलिंग में भारी बारिश के कारण हुई दुखद जनहानि से मैं बेहद दुखी हूँ। मेरी संवेदनाएँ उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मेरी गहरी संवेदनाएं

पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश और भूस्खलन से कई लोगों की मौत और कई के लापता होने की ख़बर बेहद दुखद है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और लापता लोगों के सुरक्षित मिलने की आशा करता हूं।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

जवाबदेही तय करे सरकार

यह बेहद शर्म की बात है कि भाजपा सरकार में ऐसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है क्योंकि खांसी की दवा से मौतें हो रही हैं। राज्य सरकार इन मौतों की जवाबदेही तय करने के बजाय (इन्हें) स्वीकार ही नहीं कर रही है।

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

इंसानों की सेवा

आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता गोवा को ठीक करने के लिए कर रहा काम। पार्टी राजनीति में सेवा करने के लिए आई है। इंसानों की सेवा करने से भगवान की पूजा करने के समान पुण्य मिलता है। हमारी सभी धार्मिक किताबें इंसानों की सेवा करने का ज्ञान देती हैं।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

करंट अफेयर

चरमपंथी लेबनानी पॉप स्टार का आत्मसमर्पण

पॉप स्टार से वांछित इस्लामी चरमपंथी बने लेबनान के एक व्यक्ति ने 12 साल बाद शनिवार को खुद को देश की सैन्य खुफिया सेवा के हवाले कर दिया। न्यायिक और सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लेबनान के शहर सिडोन में जून 2013 में सुन्नी मुस्लिम चरमपंथियों और लेबनानी सेना के बीच सड़क पर हुए खूनी संघर्ष के बाद से फदल शकर फरार था। उसकी गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाया गया और 2020 में एक 'आतंकवादी समूह' को समर्थन देने के आरोप में 22 साल जेल की सजा सुनाई गई। दो सुरक्षा और दो न्यायिक अधिकारियों ने बताया कि शनिवार की रात एक लेबनानी सैन्य खुफिया बल सिडोन के पास ऐन अल-हिल्वेह के फिलस्तीनी शरणार्थी शिविर में पहुंचा और शकर को हिरासत में ले लिया, जो 12 साल से अधिक समय से इसी शिविर में छिपा हुआ था। नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर अधिकारियों ने बताया कि शकर लेबनानी अधिकारियों की गिरफ्तारी में है, उससे पूछताछ की जाएगी और सेना के खिलाफ अपराध करने के नए आरोपों पर मुकदमे की तैयारी की जाएगी। शकर एक पॉप स्टार था, जो 2002 में अपने एक जबरदस्त हिट गाने के साथ पूरे अरब जगत के बेहद लोकप्रिय हुआ था।

ऑफ बीट

रात में अच्छी नींद कैसी होनी चाहिए?

बहुत से लोग सोचते हैं कि जब वे तकिये पर सिर रखेंगे तो उन्हें गहरी और आरामदेह नींद आनी चाहिए और लगभग आठ घंटे के बाद तरोताजा महसूस करते हुए उठना चाहिए। वास्तव में, पूरी रात स्वस्थ नींद चक्रीय होती है क्योंकि आप नींद के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं और अक्सर कई बार जागते हैं। कुछ लोगों को इनमें से एक या अधिक बार जागना याद रहता है लेकिन कई लोगों को यह भी याद नहीं रहता कि वे रात में कितनी बार नींद से जागे। एक वयस्क के रूप में, हमारी नींद अलग-अलग चक्रों से गुजरती है और रात के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर के लिए नींद टूटती है। प्रत्येक नींद का चक्र लगभग 90 मिनट का होता है। गहरी नींद में जाने से पहले और सपनों की दुनिया (रैपिड आई मूवमेंट-आरईएम) में खोने से पहले हम रात में हल्की नींद से शुरुआत करते हैं। यदि हम अच्छी नींद लेते हैं, तो हम अपनी अधिकांश गहरी नींद रात के पहले भाग में पूरी कर लेते है और रात के दूसरे भाग में हमें सपने आने लगते हैं। वयस्क आमतौर पर रात में पांच या छह नींद के चक्रों से गुजरते हैं और प्रत्येक चरण के अंत में थोड़ी देर के लिए जागना पूरी तरह सामान्य है। इसका मतलब है कि हम रात में पांच बार जाग सकते हैं।यह बढ़ती उम्र के साथ बढ़ सकता है और हम फिर भी स्वस्थ रह सकते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

जबलपुर, सोमवार 6 अक्टूबर 2025 ■ आश्विन मास शुक्ल पक्ष-14 ■ वर्ष : 20, अंक : 157 ■ पृष्ठ : 2+2+4+6=14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 31 न्यून. 22 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दार्जिलिंग में बरपा कहरः केवल 12 घंटे में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश

पुल टूटे...सड़कें बहीं, संचार व्यवस्था ध्वस्त, घर लापता...20 की मौत

सीएम ममता बेनर्जी आज दोपहर 3 बजे पहुंचेंगी प्रभावित इलाकों में

भूस्खलन और सड़क मार्ग पर अवरोधों के कारण पूरे क्षेत्र में हजारों पर्यटक फंसे

एजेंसी ▶▶ दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में स्थित दार्जिलिंग की पहाड़ियों में भारी बारिश ने कहर बरपाया है। लगातार बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुए। इन भूस्खलनों से 20 लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोग अभी तक लापता हैं। भूस्खलन के कारण कई घर पूरी तरह से बह गए। सड़कें भी बुरी तरह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर दुख जताया

एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें बचाव कार्य में लगी

क्षतिग्रस्त हो गईं। कई जगहों पर सड़कें टूट गईं या मलबे से भर गईं। इससे आवागमन पूरी तरह से रुक गया। कई दूरदराज के गांवों का संपर्क बाकी दुनिया से टूट गया। वे गांव अब अकेले पड़ गए हैं। नागराकाटा के धार गांव में मलबे से कम से कम 40 लोगों को बचाया गया जहां भारी भूस्खलन के कारण कई घर ध्वस्त हो गए। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और जिला प्रशासन की टीमें बचाव कार्य में लगी हैं।

सिलीगुड़ी के कंट्रोल रूम से नजर रखेंगी ममता

ममता बेनर्जी ने कहा कि भूटान में लगातार बारिश के कारण पानी उत्तर बंगाल में बह गया है। यह आपदा दुर्भाग्यपूर्ण है। प्राकृतिक आपदाएं हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। हम बहुत दुखी हैं। मैंने मुख्य सचिव के साथ पांच प्रभावित जिलों के अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठकें कीं। मैं सुबह छह बजे से स्थिति पर नजर रख रही हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सोमवार दोपहर मुख्य सचिव मनोज पंत के साथ उत्तर बंगाल के लिए रवाना होंगी और सिलीगुड़ी से स्थिति पर नजर रखेंगी। भूस्खलन और सड़क मार्ग पर अवरोधों के कारण पूरे क्षेत्र में हजारों पर्यटक फंसे हुए हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बाघ का शव मिला, डिप्टी रेंजर, वनरक्षक सस्पेंड

उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर क्षेत्र की सलखनिया बीट में करीब 10

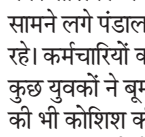

दिन पुराना बाघ का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मामले में क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने वन गश्त में लापरवाही बरतने के आरोप में दो कर्मचारियों शंकर सिंह कोल और पंकज कुमार चंदेल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। शंकर सिंह कोल परिक्षेत्र सहायक (परिक्षेत्र सहायक वृत्त करोंदिया) और पंकज के पास जगुआ के अलावा सलखनिया का अतिरिक्त प्रभार था। बाघ का शव मिलने की सूचना के बाद टीम और डॉक्टरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया।

नपाध्यक्ष के सामने टोलकर्मी से मारपीट

शहडोल। शहडोल-रीवा स्टेट हाईवे पर ब्यौहारी के मऊ टोल प्लाजा पर टोलकर्मियों के साथ

जमकर मारपीट हुई। घटना रविवार दोपहर करीब 2 बजे की है। आरोप है कि टोल कर्मचारियों की पिटाई के दौरान भाजपा नेता और ब्यौहारी नगर पालिका अध्यक्ष राजन गुप्ता सामने लगे पंडाल में बैठकर देखते रहे। कर्मचारियों को पीटने के बाद कुछ युवकों ने बूम बैरियर तोड़ने की भी कोशिश की। मारपीट के बाद कर्मचारियों ने खुद को कमरों में बंद कर लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने के कर्मचारी कमरों से बाहर आए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुवाहाटी में 'इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपोर्च्यूनिटीज इन मप्र'

सीएम डॉ. यादव ने उद्योपतियों से वन-टू-वन चर्चा कर निवेश के लिए आमंत्रित किया

उद्योगों की स्थापना के लिए मप्र बन चुका देश का आइडियल डेस्टिनेशन

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

इन्टरेक्टिव सेशन में नॉर्थ ईस्ट के जाने-माने उद्योगपतियों ने मप्र की खूबियों को जाना और निवेश करने में रूचि दिखाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की देश में केंद्रीय स्थिति, भरपूर बिजली-पानी, कुशल श्रमशक्ति और उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स सुविधाओं से राज्य उद्योग स्थापना के लिए देश का आइडियल डेस्टिनेशन बन चुका है। मप्र की देश के प्रमुख शहरों से बेहतरीन कनेक्टिविटी भी निवेशकों को अतिरिक्त लाभ देती है। उन्होंने असम राज्य के उद्योगपतियों और निवेशकों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं और यहां अपने उद्योग एवं निर्माण इकाइयां स्थापित करें।

उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं और करें अपना उद्योग स्थापित

सीएम ने कहा कि सरकार हर कदम पर निवेशकों को पूरा सहयोग और आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी

पीएम मित्र पार्क में उद्योग लगाने किया आंमत्रित

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन मध्यप्रदेश की धरती पर 17 सितंबर को किया जा चुका है। यह मेगा टैक्सटाइल पार्क निवेश के लिए एक अनूठा और सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि निवेशक इस टैक्सटाइल पार्क में या मध्यप्रदेश के किसी भी अंचल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करना चाहें, तो हमारी सरकार इसमें सहयोगी और मददगार के रूप में साथ देगी।

मप्र-असम मिलकर कर सकते हैं कई सेक्टर में काम

डॉ. यादव ने असम राज्य का गौरव स्व. भूपेन हजारिका और सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक स्व. जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि असम एक ऐसा राज्य है, जो चाय के पत्ते-पत्ते को सोना बनाकर बेचता है। गुवाहाटी एक बेहद पवित्र नगरी है। नॉर्थ-ईस्ट हमारे लिए भारत को दुनिया से परिचित कराने का गौरवशाली गेट-वे है। मध्यप्रदेश और असम में काफी समानताएं हैं। हम मिलकर कई सेक्टर्स में काम कर सकते हैं। हम यहां मध्यप्रदेश में उपलब्ध बहुत सी संभावनाओं की जानकारी लेकर आए हैं।

वनों को समृद्ध करने वन्य प्राणियों का हो आदान-प्रदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का बाघ और असम का गैंडा दोनों ही जंगल में एक साथ रफ्तार भर सकते हैं। दोनों राज्य मिलकर इन वन्य प्राणियों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश असम को गौर, घड़ियाल और मगरमच्छ दे सकता है। असम हमें गैंडा देकर हमारे वनों को समृद्ध कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीता पुनर्वास प्रोजेक्ट एक ऐसा ही अनुपम उदाहरण है, जिसमें हमने अफ्रीकन चीतों को मध्यप्रदेश की धरती पर बसाया है।

उपभोक्ता मंत्रालय ने शुरु की जांच

ई-कॉमर्स कंपनियों के हिडन चार्ज वाले खेल पर शिकंजा

कैश-ऑन-डिलीवरी पर वसूल रहीं हैं पैसा | नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन 1915 पर शिकायत करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा कैश-ऑन-डिलीवरी ऑर्डर्स पर हिडन चार्ज लगाने की शिकायतों के बाद सरकार हरकत में आ गई है।

- 21 सितंबर से अब तक 3,981 शिकायतें मिली

उपभोक्ता मामलों का विभाग अब इन कंपनियों की जांच कर रहा है ताकि ग्राहकों को हो रहे संभावित नुकसान और गुमराह करने वाले तरीकों की सच्चाई सामने आ सके। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि कई यूजर्स ने शिकायत की है।

कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर पर करें शिकायत

सरकार का यह कदम ई-कॉमर्स सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अगर किसी ऑर्डर में गलत चार्ज या छिपी हुई फीस ली जाती है, तो वे नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन 1915 पर शिकायत दर्ज करें। इसी तरह, स्विगी और जोमेटो जैसी क्विक-कॉमर्स कंपनियां भी पेमेंट से पहले अतिरिक्त चार्ज लगाती हैं।

इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर भीषण हादसा

ट्रक और बस की टक्कर में दो ई-स्कूटी सवार जिंदा जले

कुछ ही सेकंड में स्कूटी आग के गोले में बदली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खंडवा

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मोरटक्का पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास दोपहर करीब 1:45 बजे एक ट्रक और यात्री बस में जोरदार टक्कर हो गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक इलेक्ट्रिक स्कूटी भी दुर्घटना की चपेट में आ गई। टक्कर के बाद स्कूटी में आग लग गई, जिसमें सवार दोनों युवक मौके पर ही जलकर मौत के शिकार हो गए। मृतकों की पहचान विनीत शर्मा और सैयद मोहसिन अली के रूप में हुई है।

विनीत असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर थे

विनीत शर्मा खंडवा ट्रेजरी ऑफिस में असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर के पद पर पदस्थ थे और मूल रूप से बड़वाह के निवासी थे। उनके साथ सवार सैयद मोहसिन भी बड़वाह के ही रहने वाले थे और प्रॉपर्टी का काम करते थे। घटना की सूचना मिलते ही मोरटक्का चौकी पुलिस, एसडीएम पंकज वर्मा और तहसीलदार उदय मंडलोई मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने जले हुए शवों को एंबुलेंस से सनावद सिविल हॉस्पिटल भेजा, जहां पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया जारी है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय तक यातायात बाधित रहा।

एयर इंडिया के विमान में लैंडिंग से पहले तकनीकी गड़बड़ी

विमान अमृतसर से बर्मिंघम आ रहा था

जमीन से 400 फीट ऊपर था विमान अचानक खुला रैट और मचा 'हड़कंप'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को एयर इंडिया के एक बोइंग ड्रीमलाइनर विमान में लैंडिंग से पहले तकनीकी गड़बड़ी आई। विमान की रैम एयर टरबाइन (आरएटी) अपने आप सक्रिय हो गई जबकि विमान बर्मिंघम हवाई अड्डे से 400 फीट ऊपर था। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्री सुरक्षित रहे। जांच में पाया गया कि सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रॉलिक सिस्टम सामान्य थे।

कैसे खुल गई रैट

लैंडिंग के कुछ सेकंड पहले ही पायलट ने देखा कि विमान की रैट अपने आप ही खुल गई। यह उपकरण तभी खुलता है जब विमान को बिजली या हाइड्रॉलिक सिस्टम में पूरी तरह फेल्योर महसूस होता है। यानी विमान के सेंसर ने शायद गलत संकेत भेजा था। इसे सिस्टम एनोमली कहा जा रहा है। एयर इंडिया ने कहा कि विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। इसकी वजह से वापसी की फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। यात्रियों के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं।

दिवाली से पहले फ्लाइट से यात्रा करने वालों को खुशखबरी

टिकटों के दाम बेतहाशा न बढ़ाएं

डीजीसीए ने किराए को लेकर एयरलाइंस को दी कड़ी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिवाली से पहले हवाई यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइंस को चेतावनी दी है कि वे टिकटों के दाम बेतहाशा न बढ़ाएं।

नियामक संस्था ने सभी घरेलू एयरलाइंस को फ्लाइट क्षमता बढ़ाने और किराए को सामान्य रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रियों को त्योहारी सीजन में ज्यादा कीमत न चुकानी पड़े। जारी बयान में कहा

कि उसने एयरलाइंस से सक्रिय रूप से बातचीत की है ताकि यात्रियों को अत्यधिक टिकट दरों का बोझ न उठाना पड़े। यह कदम देशभर के प्रमुख हवाई मार्गों पर किरायों के रुझानों की समीक्षा के बाद उठाया गया है।

बीते वर्षों में बढ़ा था किराया

बीते कुछ वर्षों में त्योहारों और छुट्टियों के समय हवाई किराए में अचानक उछाल पर यात्रियों ने कई बार शिकायत की है। अधिकारियों का कहना है कि भारत की ओपन स्काई पॉलिसी के तहत एयरलाइंस अपने दाम खुद तय कर सकती है, लेकिन अगर किराए असामान्य रूप से बढ़ते हैं तो सरकार दखल देने का अधिकार रखती है।

पाकिस्तान पर गरजे संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, दी बड़ी चेतावनी

डॉ. भागवत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का अभिन्न अंग बताया

पीओके भारत के घर का एक कमरा है, अजनबी लोग कब्जा किए बैठे, इसे वापस लेकर ही रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत के घर का एक कमरा बताया, जिस पर अजनबी लोग कब्जा कर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि यह कमरा भारत का हिस्सा है और इसे एक दिन वापस लेना ही होगा। सतना में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पूरा भारत एक घर है। लेकिन हमारे घर का एक कमरा, जहां हमारी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे थे उसे किसी ने कब्जा लिया है। एक दिन हमें उसे वापस

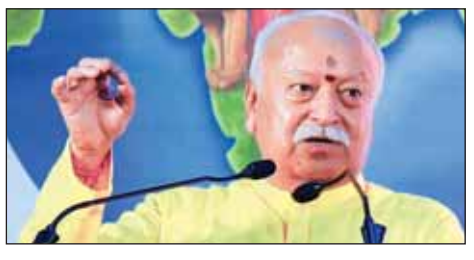

लेना ही होगा। कार्यक्रम में मौजूद सिंधी समाज के लोगों का जिक्र करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि बहुत से सिंधी भाई बैठे हैं, मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए थे, बल्कि अखंड भारत में ही थे। हालात ने हमें यहां लाकर बैठा दिया, वरना हमारा वह घर और यह घर अलग नहीं है। उन्होंने कहा कि पीओके भारत के लिए सिर्फ एक भौगोलिक नहीं, बल्कि भावनात्मक मुद्दा भी है। डॉ. भागवत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीओके में पाकिस्तान शासन के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं।

पहलगाम हमले पर डॉ. भागवत का बयान

इससे एक दिन पहले डॉ. मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा था कि इस घटना के बाद दुनिया के देशों की प्रतिक्रिया ने यह साफ कर दिया है कि कौन भारत का सच्चा मित्र है। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीतिक नेतृत्व की दृढ़ता, सेना का साहस और समाज की एकता ने इस हमले का मजबूत जवाब दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में स्वयंसेवक करते हैं अनुशासन, समय की पाबंदी तथा राष्ट्रभक्ति का अभ्यास

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 40 से अधिक अनुशांगिक संगठनों में 'मातृशक्ति' निभा रहीं भागीदारी

उमा शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय प्रमुख, महिला इकाई, लघु उद्योग भारती

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन दिन 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा और समाज संगठन के कार्य में समर्पित कर दिया। इस पावन विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना को 100 वर्ष पूर्ण हुए हैं। यह अवसर हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण है।

संघ की स्थापना का उद्देश्य भारत वर्ष में हिन्दू समाज को संगठित करना था। इसके लिए प्रतिदिन एक घंटे की शाखा की परंपरा शुरू हुई। शाखा में जाने वाले व्यक्ति को स्वयंसेवक कहा जाता है। स्वयंसेवक का अर्थ है वह व्यक्ति, जो अपनी स्वेच्छा और प्रेरणा से शाखा में जाकर अनुशासन, समय की पाबंदी तथा राष्ट्रभक्ति का अभ्यास करता है और तन, मन, धन को भारत माता और राष्ट्र के लिए समर्पित करने की भावना रखता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संगठन मुख्यतः पुरुषों के लिए है, लेकिन यह भी सत्य है कि स्वयंसेवक के परिवार में महिलाएं और बच्चे अप्रत्यक्ष रूप से सदैव संघ कार्य में सहयोग करते आए हैं। स्वयंसेवक का परिवार ही संघ कार्य संचालन का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। प्रत्यक्ष रूप से महिला कार्य को संगठित और सशक्त बनाने के लिए राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना की गई। इसके अतिरिक्त संघ के 40 से अधिक अनुशांगिक संगठनों में मातृशक्ति प्रत्यक्ष रूप से सक्रिय भागीदारी निभा रही है। आज महिला शक्ति राष्ट्र निर्माण के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। जिसमें महिला सशक्तिकरण और संस्कार निर्माण, शारीरिक एवं मानसिक प्रशिक्षण, धर्म-संस्कृति और शिक्षा का क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, उद्योग और स्वावलंबन, भाषा और साहित्य का संरक्षण शामिल हैं। इस तरह अन्य कई क्षेत्रों में मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी ने संगठन और समाज दोनों को नई दिशा और मजबूती प्रदान की है। राष्ट्र को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाने के संघ के उद्देश्यों को हम सभी मिलकर पूर्ण कर सकें, इसी शुभकामनाओं के साथ मेरी ओर से सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई।

बजट को लेकर 8 से लेकर 17 अक्टूबर तक लगातार होगी बैठक

मध्य प्रदेश रोलिंग बजट तैयार करने में एसीएस, पीएस, सचिव के सामने पेश की अधूरी और गलत जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र सरकार अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 से रोलिंग बजट पेश करने वाली है। इस बजट को लेकर पहली हाईलेवल की बैठक हो चुकी है। इस बैठक में बजट के संबंध में कुछ खास तैयारी नहीं होने की जानकारी मिली।

इस पर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने नाराजगी जताई। वित्त विभाग के एक आदेश पर हुई इस बैठक में अधिकारी भी बगैर तैयारी पहुंचे थे, जो जानकारी दी, वह भी गलत थी। इस जानकारी को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल, वित्त विभाग ने बाकायदा आदेश जारी करते हुए कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सेक्रेटरी स्तर पर बैठक हो चुकी है। इसमें विभागों से महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई, किंतु अधिकारियों ने अधूरी जानकारी दी है। इसके साथ ही गलत रिपोर्ट भी बैठक में दी गई है।

मुख्य सचिव अनुराग ने नाराजगी जताई

बजट चर्चा के दौरान पता चला कि कुछ विभागों ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं से संबंधित वांछित जानकारी प्रस्तुत नहीं की, जबकि कुछ विभागों ने अपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई, जबकि शून्य आधारित बजट प्रक्रिया एवं रोलिंग बजट तैयार किए जाने के लिए योजना से संबंधित सभी जानकारियां, विभाग की आगामी कार्य योजना एवं स्वीकृत पदों की पूर्ति से संबंधित योजना, विवरण आदि अति आवश्यक हैं। अब विभागीय अधिकारियों के साथ द्वितीय चरण की बजट चर्चाएं की जा रही है। वित्त विभाग में आदेश जारी करते हुए कहा कि 15 दिन तक लगातार बैठक चलेगी। 8 अक्टूबर से लेकर 17 अक्टूबर तक लगातार बैठक होगी। इस बैठक में रोलिंग बजट के संबंध में चर्चा होगी। इसके साथ ही विभागों के खर्च और आय के संबंध में भी रिव्यू किया जाएगा।

एमपी और गुजरात के अफसरों की हाईलेवल मीटिंग में सरदार सरोवर प्रोजेक्ट पर हुआ विचार-विमर्श

मध्यप्रदेश को उत्पन्न बिजली में 57 प्रतिशत की मिलेगी हिस्सेदारी

पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को लेकर बनी दो राज्यों के मुख्य सचिवों के बीच सहमति

डूब क्षेत्र में आने वाली शासकीय राजस्व, आबादी एवं वन भूमि की प्रतिपूर्ति राशि को लेकर सिद्धांत तय किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश और गुजरात राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच शनिवार को उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें सरदार सरोवर प्रोजेक्ट संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य सरदार सरोवर प्रोजेक्ट से संबंधित मुद्दों का आपसी समन्वय से निराकरण करना था। बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा गुजरात के मुख्य सचिव पंकज जोशी ने की।

बैठक में नर्मदा घाटी विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, सचिव जॉन किंग्सली, सीएमडी, एसएसएनएनएल मुकेश पुरी तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दोनों राज्यों के बीच सरदार सरोवर प्रोजेक्ट में गुजरात के गरुड़ेश्वर वियर के माध्यम से पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को लेकर सहमति बनी। मध्यप्रदेश सरकार इसमें सशर्त सम्मिलित होगी, इससे मध्यप्रदेश सरकार को उत्पन्न बिजली में 57% की भागीदारी मिलेगी। साथ ही सरदार सरोवर के डूब क्षेत्र में आने वाली शासकीय राजस्व, आबादी एवं वन भूमि की प्रतिपूर्ति राशि को लेकर सिद्धांत तय किए गए। बैठक में दोनों राज्यों की लेनदारी एवं देनदारी के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा में यह तय किया गया कि दोनों राज्यों की वित्तीय टीम आपस में विचार कर अगले कुछ दिनों में वित्तीय समायोजन पर निराकरण करेगी।

किसानों से 1544 करोड़ नहीं वसूल पाए अफसर ईएनसी ने जताई नाराजगी और मांगी रिपोर्ट

जलसंसाधन विभाग के मैदानी अफसर किसानों से 1544 करोड़ रुपए की वसूली नहीं कर पा रहे हैं। कुल 1738 करोड़ 43 लाख रुपए की वसूली की जाना है, उसमें से अभी तक केवल 194 करोड़ 33 लाख रुपए की वसूली हो पाई है। पिछले दिनों विभाग के रेवेन्यू की समीक्षा करते हुए एसीएस डा. राजेश राजौरा ने फटकार भी लगाई थी। जिसका असर है कि अब ईएनसी ने नाराजगी जताते हुए अफसरों से रिपोर्ट मांगी है।

जलसंसाधन विभाग को अपने पंद्रह कार्यालयों के अंतर्गत एक अप्रैल 2025 तक की स्थिति में बकाया ब्याज और अन्य राशि सहित 1215 करोड़ 76 लाख 44 हजार रुपए की वसूली करना बाकी थी। वहीं इस वर्ष के 522 करोड़ 66 लाख रुपए की वसूली और बाकी हो गई। इस तरह से कुल 1738 करोड़ 43 लाख रुपए की वसूली बाकी है। जलसंसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता विनोद कुमार देवड़ा ने बकाया वसूली नहीं हो पाने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने चंबल बेतवा, गंगा एवं बाणसागर परियोजना, नर्तदा ताप्ती कछार, यमुना कछार, जलसंसाधन विभाग नर्मदापुरम, राजघाट नहर परियोजना दतिया, धसान केन कछार, वेन गंगा कछार, जलसंसाधन विभाग उज्जैन, मुख्य अभियंता बोधि के मुख्य अभियंताओं को निर्देश जारी कर बकाया वसूली में तेजी लाने को कहा है।

हर माह की दस तारीख तक रिपोर्ट देने का निर्देश

सभी मुख्य अभियंताओं को कहा गया है कि हर माह दस तारीख तक राजस्व वसूली के आंकड़े उनके कार्यालय को संभागवार, लक्ष्य और प्रयोजनवार उपलब्ध कराएं, ताकि कछारवार की जाने वाली प्रगति का मूल्यांकन हो सके। मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल को प्रदाय जल की जलदर प्राप्ति के अवशेष और अनुबंध की जानकारी भी दें। उद्योगों, निजी पावर प्लांट और एनटीपीसी राजस्व वसूली की जानकारी अलग-अलग भेजें, उद्योगों और नगरीय निकायों को दिए जा रहे जल के स्रोत अनुबंध की स्थिति और जलप्रदाय की स्थिति की जानकारी भी भेजें।

गंगा कछार रीवा पर सर्वाधिक बकाया

गंगा कछार रीवा पर 501 करोड़ 41 लाख, जलसंसाधन विभाग नर्मदापुरम पर 306 करोड़ 68 लाख, यमुना कछार ग्वालियर, राज नहर सिंध परियोजना दतिया, बेनगंगा कछार सिवनी पर भी करोड़ों रुपए की वसूली की जाना बाकी है। अधिकांश अधिकारी राजस्व वसूली की जानकारी निर्धारित फार्मेट में समय सीमा में भेजने पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, इस पर ध्यान देकर वसूली बढ़ाएं और समय पर जानकारी दें। इसके अलावा अधिकारियों को समय समय पर वसूली के अपडेट देने को भी कहा गया है।

अक्टूबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं प्रोफेसर

हिंदी विवि: सेवानिवृत्ति के पहले परीक्षा विभाग में अटके प्रो. राजीव वर्मा के अनापत्ति प्रमाण पत्र, रुक सकती हैं कई सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय एक बार फिर से चर्चाओं में आ गया है। विवि में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत प्रो. राजीव वर्मा की सेवानिवृत्ति अक्टूबर 2025 में होने जा रही है। सेवानिवृत्ति की औपचारिकता के तहत विश्वविद्यालय के हर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिया जाना अनिवार्य है। ऐसे में प्रो. वर्मा को विवि के सभी विभागों से यह प्रमाण पत्र मिल चुका है, लेकिन परीक्षा विभाग से अब तक अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। ऐसे में अब प्रो वर्मा को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन सहित अन्य कई सुविधाओं के लाभ भी अटक सकते हैं।

क्यों नहीं मिला एनओसी

सूत्रों के अनुसार विवि के परीक्षा विभाग द्वारा एनओसी नहीं मिलने के पीछे का तर्क है कि विवि में 13 सहायक प्रध्यापकों की पर्यवीक्षा अवधि समाप्त नहीं की गई और प्रो. वर्मा के रहते यह कार्य पूरा नहीं किया गया। इस आधार पर उनके अनापत्ति प्रमाण पत्र को रोककर रखा गया है।

आवश्यकता है
एयरपोर्ट हेतु पक्की परमानेंट नौकरी बिना इंटरव्यू आठवीं पास ग्रेजुएट लड़के-लड़कियां(24500 -64500) महीना लोडर, चैकर, सुपरवाइजर, रहना -खाना, फंड -बोनस। 9205091963

संदिग्ध परिस्थिति में मिला युवक का शव

जगदलपुर। पुराने तहसील कार्यालय में एक युवक का शव मिला है। घटनास्थल को देखने के बाद ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक को दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया है। वहीं, घटनास्थल में खून के धब्बे के साथ ही पैरों के निशान भी दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, पुराने तहसील कार्यालय में 2 गुटों में अज्ञात कारणों के चलते झगड़ा हुआ, जिसमें एक युवक के ऊपर चाकू से हमला किया गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

मप्र में वन्य जीव संरक्षण के लिए नवाचार और प्रयास निरंतर जारी: डॉ. मोहन

सीएम डॉ. यादव ने किया असम के वन्य जीव कन्वेंशन सेंटर का भ्रमण, प्रजाति संरक्षण प्रयासों की प्रशंसा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को असम राज्य के कोहोरा स्थित वन्य जीव कन्वेंशन सेंटर का अवलोकन किया। उन्होंने सेंटर में वन्य जीवों के संधारण एवं प्रजाति संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वन्य जीव हमारी धरोहर हैं। ये धरती की खुशहाली का प्रतीक हैं। मध्यप्रदेश में भी वन्य जीव संरक्षण के लिए अनेक नवाचार और प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस कन्वेंशन सेंटर कम म्यूजियम की पहचान न केवल वन्य जीव संरक्षण कार्यों से, बल्कि अवैध शिकार और वन्यजीवों के अवैध व्यापार पर रोकथाम के लिए किए गए ठोस कदमों से भी जुड़ी है।

गैंडा प्रजाति के संरक्षण में प्रभावी कार्रवाई के लिए सशक्त आधार

सींग संरक्षित किए गए

इन सींगों के विनाश से पहले नमूने सावधानीपूर्वक सुरक्षित किए गए थे, ताकि भविष्य के वैज्ञानिक अध्ययनों में उनका उपयोग किया जा सके। जुलाई 2025 में इन नमूनों की संख्या बढ़कर 2,573 हो गई, जिन्हें डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान भेजा गया था। इस सेंटर में हुई यह वैज्ञानिक पहल इसीलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह जब्त किए गए सींगों की उत्पत्ति का पता लगाने, उनकी प्रामाणिकता की पुष्टि करने और वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध फोरेंसिक जांच को मजबूती देने में सहायक सिद्ध हो रही है। इससे गैंडा प्रजाति के संरक्षण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और पूरी पारदर्शिता के साथ प्रभावी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए सशक्त आधार (इथिकल बेसिस) भी मिल रहे हैं।

राशिफल

मेष शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

सिंह शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के वविादों से बचने का प्रयास

तुला पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

आवश्यकता
आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 8335914373 (रायपुर /11/ अक्टूबर/25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 इंन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

शब्द पहेली - 6010

1	2	■	3	4	■	5	6	■	7	8
9		10	■	11	12	■	13	14	■	
■	15		16	■	17	18	■	19	20	■
21	■	22		23	■	24	25	■	26	27
28	29	■	30		31	■	32	33	■	
■	34	35	■	36		37	■	38	39	■
40	■	41	42	■	43		44	■	45	46
47	48	■	49	50	■	51		52	■	
■	53	54	■	55	56	■	57		58	■
59	■	60	61	■	62	63	■	64		65
66		■	67		■	68		■	69	

बाएँ से दाए
1. उम्मीद, आशा-2
3. जी, चित्त-2
5. भस्म, खाक-2
7. जाल, फंदा-2
9. चिंतन, सोचना-3
11. ठाठ-बाट-2
13. क्रिकेट में बनते हैं-2
15. एक राशि-3
17. काया, बदन-2
19. एक विदेशी शराब-2
22. बोलने का तरीका-3
24. शालीन, सभ्य-2
26. बल, ताकत-2
28. भैंस जैसा एक पशु-2
30. पुत्री की पुत्री-3
32. कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34. मोटा आटा-2
36. जुड़वा-3
38. आनंदित-2
41. नौकर, गुलाम-2
43. बूंद-3
45. लक्ष्मी, विष्णुप्रिया -2
47. जंगल, कानन-2
49. मेहंदी-2
51. दृष्टि, निगाह-3
53. बुरी आदत -2
55. बुढ़ापा -2
57. नमस्कार, प्रणाम -3
60. खुमार, सरूर -2
62. भीगा हुआ -2
64. पक्षाघात-3
66. चुनौती-2
67. ऋण, उधार -2
68. भूमि, जमीन-2
69. चस्का, बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे
1. फलों का राजा-2
2. साजन, बलमा-3
4. खुमार-2
6. खच्चर, गधा-2
8. वहम, संदेह-2
10. अनुकृति-3
12. झुका हुआ-2
14. आदमी-2
16. वास करना-3
18. आकाश-2
20. घमंड-2
21. बदन-2
23. जातिवाद-3
25. पिघले पत्थर-2
27. रोग, -2
29. हाथ, टैक्स-2
31. लवण-3
33. ताकत-2
35. वचन-2
37. प्रयत्न-3
39. स्थिति -2
40. नवीन-2
42. सच्चा-2
44. राजा-3
46. हार-2
48. टौंटी-2
50. गुमान-2
52. पासों का खेल-3
54. काया-2
56. रात्रि-2
58. हुबहू-3
59. समय-2
61. सब्जी-2
63. गाड़ी-2
65. गैस-2

शब्द पहेली- 6009 का हल

■	स	र	ग	ना	■	आ	म	रा	य	■
फि	■	न	ज	ला	■	फि	क	र	■	त
त	ल	■	ल	य	■	स	र	■	ला	ल
र	ह	ना	■	क	हा	र	■	ज	ल	वा
त	र	सा	ना	■	ति	■	ज	ल	ध	र
■	■	■	र	ह	म	दि	ल	■	■	■
ब	ग	दा	द	■	ता	■	न	ज	रा	ना
र	म	ल	■	स	ई	स	■	प	ह	रा
ग	ला	■	स	दा	■	ल	स	■	त	य
द	■	ग	ली	चा	■	वा	न	र	■	ण
■	का	श्त	का	र	■	र	म	जा	न	■

सूडोकु नवताल - 6020

कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6019 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

रिचा घोष ने खेली 35 रन की नाबाद पारी, क्रांति-दीप्ति को 3-3 विकेट

महिला विश्व कप: हरलीन देओल 46 रन बनाकर रहीं शीर्ष स्कोरर

भारत ने लगातार चौथे संडे पाकिस्तान को हराया: विमेंस वर्ल्ड कप में 88 रन से जीती

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत ने विमेंस वर्ल्ड कप में रविवार को पाकिस्तान पर 88 रन से एकतरफा जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारतीय टीम दो मैचों से चार पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम 50 ओवर में 247 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में 159 रन बनाकर सिमट गई। सिद्रा अमीन ने 81 रन बनाए। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट झटके। स्नेह राणा को 2 विकेट मिले।

मंधाना और रावल ने की पहले विकेट के लिए 48 रन की भागीदारी

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के अहम विकेट गंवाने के बाद भारत ने 20 ओवर में दो विकेट पर 86 रन बना लिए थे। टीम ने नौवें ओवर में मंधाना (23 रन) और 15वें ओवर में रावल (31 रन) के विकेट गंवाए। मंधाना और रावल ने पहले विकेट के लिए 48 रन की भागीदारी निभाई। मंधाना पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना का शिकार हुईं जबकि रावल को सादिया इकबाल ने बोल्ड किया। हरलीन ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (19) के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 39 रन की भागीदारी की। हरमनप्रीत को डायना बेग ने 25वें ओवर में आउट किया।

मैदान पर कीड़ों से परेशान हुई भारतीय टीम, लेना पड़ा ब्रेक

भारतीय महिला टीम ने मैदान पर कीड़ों को भगाने के लिए 15 मिनट के 'फ्यूमिगेशन ब्रेक' के बाद हरलीन देओल (46) और जेमिमा रोड्रिग्स (32) के महत्वपूर्ण विकेट खोकर आईसीसी वनडे विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 40 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाए। हरलीन बड़ी पारी की ओर अग्रसर दिख रही थीं लेकिन वह 34वें ओवर में आउट हो गईं। उन्होंने 65 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाए। वहीं रोड्रिग्स 35वें ओवर में नशरा संधू की गेंद पर पगबाधा आउट हो गईं। धीमी पिच पर पाकिस्तानी स्पिनरों ने दो महत्वपूर्ण विकेट झटकते हुए नियंत्रण बनाए रखा। भारत को विरोधी टीम पर दबाव बनाने में भी संघर्ष करना पड़ा। हरलीन और रोड्रिग्स ने चौथे विकेट के लिए 45 रन जोड़े।

टॉस में मैच रैफरी से गलती, पाकिस्तान के पक्ष में दिया फैसला

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को महिला विश्व कप मुकाबले के टॉस के दौरान मैच रैफरी शांड्रे फ्रिट्ज से गलती हो गई। इस गलती की वजह से उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को टॉस विजेता घोषित कर दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला और सना ने 'टेल्स' कहा लेकिन फ्रिट्ज ने सुनने में गलती की और इसे 'हेड्स' समझ लिया। फिर प्रस्तोता मेल जोन्स ने भी उन्हें टॉस विजेता घोषित किया। सिक्का 'हेड्स अप' गिरा लेकिन टॉस का विजेता पाकिस्तान को माना गया, जिससे उन्होंने बादलों से भरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। हरमनप्रीत ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और पाकिस्तानी कप्तान के बाद जोन्स से बात करने के लिए उनके पास गईं। उन्होंने सना से हाथ नहीं मिलाया।

कॉकरॉफ्ट ने जीता 19वां विश्व चैंपियनशिप गोल्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ब्रिटेन की मशहूर व्हीलचेयर रेसर हन्ना कॉकरॉफ्ट ने खेलों को शौक के तौर पर शुरू किया था लेकिन उन्होंने कभी रिकॉर्ड 19वां विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के बारे में नहीं सोचा था, जिस उपलब्धि पर उन्हें गर्व है।

कॉकरॉफ्ट ने जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम में महिलाओं की 800 मीटर टी34 स्पर्धा में अपना 19वां विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने रिकॉर्ड एक मिनट 49.88 सेकेंड का समय निकाला। कॉकरॉफ्ट ने कहा, 'मुझे असल में तब तक पता नहीं था कि यह मेरा 19वां विश्व खिताब है जब तक कि किसी ने मुझे रेस के बाद नहीं बताया।

अनीसीमोवा ने जीता चाइना ओपन का खिताब, विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

अमेरिका की अमांडा अनीसीमोवा ने चाइना ओपन के फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-0, 2-6, 6-2 से हराकर इस हार्ड कोर्ट इंडोर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

सेमीफाइनल में हमवतन कोको गॉफ को शिकस्त देने वाली अनीसीमोवा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ मैच खत्म किया। यह चाइना ओपन में उनका पहला खिताब है। बीस साल की नोस्कोवा ने तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले के आखिरी क्षणों में उन पर थकान हावी हो गई।

वालीशेट्टी ने जीता अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब

अल ऐन (यूएई)। भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वालीशेट्टी ने तीन गेम तक चले रोमांचक फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को हराकर 120,000 डॉलर इनामी राशि के अल ऐन मास्टर्स में महिला एकल वर्ग का अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीता। पुलेला गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग लेने वाली तेलंगाना की 18 वर्षीय खिलाड़ी श्रेयांशी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार संयम दिखाया और 49 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 15-21, 22-20, 21-7 से जीत हासिल की। शुरुआती गेम में श्रेयांशी ने चार अंक की बढ़त गंवा दी जबकि तस्नीम ने 14-9 की बढ़त हासिल करने के बाद पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम कांटे की टक्कर में बदल गया। श्रेयांशी ने 1-4 से वापसी करते हुए 17-14 की बढ़त बना ली। तस्नीम ने मुकाबले में बने रहने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन श्रेयांशी ने अपना धैर्य बनाए रखा और मुकाबले को निर्णायक गेम तक ले गईं। इसी लय को जारी रखते हुए श्रेयांशी ने तीसरे गेम में बढ़त बना ली। तस्नीम ने कुछ देर के लिए 6-5 की बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद वह पिछड़ गईं।

परासिया रिपोर्ट

'प्रोपेगेंडा ड्रग' ने छीनी 11 मासूमों की सांस, डॉक्टर और दवा कंपनी की साजिश ने बिखेर दिए 16 घर

परासिया का असली गुनहगार कौन ?

बच्चे को बचाने में बिक गया ऑटो, दुकान... पर नहीं बचा सके उसे

हरिभूमि, जबलपुर।

छिंदवाड़ा जिले की परासिया तहसील आज एक दर्दनाक हकीकत का प्रतीक बन चुकी है। यहाँ कोई महामारी नहीं फैली, लेकिन एक डॉक्टर और दवा कंपनी के गठजोड़ ने 16 मासूमों की जान छीन ली। जिन बच्चों ने अभी स्कूल की दहलीज तक ठीक से नहीं छुई थी, उनकी किलकारियां अब ताबूतों में सिमट चुकी हैं। गाँव के रास्तों में मातमी सन्नाटा है और लोग पूछ रहे हैं, "किसने मारा हमारे बच्चों को?

देर से खुला मौत का खेल

बीते एक महीने से परासिया और आसपास के इलाकों में बच्चों की रहस्यमयी मौतें हो रही थीं। पहले इसे वायरल बुखार माना गया, फिर संक्रमण बताया गया। लेकिन हरिभूमि की ग्राउंड रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने स्वीकार किया कि 16 बच्चों की मौत किडनी फेल होने से हुई है। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ इन सभी को एक ही डॉक्टर और एक ही दवा दी गई थी।

'प्रोपेगेंडा ड्रग' लालच का ज़हर

परासिया सिविल अस्पताल में पदस्थ डॉ. प्रवीण सोनी बच्चों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते थे। लेकिन इसी भरोसे को उन्होंने कारोबार बना दिया। सूत्रों के अनुसार, डॉ. सोनी ने एक दवा कंपनी से गुप्त समझौता किया था। कंपनी ने डॉक्टर को एक विशेष फार्मूला सिरप (कोल्ड्रफ और नेस्त्रों) उपलब्ध कराया, जो केवल डॉक्टर के सुझाए केमिस्ट के पास मिलता था। यह प्रोपेगेंडा ड्रग थी यानी ऐसी दवा जो केवल डॉक्टर और कंपनी के समझौते पर चलती है, जिससे डॉक्टर को हर बिक्री पर कमीशन मिलता है। मरीज को इलाज नहीं, बल्कि लाभ का सौदा बेचा गया।

घर मकान सब बेच डाला

हरिभूमि टीम ने जब परासिया के उन घरों में दस्तक दी जहाँ मौत ने दस्तक दी थी, तो दिल दहल उठा। एक माँ फूट-फूटकर बोली हमने इलाज के लिए मकान गिरवी रखा, दुकान बेच दी, ऑटो तक बेच दिया... लेकिन बच्चे को नहीं बचा पाए। डॉक्टर ने कहा दवा बदलो मत, वही दो... अब दवा ही जहर बन गई। ये सिर्फ आँसू नहीं हैं, बल्कि सिस्टम पर आरोप हैं, जिसने एक महीने तक इस मौत के सौदे को जारी रखा।

11 मासूम, एक फार्मूला और मौत का सिलसिला

हर मृत बच्चे की दवा पर्ची में एक ही फार्मूला लिखा था। डॉ. सोनी ने कोल्ड्रफ और नेस्त्रों सिरप को दिन में चार बार देने का निर्देश दिया था। बच्चों को बुखार और खांसी में आराम की जगह बेचैनी, उल्टियाँ और पेशाब न होना शुरू हुआ। पहली मौत 7 सितंबर को हुई, लेकिन डॉक्टर ने न दवा बदली, न जांच कराई।

ड्रग इंस्पेक्टरों की भूमिका पर गंभीर सवाल

जबलपुर से 594 यूनिट कोल्ड्रफ सिरप की खेप छिंदवाड़ा पहुँची थी। मौतें होती रहीं, लेकिन औषधि एवं खाद्य विभाग ने न निरीक्षण किया, न स्टॉक चेक किया। अब विभाग सफाई दे रहा है कि यह दवा चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए थी, जबकि यह आदेश मौतों के बाद जारी किया गया आखिर हर महीने स्टॉक का मिलान करने वाले इंस्पेक्टर क्या कर रहे थे। क्या किसी ने ध्यान नहीं दिया कि एक छोटे से तहसील क्षेत्र में एक ही ब्रांड की दवा का इतना उपयोग क्यों हो रहा है?

लालच का सौदा, मौत का कारोबार

यह कोई मेडिकल गलती नहीं—यह साजिश है, जहाँ इंसानी जिंदगियाँ मुनाफे की किताबों में बदल दी गईं। डॉक्टर ने भरोसे का सौदा किया, कंपनी ने लालच का जाल बिछाया, और विभाग ने आँखें मूँद लीं। परिणाम 16 मासूमों की लाशें और सैकड़ों टूटे परिवार।

अब तक का आंकड़ा और जांच की दिशा

प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक परासिया में 11, बैतूल में 2, छिंदवाड़ा में 2, और चौरई में 1 बच्चे की मौत की पुष्टि हुई है। दर्जनभर से अधिक बच्चे अभी भी इलाजरत हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉ. प्रवीण सोनी को गिरफ्तार किया गया है, कंपनी पर एफआईआर दर्ज हुई है लेकिन क्या यह कार्रवाई 16 मासूमों की मौत का जवाब है?

यह हादसा नहीं, हत्यारा सिस्टम है

परासिया की गलियों में अब भी माताओं की चीख गूँजती है। इन आँसुओं की गवाही है कि जब इलाज मुनाफे का जरिया बन जाता है, तो अस्पताल कसाईखाने में बदल जाते हैं। यह सिर्फ डॉक्टर की गलती नहीं, बल्कि एक पूरा गिरोह है जिसमें डॉक्टर, दवा कंपनी और निरीक्षण तंत्र सब शामिल हैं।

परासिया से ग्राउंड जीरो रिपोर्ट..... *संजय साहू*

प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित होगा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज करेंगे 13.37 करोड़ की लागत से बने महाकोशल कॉलेज के नये शैक्षणिक भवन का लोकार्पण

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव कल 6 अक्टूबर को जबलपुर प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय के 13 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन शैक्षणिक भवन का भव्य लोकार्पण करेंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी के अनुसार महाकोशल कॉलेज में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के 10.05 करोड़ रुपये से बने नये शैक्षणिक भवन का भी लोकार्पण करेंगे। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, राज्य सभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नु, क्षेत्रीय विधायक श्री अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री आशीष राव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रो. चतुर्वेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाकोशल कॉलेज के नवीन शैक्षणिक भवन में कुल 19 व्याख्यान कक्ष, प्रशासनिक ब्लॉक, स्मार्ट कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालायें एवं कॉमन रूम जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। यह भवन महाविद्यालय को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता योजना के अनुरूप प्रदेश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह अवसर महाकौशल महाविद्यालय के गौरवपूर्ण इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा। लगभग 1500 विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षाविद एवं नागरिक इस अवसर के साक्षी बनेंगे। यह आयोजन जबलपुर की शिक्षा और युवा ऊर्जा का प्रतीक बनकर प्रदेश में उत्कृष्टता और नवाचार के नये मानक स्थापित करेगा। प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी के अनुसार महाविद्यालय के नवीन भवन के लोकार्पण के साथ ही महाविद्यालय परिसर में अधोसरंचनात्मक सुविधाओं के विस्तार के लिये 3 करोड़ 67 लाख रुपये से बनने वाले भवन का भूमि पूजन भी होगा। उन्होंने बताया कि लोकार्पण समारोह के साथ ही महाविद्यालय में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल, सांस्कृतिक, नवाचार एवं सामाजिक सेवा क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ मोहन द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240

सिहोरा हादसे में सिपाही की मौत, पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और हत्या के प्रयास में की कार्रवाई

शराब के नशे में श्रद्धालुओं पर बस चढ़ाने वाला चालक गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

नवरात्रि पर्व की रात श्रद्धालुओं की भीड़ पर बस चढ़ाने वाले आरोपी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना 30 सितंबर की देर रात सिहोरा के गौरी तिराहा की है, जहां नवरात्रि चल समारोह के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। इसी दौरान बस क्रमांक MP 49 P 0261 के चालक ने शराब के नशे में लापरवाहीपूर्वक और अत्यंत तेज रफ्तार से बस चलाकर भीड़ को कुचल दिया।

घटना में 12 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें कई गंभीर थे। कुछ घायलों को शासकीय अस्पताल सिहोरा में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि गंभीर रूप से घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल जबलपुर रेफर किया गया। आरोपी चालक प्रदीप मिश्रा स्वयं भी घायल हुआ था और इलाज हेतु मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। घटना के बाद प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कप्तान सम्पत्त उपाध्याय एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने तत्काल गौरी तिराहा पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने सिहोरा अस्पताल में घायलों से मुलाकात कर समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज जबलपुर में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की गई और आरोपी चालक की

निगरानी हेतु पुलिस स्टाफ तैनात करने के निर्देश दिए गए।

सिपाही की हुई थी मौत

इलाज के दौरान सिहोरा थाने में पदस्थ सिपाही लाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम राय समेरिया की मृत्यु हो गई। इसके बाद मामले में मर्ग क्रमांक 88/25 धारा 194 बीएनएसएस दर्ज की गई, जिसे मुख्य अपराध में सम्मिलित कर धारा 105 बीएनएस (गैरइरादतन हत्या) का इजाफा किया गया।

आरोपी गिरफ्तार, बस जब्त

इलाज उपरांत आरोपी प्रदीप मिश्रा को मेडिकल कॉलेज से डिस्चार्ज होने पर 5 अक्टूबर को थाना सिहोरा पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त बस क्रमांक MP 49 P 0261 को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। आरोपी को न्यायालय सिहोरा में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर उपजेल सिहोरा भेजा गया।

इनका कहना है

नशे में वाहन चलाना घोर अपराध है, और ऐसी लापरवाही से मासूम जिंदगियां खत्म नहीं होने दी जाएंगी।

-संपत उपाध्याय, पुलिस कप्तान

हरिभूमि inh जबलपुर के संजय साहू को मिलेगा महाकौशल पत्रकारिता पुरस्कार

डा. दुबे एवं आचार्य मिश्र को महात्मा गांधी सम्मान, डा. सरोज गुप्ता को हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान

जबलपुर, भोपाल।

माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल जैव-विविधता के लिए समर्पित भाव से कार्यरत पर्यावरणविद डा. प्रवीण चन्द्र दुबे और भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्येता आचार्य प्रभुदयाल मिश्र को 'महात्मा गांधी सम्मान' से विभूषित करेगा। यह कार्यक्रम मंगलवार, 7 अक्टूबर को पूर्वाह्न 10:30 बजे सप्रे संग्रहालय के सभागार में आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विजय मनोहर तिवारी, कुलगुरु, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय होंगे। अध्यक्षता डा. विकास दवे, निदेशक, मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी करेंगे। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि शिक्षाविद और बुंदेली भाषा, साहित्य एवं संस्कृति मर्मज्ञ डा. सरोज गुप्ता, सागर को 'डा. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। 'डा. लक्ष्मीनारायण गुप्त महाकोशल पत्रकारिता पुरस्कार' जबलपुर के वरिष्ठ पत्रकार श्री संजय साहू को प्रदान किया जाएगा। इंदौर में शोध संदर्भ सामग्री के संचयन, संरक्षण और

प्रबंधन के सारस्वत अनुष्ठान में तीन दशक से समर्पित श्री कमलेश सेन, असरदार आवाज के धनी, श्रेष्ठ उद्घोषक और कुशल कार्यक्रम संचालक श्री संजय श्रीवास्तव तथा पौधरोपण को अपने जीवन का मिशन बनाने वाले श्री सुनील दुबे 'वृक्षमित्र' को 'कर्मवीर सम्मान' प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री दिनेश शुक्ल को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए 'रामेश्वर गुरु पुरस्कार' दिया जाएगा।

कफ सीरप काण्ड में डॉक्टर और मेडिकल स्टोर संचालक पर एफआईआर

जबलपुर। जहरीली कफ सिरप पीने से छिंदवाड़ा में 11 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस मामले में पुलिस ने इलाज करने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी और मेडिकल स्टोर संचालक राजेश सोनी (जो डॉक्टर के भतीजे बताए जा रहे हैं) पर एफआईआर दर्ज कर ली है। लेकिन इस पूरे मामले में कई बड़े सवाल उठ खड़े हुए हैं। डॉक्टर ने तो दवा लिखी और मेडिकल स्टोर संचालक ने दवा बेची, असल जिम्मेदार वह फार्मासुटिकल कंपनी भी है, जिसने दवा का निर्माण किया. यह भी दावा है की इस दवा की सप्लाई सिर्फ छिंदवाड़ा जिले में की गई. इसे एक ही डॉक्टर द्वारा मरीजों को लिखी जाती रही. लिहाजा पूरी चेन इसमें शामिल हैं.

फार्मा कंपनी और ड्रग विभाग सवालों के घेरे में

स्टॉकिस्ट पर कार्रवाई क्यों नहीं? सूत्रों के अनुसार, जहरीली कफ सिरप की खेप जबलपुर के मुख्य स्टॉकिस्ट राजपाल कटारिया के जरिए छिंदवाड़ा भेजी गई थी। बताया जा रहा है कि एसआर बैच 13 की लगभग 554 बोतलें छिंदवाड़ा की दुकान तक पहुंचाई गई थीं। सवाल यह है कि जब मौतें जहरीली दवा से हुई हैं तो स्टॉकिस्ट के खिलाफ एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई।**ड्रग इंस्पेक्टर की भूमिका संदिग्ध** ...और भी गंभीर सवाल जबलपुर के ड्रग इंस्पेक्टरों पर खड़े हो रहे हैं। जिनकी जिम्मेदारी है कि वे समय-समय पर दवा दुकानों और स्टॉकिस्ट के पास रखे गए दवाओं की जांच और निरीक्षण करें। लेकिन इस मामले में उनका कोई हस्तक्षेप सामने नहीं आया है।

निष्क्रिय नजर आ रहा ड्रग प्रशासन ... ड्रग प्रशासन का कार्यालय जबलपुर के विक्टोरिया अस्पताल परिसर स्थित सीएमएचओ कार्यालय के अंतर्गत संचालित है। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां अक्सर अधिकारी नदारद रहते हैं। दफ्तर में केवल एक बाबू और भृत्य ही मौजूद मिलते हैं और पूछने पर यही जवाब मिलता है कि "ड्रग इंस्पेक्टर फील्ड पर हैं।

अब बड़ा सवाल यह है कि यदि अधिकारी सालभर फील्ड पर रहते हैं, तो उन्होंने कितनी दवा दुकानों का निरीक्षण किया, कितने सैंपल लिए और कितनी अमानक दवाओं की पहचान की? इन सवालों का कोई ठोस जवाब अब तक सामने नहीं आया है।

501 वीं जयंती पर वीरांगना को किया गया कोटि कोटि नमन

वीरांगना रानी दुर्गावती ने राज्य और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया

जबलपुर । गढ़ा मंडला राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती के 501 वीं जयंती पर मित्र संघ द्वारा भंवर ताल स्थित प्रतिमा पर समारोह का आयोजन किया गया। वीरांगना को पुष्पांजलि के पश्चात अतिथियों ने राज्य और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाली साहस और पराक्रम की प्रतिमूर्ति रानी दुर्गावती की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करते हुए उनका सादर स्मरण किया। मित्र संघ के संस्थापक श्री अजित वर्मा ने 1971 में वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के साथ ही वीरांगना की जयंती मनाने की शुरुआत भी आठ वर्ष पूर्व शहर में करायी।

मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शौर्य एवं साहस का पर्याय, महान वीरांगना रानी दुर्गावती की असाधारण वीरता की गाथाएं बहुतायत में प्रचलित हैं। वीरांगना ने जल संसाधनों को जल संरक्षण के अनुरूप निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण

महाकौशल प्रांत में सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था, खेती में कुशलता से प्राकृतिक रूप से उच्च गुणवत्ता वाले अनाज और मोटे अनाज जिनको आज हम श्री अन्न या मिलेटस कहते हैं, का उत्पादन वीरांगना रानी दुर्गावती अपने राज्य में कराती थीं। आज भी परंपरागत तरीके से पूरे क्षेत्र में खेती हो रही है। नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य और पराक्रम हम सभी को अनंत काल तक गौरवान्वित करता रहेगा।

रानी दुर्गावती जी की 501 वीं जयंती पर रानी दुर्गावती प्रतिमा पर स्थल भंवरताल उद्यान में महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू , भाजपा अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर , नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज , श्री शरद अग्रवाल , वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट, प्रतुल श्रीवास्तव,वरिष्ठ छायाकार डॉ बसंत मिश्रा,इंटेक के डां मल्होत्रा, डॉ वी वी श्रीवास्तव, डां आर के संदीप जैन गुड्डू, भाजपा नगर मंत्री राघवेंद्र यादव लालू, विध्येश भापकर, अरुण पवार, विनोद नयन, संजय गुप्ता, अनिल अग्रवाल, संजय प्रसाद,मनीष तिवारी, शैलेन्द्र पांडे, विजय जायसवाल, हरिओम हजारी, राहुल अग्रवाल, चन्दन रैकवार, सौरभ अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मित्र संघ के अध्यक्ष सच्चिदानंद शेकटकर तथा आभार संयोजक परितोष वर्मा ने किया।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो की मौत

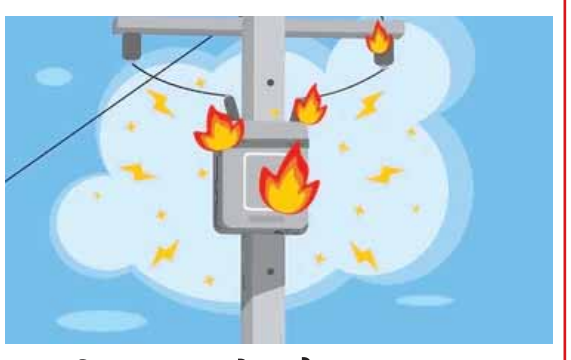

काली जुलूस के दौरान दर्दनाक हादसा, टेमर भीटा में 11 हजार केवी लाइन से फैला करंट

हरिभूमि, जबलपुर। जिले के टेमर भीटा गांव में रविवार देर रात काली जुलूस के दौरान एक हृदय विदारक हादसा हो गया। जुलूस में शामिल दो लोगों की 11 हजार केवी हाई टेंशन वायर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। मृतकों की पहचान चिंटू विश्वकर्मा (38 वर्ष) और अखिलेश पटेल (48 वर्ष), पिता शंकर पटेल, दोनों निवासी टेमर भीटा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डीजे के साथ जुलूस जब एक पंडाल के समीप पहुंचा, तभी पंडाल का लोहे का ट्रस ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन लाइन से टकरा गया। कुछ ही सेकंड में करंट पूरे ढांचे में फैल गया, जिससे पास खड़े चिंटू और अखिलेश उसकी चपेट में आ गए। बिजली का झटका इतना तेज़ था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही टीआई रमन सिंह मरकाम अपने दल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए बिजली विभाग से लाइन कटवाने की कार्रवाई कराई और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

कलेक्टर-कप्तान रहे सजग- पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय और कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में पुलिस व प्रशासन ने तत्काल जांच शुरू की। मौके पर एएसपी अंजना तिवारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को घटनास्थल पर बुलाकर तारों की ऊंचाई और सुरक्षा मानकों की जाँच करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिकायत के बाद बिजली विभाग गायब- गांव में इस हादसे से शोक और आक्रोश दोनों का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि हाई टेंशन लाइन काफी नीचे से गुजर रही है, जिसकी शिकायत पहले भी की गई थी लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।

जनेकृविवि की अधिष्ठाता आस्ट्रेलिया में आयोजित कॉफ्रेंस में हुई शामिल

जबलपुर।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से शिक्षा,अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। इसी श्रंखला में कृषि महाविद्यालय,जबलपुर की अधिष्ठाता डॉ. अनीता बब्बर अपनी शोधार्थी टीना पटेल के साथ 15 से 19 सितम्बर 2025 तक आस्ट्रेलिया के पर्थ स्थित पैन पैसिफिक होटल में आयोजित 8वां अंतर्राष्ट्रीय खाद्य फलिया अनुसंधान सम्मेलन एवं 5वें आस्ट्रेलियाई पल्स कॉन्फ्रेंस में शामिल हुई। इस दौरान इनके द्वारा पोस्टर एवं मौखिक प्रस्तुतियों के माध्यम से चने की जलवायु सहनशीलता, तापमान विविधता में स्थिरता तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अपने नवीन शोध कार्य प्रस्तुत किये। डॉ. बब्बर ने इसके पहले चने की कई प्रजातियां विकसित की हैं। जो किसानों के लिये वरदान साबित हो रही हैं, और पूरे देशभर में आपकी विकसित की हुई चने की प्रजातियां किसानों के बीच में अत्यधिक प्रचलित हैं। दलहन फसलों पर आपके द्वारा किये गये शोध कार्य राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जनेकृविवि को गौरांवित किये हैं। आप पूर्व में भी अपने शोध कार्यों के प्रस्तुतिकरण हेतु कई देशों की यात्राएं की हैं। सम्मेलन के दौरान डॉ. बब्बर एवं उनकी शोधार्थी ने विश्वभर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर बहुमूल्य अनुभव प्राप्त किये, जो विश्वविद्यालय में चल रहे अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करेंगे।

कृषि विवि आर्थिक संकट की चपेट में

जबलपुर।

देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शुमार जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेवीवी) इन दिनों भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहा है। हालत यह है कि यहां कार्यरत प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर सहित तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों तथा आउटसोर्सिंग से जुड़े स्टाफ को महीनों से वेतन नहीं मिल पा रहा है। स्थिति इतनी खराब है कि छोटे कर्मचारी परिवार का खर्च चलाने के लिए सूदखोरों से कर्ज लेने को मजबूर हैं। कर्मचारियों का कहना है कि होली, रक्षाबंधन और दशहरा जैसे त्योहार बड़ी मुश्किल से मनाए, लेकिन अब दीपावली को लेकर गहरी चिंता है। वेतन न मिलने से त्योहारों पर खुशियां फीकी पड़ गई हैं। नाम न छापने की शर्त पर कई कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें महंगाई के इस दौर में घर चलाने के लिए महाजनों से ऊंचे

कर्मचारियों को वेतन के पड़े लाले

ब्याज पर पैसा उधार लेना पड़ रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन भी इस आर्थिक संकट पर असहाय नजर आ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक सरकार से राशि नहीं मिलेगी, तब तक वेतन और पेंशन का भुगतान संभव नहीं है। विवि प्रबंधन ने साफ कर दिया है कि उनके पास इस समय भुगतान करने का कोई वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध नहीं है।**सालों से जटिल होती जा रही समस्या** ... सूत्रों के अनुसार, विवि की वित्तीय समस्या नई नहीं है, बल्कि सालों से लगातार गहराती जा रही है। विश्वविद्यालय को सरकार से करीब 9 करोड़ रुपए का बजट मिलता है, जो साल में चार किस्तों में जारी किया जाता है। ऐसे में अक्सर वित्तीय संतुलन बिगड़ जाता है।सबसे ज्यादा समस्या पेंशनरों की है। विश्वविद्यालय के अधीन बड़ी संख्या में पुराने पेंशनर हैं, जिनके लिए प्रतिमाह लगभग 5.5 करोड़ रुपए का भुगतान करना पड़ता है। इसके अलावा वर्तमान स्टाफ का वेतन लगभग 4 करोड़ रुपए प्रतिमाह है। कुल मिलाकर विवि को हर माह करीब 10 करोड़ रुपए की जरूरत होती है, जबकि सरकार से हर तीन माह में केवल ढाई करोड़ रुपए की किस्त मिलती है। यही वजह है कि पेंडेंसी लगातार बढ़ती जा रही है और कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है।विवि का एक हिस्सा छत्तीसगढ़ में और दूसरा ग्वालियर कृषि विश्वविद्यालय में समाहित हो चुका है। इसके बावजूद वहां चले गए कर्मचारियों के वेतन और पेंशन का बोझ अब भी जेएनकेवीवी पर ही बना हुआ है। इससे आर्थिक दबाव और अधिक बढ़ गया है।

शहपुरा तहसील के खैरी ग्राम पंचायत स्थित शासकीय जमीन का मामला

लैंड जिहादियों ने राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर की सरकारी जमीन को हथियाने की कोशिश

जबलपुर।

भारतीय किसान संघ व ग्राम पंचायत वासियों ने जताया विरोध

विगत चार वर्ष पहले शहपुरा तहसील के ग्राम पंचायत खैरी स्थित शासकीय जमीन को तत्कालीन कलेक्टर इलैया टी राजा ने बुलडोजर कार्यवाही कर लगभग 50 एकड़ शासकीय जमीन को मुक्त कराया था। शासकीय जमीन पर कब्जा करने वाले जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एम ए खान को भू माफिया घोषित कर कार्यवाही की थी। जिसने शासकीय जमीन को अनेक लोगों को फार्म हाउस के नाम पर बेंच दिया था। एक बार फिर खैरी ग्राम पंचायत की उसी शासकीय जमीन को राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से लैंड जिहाद में शामिल नदीम खान, हाजी फिरोज कमाल, शमा परवेज, अशफाक व आशीष नेल्सन अल्बर्ट लैंड माफिया द्वारा अपने नाम पर दर्ज कराने की कोशिश की जा रही है। जिसके लिए गुपचुप तरीके से आवेदन कर बैक डेट में नामांतरण आदेश कराकर अपने नाम करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसकी जानकारी लगते ही ग्राम पंचायत के सरपंच सौरभ पटेल के नेतृत्व सभी गांव वालों व भारतीय किसान संघ के नेताओं ने कड़ा विरोध जताया है।

यह है मामला

हाल ही में तहसीलदार शहपुरा न्यायालय के द्वारा 8 सितंबर को जारी आम इस्तहार के अनुसार ग्राम खैरी, प.ह.न. 28, रानिम शहपुरा, शासकीय भूमि खसरा नंबर 146/2 रकबा 35 हेक्टेयर में से 2 हेक्टेयर नदीम खान पिता नियाज़ खां, खसरा नंबर 146/2 रकबा 35 हेक्टेयर में से 2 हेक्टेयर आशीष लाल पिता नेल्सन अल्बर्ट, खसरा नंबर 258/5 रकबा 30 हेक्टेयर में से 2 हेक्टेयर हाजी फिरोज कमाल पिता मो हारून, खसरा नंबर 146/1 रकबा 3.373 हेक्टेयर में से 2 हेक्टेयर शमा परवेज पति परवेज राजन और खसरा नंबर 258/5 में रकबा 30 हेक्टेयर में से शासकीय जमीन 2 हेक्टेयर अशफ़ाक पिता फिरोज अहमद अंसारी सभी जबलपुर निवासी है। इन्होंने शासकीय जमीन को अपने नाम पर दर्ज कराने का आवेदन दिया है। जिसमें आपत्ती दर्ज कराने की समय सीमा 24 सितंबर 2025 बताया गया है। जबकि यह आम इस्तहार ग्राम कोटवार को अक्टूबर माह की तीन तारीख को दिया गया। जिससे स्पष्ट है कि शासकीय जमीन को फर्जी तरीके से गुपचुप दर्ज करने की कोशिश हो रही है। जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों की पूरी मिलीभगत है।

भारतीय किसान संघ व ग्राम पंचायत खैरी ने जताया कड़ा विरोध

ग्राम पंचायत खैरी के सरपंच सौरभ पटेल ने तहसीलदार शहपुरा को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि यह सभी लोग ग्राम पंचायत के निवासी नहीं हैं और न ही एससी या एसटी के हैं तो इनकी पात्रता न होने पर भी यह कहीं न कहीं शासकीय जमीन को हथियाने की कोशिश है। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने भी ग्राम पंचायत की सूचना पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि यह लैंड जिहाद है। हम इसका कड़ा विरोध करेंगे।

आज चंद्रमा बरसायेगा अमृत

शरद पूर्णिमा पर बिखरेगी चंद्रमा की रोशनी

जबलपुर। आज शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होगा और आसमान से अमृत की वर्षा होगी। शरद पूर्णिमा को लेकर कई पौराणिक मान्यता है कि च्यवन ऋषि को आरोग्य का पाठ और औषधि का ज्ञान अश्विनी कुमारों ने दिया था। अश्विनी कुमार आरोग्य के दाता हैं और पूर्ण चंद्रमा अमृत का स्त्रोत है। यही कारण है कि ऐसा माना जाता है कि शरद पूर्णिमा को आसमान से अमृत की वर्षा होती है। शरद पूर्णिमा की रात में घरों की छतों पर खीर आदि भोज्य पदार्थ रखने की भी मान्यता है। ऐसा माना जाता है कि चंद्रमा की अमृत बूंदे खीर में आ जाती हैं, जिसका सेवन करने से सभी प्रकार की बीमारियां दूर हो जाती हैं। ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन माता लक्ष्मी यह देखने घूमती हैं कि कौन जाग जा रहा है, जो जागता है, महालक्ष्मी उसका कल्याण करती हैं और जो सो रहा होता है, महालक्ष्मी वहां नहीं ठहरतीं। शास्त्रों के मुताबिक शरद पूर्णिमा की रात को भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ रास रचाया था। इसलिए शरद पूर्णिमा की रात को रासलीला की रात भी कहते हैं।

साहू समाज का शरद पूर्णिमा उत्सव आज

शरद पूर्णिमा पर श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट संचालक भारतीय साहू समाज द्वारा 6 अक्टूबर को शाम 7 बजे से भगवान की आरती पूजन के पश्चात साहू धर्म शाला गढ़ा फाटक में दूध व केले का प्रसाद वितरण किया जाएगा।

बड़ी महाकाली में खीर का भोग लगेगा

श्री वृहत महाकाली महोत्सव समिति काली धाम गढ़ा फाटक में आज 6 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को शाम 7.30 बजे माता महाकाली को 51 लीटर दूध की खीर का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

वीरांगना के पद चिन्हों पर चलने का लिया संकल्प

प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

आदिवासी संगठन ब्लॉक पाटन ने रानी दुर्गावती की जयंती धूमधाम से मनाई

पाटन। पाटन के रानी दुर्गावती प्रांगण में वीरांगना रानी दुर्गावती की जन्म जयंती रविवार दोपहर 3:00 बजे धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में आदिवासी संगठन ब्लॉक पाटन मध्य प्रदेश के कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर सबसे पहले रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया उसके बाद उनके चित्र पर दीपक जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी संगठन ब्लॉक पाटन मध्यप्रदेश के पप्पू करपेती लाल सिंह कुलस्ते, के के सिंह, राम सिंह ने रानी दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से उनका पूरा जीवन संघर्षमय रहा और उनके साहस और शौर्य को हम आज भी याद करते हैं सभी ने रानी दुर्गावती के जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो की संख्या में आदिवासी संगठन ब्लॉक पाटन मध्य प्रदेश के कार्यकर्ता और समाजजन भी मौजूद रहे। पाटन में हर साल संगठन के द्वारा इस तरह का आयोजन किया जाता है जिसमें रानी दुर्गावती की जन्म जयंती को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस साल भी पाटन में रानी दुर्गावती की जन्म जयंती आदिवासी संगठन ब्लॉक पाटन मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं के द्वारा धूमधाम से मनाई गई। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में जो भी कार्यक्रम आयोजित होंगे उन्हें भी उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान लाल सिंह परस्ते पप्पू करपेती नन्हे सिंह प्रधान, के के सिंह, भारत सिंह मरकाम, दुर्जन सिंह, रामसिंह, सोनेलाल, उत्तम सिंह और अजाक संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

श्री राम का राज्याभिषेक तो विभीषण का हुआ राजतिलक

सिहोरा। निकटवर्ती गांधीग्राम के रामलीला मंच पर आदर्श रामलीला मंडल मैहर ने रामलीला के कलाकारों का अंतिम दिवस राम राज्याभिषेक प्रसंग का मंचन किया। प्रसंगानुसार श्रीराम लंका पर विजय प्राप्त कर लंकापति रावण का संहार कर वहां पर अयोध्या लौटे तो अयोध्या पर वासियों,ऋषि मुनियों ने उनका भव्य स्वागत किया।प्रभु श्रीराम के अनुज भरत ने 14 वर्षों तक श्रीराम के चरण पादुकाएं राज सिंहासन पर सम्मान स्वरूप रखी थी भरत ने इन चरण पादुकाएं को नीचे उतार कर श्रीराम को चरण पादुकाएं पहनाकर उन्हें राजसिंहासन पर ले जाकर राजगुरु ऋषि-मुनियों वैदिक मंत्रोचार कराते हुए श्री राम का राज्याभिषेक राजतिलक किया। श्री राम के राज्याभिषेक से समस्त अयोध्या पुरवासी,ऋषि-मुनि, हनुमान,वानर भालू और जय श्री राम की आकाशीय गर्जना की।

विभीषण को दिया लंका का राज्य

प्रभु श्रीराम ने शरणागत लंकापति रावण के अनुज विभीषण को ससम्मान राजतिलक कर लंका का राज्य दिया। कहां की तुम लंका में रामराज स्थापित करोगे। सुख शांति कायम रखोगे। माता सीता ने कलयुग का राज त्रिजटा को दिया। महंत सुनील शाह ने कहा की रामायण प्रसंग के अनुसार राक्षिसी त्रिजटा अच्छे विचारो की थी। माता सीता ने उसे अपनी संगनी के रूप में माना था। अतः उसे कलयुग का राज दिया। श्रीराम ने अंतिम समय सीता की अग्नि परीक्षा ले कर तथा सीता की परीक्षा में सुफल होने पर उन्हें वामांग में स्थान दिया।अंत में कई वर्षों तक राज्य करते हुए प्रभु श्री राम पुष्पक विमान से अपने धाम को गमन कर गए। चलत विमान कोलाहल होई,जय रघुवीर कहत सब कोई।समस्त पुरवासी जय रघुवीर की जयकारा लगाते रहे।

आयोजन समिति ने किया सम्मान

सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति के संरक्षक प्रताप सिंह बघेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, समिति के अध्यक्ष महेश सेन,रेवाशंकर असाटी सुरेश,असाटी विजय,चौरसिया पंडा,मंहगू चौरसिया,भागचंद साहू,हरिशंकर तिवारी, राजकुमार विश्वकर्मा,चमन असाटी,राममनोहर तिवारी द्वारा रामलीला के पात्रों,संचालक सुनील शाह आदि का सम्मान किया गया।

18 घंटे में पूरा किया 15 किलोमीटर का सफर

जबलपुर की महारानी की श्रद्धा पूर्वक विदाई

जबलपुर। जबलपुर की महारानी के नाम से प्रसिद्ध लटकारी के पड़ाव गढ़ाफाटक लिंक रोड में स्थापित माता महाकाली का जलवा अलग ही रहा। 15 किलोमीटर का सफर करीब 18 घंटे में पूरा करने के बाद गौरीघाट के भटौली कुंड में सोमवार की सुबह 6 बजे स्मार्ट तरीके से एयर बूम क्रेन द्वारा मातारानी का विसर्जन किया गया। छोटी लाइन फाटक से लेकर गौरीघाट तक मातारानी की भव्य पूजा अर्चना की गयी। रविवार की शाम 4 बजे पड़ाव प्रारंभ होनी थी जो रात 8 बजे से प्रारंभ हो सकी। महाकाली विसर्जन शोभायात्रा तकरीबन 15 किलोमीटर चलकर ऐतिहासिक भीड़ के साथ गौरीघाट स्थित भटौली कुंड 5 बजकर 25 मिनिट में पहुंची। शोभायात्रा में प्रारंभ से लेकर विसर्जन होने तक कहीं कोई गड़बड़ी न हो इसके लिये भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

रास्ते भर में भण्डारे की धूम

पड़ाव से लेकर ग्वारीघाट तक महाकाली के भक्तों के लिए मार्ग में 150 से अधिक भण्डारों का आयोजन किया गया। समाजसेवियों के साथ अनेक लोगों ने स्वागत मंच के साथ भण्डारा का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि भण्डारा का आयोजन करने वाले प्रदेश के कई शहरों से जबलपुर पहुंचे थे।

भक्तों का उमड़ रहा सैलाब

महाकाली के विसर्जन जुलूस में उम्मीद से अधिक भीड़ होने से शहर में दूसरे दशहरा जैसा माहोल रहा। श्रद्धालू पूरी रात महाकाली के दर्शन के लिए सड़कों में आते-जाते देखे गए भीड़ में इस बात की चर्चा भी रही कि इस साल जैसे भक्तों की भीड़ इससे पहले कभी नहीं थी इस बात को ध्यान में रखकर चुस्त-दुरुस्त इंतजाम किए गए थे। समिति के अखिल राज ने पूरे 15 दिन भक्तों व प्रशासन के मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

"सुरक्षित डिजिटल भारत" की दिशा में एम.पी. ट्रांसको का सशक्त कदम

जबलपुर। सुरक्षित डिजिटल भारत के लक्ष्य की दिशा में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने एक और सशक्त कदम बढ़ाया है। विश्वभर में अक्टूबर माह "साइबर सुरक्षा जागरूकता माह" के रूप में मनाया जाता है, और इसी के तहत एम.पी. ट्रांसको द्वारा प्रदेशभर में स्थित अपने सभी कार्यालयों, सबस्टेशनों तथा ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस (टी.एल.एम.) मुख्यालयों में व्यापक साइबर सतर्कता अभियान चलाया जा रहा है। एम.पी. ट्रांसको आईटी सेल के प्रमुख डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी साइबर सुरक्षा के प्रति अत्यंत गंभीर है और इसे मजबूत बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। एम.पी. ट्रांसको का स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर देश का पहला केंद्र है, जिसकी साइबर योजना भारत सरकार की शीर्ष संस्था द्वारा अनुमोदित की गई है। इसके साथ ही, स्काडा प्रणाली में नेक्स्ट जेनरेशन फायरवॉल, प्रत्येक कंप्यूटर में एडवांस एंटीवायरस और नियमित साइबर ऑडिट लागू किए गए हैं।

आयोजित हो रही हैं कार्यशालायें-

डाक्टर हिमांशु श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि इस अवसर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिनमें साइबर सुरक्षा पर कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण सत्र एवं ऑनलाइन सुरक्षा संबंधी संदेशों का प्रसार शामिल है। कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने अपने संदेश में कहा कि इस वर्ष का थीम "साइबर जागृत भारत अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा "आज हर व्यक्ति, चाहे वह कंप्यूटर प्रोग्रामिंग करता हो, इंटरनेट का सामान्य उपयोग करता हो, या यूपीआई से लेन-देन करता हो – सभी के लिए जागरूकता के साथ साइबर सतर्कता आवश्यक है। साइबर सुरक्षा केवल आईटी टीम की नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कमजोर पासवर्ड या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना पूरी संस्था के लिए खतरा बन सकता है। जैसे एक जंजीर उतनी ही मज़बूत होती है जितनी उसकी सबसे कमजोर कड़ी।"

श्री तिवारी ने सभी कर्मचारियों से आह्वान किया कि साइबर सुरक्षा का ज्ञान केवल अपने तक न रखें, बल्कि परिवार और समाज तक भी पहुँचाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एम.पी. ट्रांसको इस क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा।

सप्त शक्ति संगम अभियान का शुभारंभ

जबलपुर। विद्या भारती महाकोशल प्रान्त द्वारा सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का शुभारंभ विरांगना रानी दुर्गावती की जयंती पर 5 अक्टूबर से किया गया. अखिल भारतीय बालिका शिक्षिका संयोजिका सुश्री रेखा चूड़ा समा द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर मोहनिया में किया गया. सरस्वती शिक्षा परिषद के सचिव डॉ सुधीर अग्रवाल ने यहां पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया की सप्त शक्ति संगम योजना के तहत 75 लाख माताओं को प्रेरित कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है. इस राष्ट्रीय अभियान के तहत पूरे देश में 30 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे. जिसमें 75 लाख से अधिक महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी. महाकौशल प्रांत द्वारा अपने सभी विद्यालयों में 1500 कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है. इस अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा संयोजिका सुश्री रेखा चूड़ासमा श्रीमती मनीषा ठाकुर प्राचार्य अधारताल श्रीमती सोनू चौहान प्रधानाचार्य अधारताल श्रीमती सुधा सचदेवा सरस्वती शिक्षा परिषद के प्रादेशिक सचिव डॉक्टर सुधीर अग्रवाल व प्रांत कोपाध्यक्ष विष्णु कांत ठाकुर उपस्थित रहें ।

चल समारोह में गूंजा जय माता दी का जयघोष

जबलपुर। ग्राम सगड़ा- झपनी में बड़ी ही भव्यता के साथ शताब्दी वर्ष समारोह का समापन हुआ। इस चल समारोह में जय जय श्री राम और जय दुर्गे जय काली के घोष गूंजते रहे। श्री दुर्गोत्सव रामलीला समिति सगड़ा झपनी में विजयदशमी को लक्ष्मण शक्ति, मेघनाथ वध, कुंभकरण वध एवं रावण वध राज्य अभिषेक का मंचन हुआ। रावण वध के पश्चात विशालकाय 40- 45 फीट पुतले का दहन किया गया। जो ग्राम के कलाकारों द्वारा तैयार किया गया था। अखिलेश सोनू उपाध्याय मनीष उपाध्याय ने बतलाया की मंच से शताब्दी समारोह के विभिन्न आयामों को याद किया गया, जिसमें बैंड के साथ माता की भव्य अगवानी, 400 कालशों के साथ स्वागत, गांव ग्राम के कलाकारों द्वारा पंडाल निर्माण, प्रतिदिन भव्य भंडारा, रामलीला का श्रेष्ठ मंचन रहा। आज माता का चल समारोह है। चल समारोह में बरगी बरेला की महारानी के साथ राजा रामचंद्र जी का दरबार सजा रहे। इस आयोजन में कृष्ण कुमार अवस्थी, अखिलेश सोनू उपाध्याय मनीष उपाध्याय कैलाश राय नीरज साहू बलराम सत्येंद्र साहू विवेक चौबे मनजीत पुरी सुरेंद्र पटेल संतोष पटेल प्रकाश उपाध्याय आदि का विशेष सहयोग रहा।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर: एक ही छत के नीचे जुटे विशेषज्ञ, बड़ी संख्या में लाभ उठा रहे लोग

जबलपुर। आंखों की सेहत का ख्याल रखते हुए श्री सेठ घासी राम सेवा समिति द्वारा छवि रानी बऊ स्मृति निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जहां एक ही छत के नीचे आप अहम जांचें निःशुल्क करवा सकते हैं। रविवार से प्रारंभ हुआ शिविर 6 और 7 अक्टूबर को भी जारी रहेगा। छवि आई हॉस्पिटल, राइट टाउन में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाले शिविर में आंखों की समस्त आधुनिक जांचें निःशुल्क की जा रही हैं। संयोजक नेत्र रोग विशेषज्ञ एमएस डॉ. अखिलेश नेमा ने बताया कि शिविर में मोतियाबिंद, संपूर्ण नेत्र जांच, आंखों की एलर्जी, कांच बिंद की **nct** जांच, ड्राई आइज, व अन्य समस्याओं की जांच विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा की जा रही है। साथ ही स्टेलरिस पीसी मशीन की सहायता से फेको सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। शिविर में जांच के बाद चयनित मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन पर विशेष छूट दी जाएगी। साथ ही मोतियाबिंद ऑपरेशन करवाने वाले मरीजों को दवाइयां और काला चश्मा निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। आयुष्मान कार्ड धारकों का रेटीना ऑपरेशन निःशुल्क कराए जाने की सुविधा भी है। **LASIK** सर्जरी पर विशेष पैकेज ऑफर के साथ-साथ आंखों के संपूर्ण इलाज की उन्नत तकनीकों की भी जानकारी दी जा रही है। रजिस्ट्रेशन एवं अधिक जानकारी के लिए अस्पताल से सीधे संपर्क किया जा सकता है। छवि आई हॉस्पिटल, राइट टाउन जबलपुर में संपर्क कर सकते हैं।

हिलटगंज बस्ती के लोग भय के माहौल में जीवन व्यतीत कर रहे

जबलपुर। रविवार सुबह लगभग 4 बजे से 6 बजे तक क्षेत्र में रहने वाले कुख्यात बदमाश नीलेश उर्फ बच्चा मलिक एवं उसके गुर्गे जित्तू उर्फ जीतेन्द्र नाहर, लक्की तामिया पिता स्व. ललित तामिया, कुणाल करोसिया पिता स्व. घनश्याम करोसिया, योगेश पारस पिता बबलू पारस, कुछ और असामाजिक तत्व थे जिनका मैं नाम नहीं जानता हूँ, नीलेश उर्फ बच्चा मलिक मेरे घर आकर छुरा-चाकू लेकर मुझे जान से मारने की नीयत से मेरे घर आ रहे हैं एवं मेरी माँ मेरी, पत्नी मेरे भाई को और मुझे गोली एवं बम मारने की बात बोलकर गन्दी गन्दी गाली गलोच कर पूर्व में की हुई थाना कैंट की शिकायत को वापस लेने की धमकी देते हुए बस्ती में एक विधवा महिला को भी गन्दी-गन्दी गालियां ऐसे शब्द जो किसी महिला के लिए घोर अपमान कहलाता है। उक्त शिकायज विधवा महिला ने भी थाना कैंट में लिखित रुप में देकर एफआईआर की माँग की है। घटना के बाद नीलेश उर्फ बच्चा मलिक अपने गुर्गो के साथ भाग निकला, इस घटना के बाद सभी सामाजिक बंधुओं ने थाना कैंट में लिखित शिकायत देकर ठोस एवं दंडात्मक क़ानूनी कार्यवाही की मांग की है। मांगपत्र में आगे लिखा कि मेरे एवं मेरे परिवार के साथ किसी भी प्रकार की कोई घटना होती है तो इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी नीलेश मलिक, जित्तू उर्फ जितेन्द नाहर, लक्की तामिया, कुणाल करोसिया, योगेश पारस के साथ कुछ और असमाजिक तत्व भी साथ थे जिनका नाम मैं नहीं जनता, मेरी जबलपुर पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी कैंट से उचित एवं कठोर दंडात्मक कानूनी कार्यवाही कर एफआईआर की मांग करता हूँ।

पाटन के सोयाबीन उत्पादक किसानों को दी गई नई भावांतर व्यवस्था की जानकारी

जबलपुर। राज्य शासन द्वारा सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में शुरू की गई भावांतर भुगतान योजना तथा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जबलपुर जिले में लागू की गई उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था "ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली" की किसानों को जानकारी देने आज कृषि उपज मंडी पाटन में किसानों के साथ चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी पाटन मानवेन्द्र सिंह एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने भावांतर भुगतान योजना तथा ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। कार्य्रकम में क्षेत्र के किसानों के साथ-साथ किसान संघों के प्रतिनिधि तथा कृषि इनपुट डीलर भी मौजूद थे। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने किसानों से चर्चा करते हुये ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली से किसानों को ई-टोकन प्राप्त करने की समूची प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उर्वरक वितरण की इस नई व्यवस्था के तहत क्यू आर कोड को स्कैन कर अथवा पोर्टल के माध्यम से किसान ई-टोकन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड को गूगल लेंस से स्कैन कर भी सीधे इस पोर्टल पर पहुंचा जा सकता है। उप संचालक कृषि ने किसानों को बताया कि उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था के अंतर्गत खाद की बुकिंग के लिए आधार नम्बर का चालू मोबाइल से लिंक अनिवार्य होगा। खाद की बुकिंग किसान स्वयं अपने मोबाइल से कर सकते हैं या फिर नजदीकी एमपी ऑनलाइन सेण्टर से भी खाद की बुकिंग करायी जा सकती है। उप संचालक कृषि डॉ निगम ने बताया कि पोर्टल पर खाद की बुकिंग का समय सुबह 07 बजे से रात्रि 08 बजे तक निर्धारित किया गया है।

गुंडों ने घर में घुसकर की तोड़फोड़, जान से मारने की दी धमकी

जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत ग्राम कुअरपुर में बीती रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहाँ एक व्यक्ति के घर पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम निवासी मुकेश अहवासी के घर पर बीती रात लगभग 12:30 बजे कुछ अज्ञात लोग, जिनमें प्रमुख रूप से अतुल महाराज एवं उसका पिता शामिल थे, ने पत्थरबाजी कर घर की दीवार और टू-व्हीलर वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित मुकेश अहवासी ने बताया कि पहले तो अतुल महाराज उनके घर के पास संदिग्ध रूप से घूम रहा था। पूछने पर उसने धमकी भरे लहजे में जवाब दिया और चला गया। इसके कुछ ही समय बाद वह अपने पिता और अन्य 4 अज्ञात हथियारबंद व्यक्तियों के साथ घर पर आया और दरवाजे पर पत्थर मारने के बाद घर की बिजली का बल्ब तोड़ दिया। आरोपियों के पास बका और लाठी जैसे हथियार थे और उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित परिवार ने पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर कॉल किया, जिसके बाद पुलिस के पहुंचते ही आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित पाटन थाना में शिकायत करने पहुंचा था, लेकिन पाटन थाना प्रभारी द्वारा आवेदन ले लिया और एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया। जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक जबलपुर को लिखित आवेदन देकर घटना की जानकारी दी है तथा आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

श्री सुनील दत्त खेमरिया- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री सुनील दत्त खेमरिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज कपूर- रतन नगर राधारमण मंदिर के पास निवासी श्री आरसी कपूर की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज कपूर (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती उर्मिला देवी कुररिया- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री गंगा प्रसाद कुररिया की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी कुररिया (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती निर्मला बाई खटीक- भानतलैया बड़ी खेरमाई निवासी श्री नत्थू लाल खटीक की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला बाई खटीक (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संजीत कुमार गुहा- सुहागी अधारताल निवासी श्री संजीत कुमार गुहा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोशन लाल बिल्ला- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री रोशन लाल बिल्ला (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सुरेश राजगोपाल- थम्मन सिंह का बाड़ा गोरखपुर निवासी श्री सुरेश राजगोपाल (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई राजपूत- पुरानी मछरहाई जवाहरगंज निवासी श्री दीपचंद राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई राजपूत (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती माया मलिक- टैगोर कॉलोनी बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ गौरीघाट रोड निवासी श्री केशव प्रसाद मलिक की धर्मपत्नी श्रीमती माया मलिक (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बहादुर लाल पारोची-

फूटाताल उर्दू स्कूल के पास निवासी श्री बहादुर लाल पारोची (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कल्लन बाई काले- हैलटगंज सदर निवासी श्री नारायण काले की धर्मपत्नी श्रीमती कल्लन बाई काले (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति बाई दाहिया- लालमाटी बड़ी संतोषी माता मंदिर के पास निवासी श्री रामदयाल दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई दाहिया (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रमोद चौरसिया- आदर्श कॉलोनी कटरा अधारताल निवासी श्री प्रमोद चौरसिया (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब चौधरी- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री गुलाब चौधरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पंकज कुमार राजपूत- व्हीकल मड़ई मस्जिद के पास निवासी श्री पंकज कुमार राजपूत (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिवदत्त वाजपेयी- छुट्टू मिंया की तलैया नरघैया रोड निवासी श्री शिवदत्त वाजपेयी (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री उपेंद्र चंद्र दत्ता- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री उपेंद्र चंद्र दत्ता (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कार्यालय कलेक्टर डिण्डौरी एवं पदेन अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक/भू-अर्जन /2023-24/71(अ-82) 2023-24/850 **अधिसूचना** डिण्डौरी, दिनांक - 26/09/2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची (1) में वर्णित भूमि की कालम नम्बर (6) में वर्णित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. इस हेतु अनुसूची (1) के कॉलम नम्बर (4) में वर्णित प्रभावित कृषको की भूमि, भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (क्रमांक 30 सन 2013) की धारा-19 के अन्तर्गत यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है।

अनुसूची-1

धारा-19

जिला	तहसील	ग्राम एवं प.ह.नं.	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्ट. में)	प्रभावित परिवारों की सख्यां	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
01	02	03	04	05	06
डिण्डौरी	डिण्डौरी	कुर्कवारा रैयत प.ह.नं. 34	73.994	68	राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना हेतु
		कुल	73.994 हेक्ट.		

अनुसूची-2 (प्रभावित धारको की सूची)

क्र.	भूमिस्वामी / शास. पट्टेदार का नाम मय पता सहित	खसरा नं.	कुल रकबा (हेक्ट.)	अर्जित रकवा (हेक्ट.)	परिसंपत्तियों का विवरण	वृक्षों का विवरण
1	सुखदेव, इन्द्रसिंह पिता गुपतसिंह, गुपतसिंह, इंद्रवती पुत्री गुपतसिंह, मोहवती पुत्री गुपत सिंह, रमोतिनबाई पत्नी सम्पतसिंह, हम्मेलाल पिता सम्पतसिंह, गलीराम पिता सम्पतसिंह देवसिंह पिता सम्पतसिंह पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी बुद्धी बाई पुत्री केहरसिंह पिता सुनया जाति गोंड, चमरासिंह, धरमीबाई पुत्री धमरासिंह, सम्पत सिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] रामबाई पुत्री श्यामबाई पुत्री सम्हर पिता बृहस्पतिया पुत्री` चमरासिंह सुनवा पिता सोनसाय सोनसाय मुखिया बेवा सोनसाय महासिंह, श्यामवती बेवा हीरासिंह, कमलसिंह पिता हीरासिंह, नवलसिंह पिता हीरासिंह, लखनसिंह पिता हीरासिंह, राजेन्द्र पिता हीरासिंह, मंगलीबाई पुत्री हीरा सिंह जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	1	6.580	4.089	-	शोबबूल-3, उमर-3, खमेर- 6, छिवला-7, नीम-1, पडरी-1. बबूल-1, बेर-12, लिप्टिस-6 सगोन-4
	हरीसिंह पिता टीकाराम नानसिंह पिता टीकाराम जेदू पिता अमरु पहलयती पुत्री रातू सपनी पुत्री रातू जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] शकुन्तला पुत्री रातू जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गोमती पुत्री रातू जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] फुलबसबाई पत्नी बजारी जाति गॉड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] सुभईसिंह पिता बजारी जाति गौड पता कुर्कचारा डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] सुहागबाई पुत्री बजारी जाति गोड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी		5.180	5.180	-	शोबबूल - 2 अमरुद-3,आम-1, उमर 2. कंजी-9, केवलार-1. खमेर-6,पड़री.1पीपल-1, बबूल -2, बहेडा- 1. बांस-6,बेर 65, बेल-1, मुनगा -2, लिप्टिस-1, सगोन 1.सफेद शीरस-1, सीता फल 1 शोबबूल - 22,नीम-1, पीपल- 2.लिप्टिस-2, साजा-1. सीताफल- 2
	सोनसिंह पिता हरीसिंह (मकान मालिक)	4			पक्का मकान छत खपरेल कच्चा घर छत खपरेल- 2 कच्चा यॉन्ड्री बाल	
	नंदलाल पिता बिसाहू (मकान मालिक)				पक्का मंदिर, मंदिर गुम्बज	
2	युद्धनबाई पति विसाह (मकान मालिक)				पक्का मंदिर, मंदिर गुम्बज	
	रामचंद्र पिता रतिराम बंजारा (मकान मालिक)				कच्चा घर छत खपरेल- 2. मूर्ति हनुमानजी	
	हरिसिंह पिता टीकाराम (मकान मालिक)				पक्का घर कच्चा घर छत खपरेल	
3	जुलाबसिंह पिता बल्लारसिंह, प्यारे पिता बल्लारसिंह, फूलाबाई पुत्री सेमसिंह, फूलसिंह पिता सेमसिंह, हरेसिंह पिता सेमसिंह, नंदनी पुत्री रोहित, हरियारीबाई पत्नी गुलाबसिंह, तिहारोबाई पुत्री सेमसिंह, गुलावती पिता थानसिंह, नन्हेसिंह पिता गुलाबसिंह, राधेश्याम पिता रोहित, हरियंती पुत्री निरपत पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/1	7.880	3.942	-	आम-1, उमर. 3, कंजी-1,खमेर -5, खसी. 1. विला-2, नीम-1, पीपल- 1. बेर-63, लिडैया-2
	नानसिंह पिता गुलाबसिंह (मकान मालिक)				कच्चा घर छत खपरेल	
4	टीकोबाई पिता दसरुसिंह जाति गांड पता कुर्कवारा रै. डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/2	5.700	5.344	कच्चा घर छत खपरेल	आम-1, कंजी-3, ककई-2, छिवला-7, नीम- 2. बबूल - 11 बांस-1, बेर-56, मुंढी-1, सेम्हर 1, रुडया-1, हर्रा- 3
5	प्यारे लाल पिता बल्लारसिंह (मकान मालिक)	5/3			पक्का घर. कच्चा घर छत खपरेल-3	
	मदनसिंह पिता जुलाबसिंह (मकान मालिक)				पक्का मकान छत टिन शेड पक्का मकान छत खपरेल. कच्चा घर छत खपरेल	
	जुलाबसिंह पिता बल्लारसिंह				कुंआ-1	
	स्वरूपसिंह पिता जुलाबसिंह (मकान मालिक)				पक्का मकान छत खपरेल कच्चा घर छत खपरेल	
	दलपत पिता जुलाबसिंह (मकान मालिक)				कच्चा घर छत खपरेल-2	
6	भदियाबाई पुत्री दशरथ सिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/3/1	0.510	0.510		शीशम 7. शोबबूल -52,साल्हे-2 अमरुद छ, अशोक-2, आम- 1. इमली-7, उमर-1, कंजी-3खमेर 28. विला -7, जामुन-2, नीम-3 पीपल -4, बबूल-8, बांस-3, बेर -118, बेल-3, महुआ-4, मुंदी1. मुनगा-1मेहदी-2लिप्टिस-30.स फेद शीरस सीताफल-9,सम्हर-1
	लामूसिंह पिता सम्पतसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी	5/3/2	2.400	2.400		
7	प्रेमसिंह पिता सम्पत जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/3/3	2.400	2.400		
8	मानवती पुत्री सम्पत जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/3/4	2.000	2.000		
9	दशरतियाबाई पुत्री आधारसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/4	0.530	0.530		
10	दसमाबाई पुत्री आधारसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	5/5	0.520	0.520		
11	कोशीबाई पत्नी अजरु जाति गोंड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/1	0.860			नीम-1
12	विशनसिंह पिता मंगलू जाति गोड पता कुर्कवारारै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/2/1	0.300			छिवला -1
13	भजनसिंह पिता विशनसिंह जाति गोड पता कुर्कवारा डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/2/2	0.350	5.222		
14	धरमसिंह पिता मंगलू, जाति गोड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/3	0.930			
15	छुरैया पिता मंगलू जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/4	1.060			
16	कोपसिंह पिता बाबूलाल जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/5	1.020			
17	नवलसिंह पिता बजरु विश्रामसिंह पिता बजरु जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कुटीबाई पुत्री बजरु जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हरिवती पुत्री बजरु जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/6/1	0.510			कंजी-3, खमेर- 2. छिवला-1 बबूल-1, बैर-1, हड़या-1
	रामसिंह पिता कुंटूसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	6/6//2	0.510			
18	शिखरचन्द पिता हीरासिंह जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी फूलसिंह पिता हीरासिंह जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी नन्नूसिंह पिता कुंवरलाल जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	7/1	0.800	0.795		शोबबूल- 34.कंजी-1किरगी.11, खमेर-1,नीम-1,बबूल-8,बेर21
19	अमरतिया पुत्री रामसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अमरसिंह पिता नन्नूसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सम्हासिंह पिता नन्नूसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी समलीबाई पुत्री रामसिंह पता डिंडौरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	7/2	0.920	0.759		शोबबूल- 14, आम-1, उमर-1, खमेर - 33, बैर- 43
20	सोमनाथ पिता गनपत जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	7/3/1	0.760			खमेर - 1, बैर-20
21	रजन सिंह पिता रामनाथ जाति गोड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	7/3/2/1	0.390	5.222		शोबबूल- 14, खमेर 10.बबूल-1 बैर-32, लिप्टिस-7
22	चन्द्रसिंह पिता रामनाथ जाति गोंड पता कुर्कवारा डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	7/3/2/2	0.380			
23	बुध्दाबाई पुत्री गनपत जाति गोंड पता कुर्कयारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	7/3/3	0.400			उमर - 1, बैर-1
24	मोहनसिंह पिता सुखना जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी मनोहरसिंह पिता सुखना 24 जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अमरवती पुत्री सुखना जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	8	0.300	0.300		शोबबूल-4, छिवला-2, बेर-8
25	भदियाबाई पुत्री दशरथसिंह जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	9/2	0.270	0.127		छिवला-2, बैर-5
26	मेनका पुत्री सुधईसिंह, भागवती पुत्री सुधईसिंह, जानकी पुत्री सुधईसिंह, निरुपसिंह पिता रायसिंह, प्रेमसिंह पिता मानसिंह, सेवसिंह पिता मानसिंह, सजीवन पिता सुधईसिंह, सियाबाई पत्नी सुधईसिंह पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	10/1	22.80	1.551		शोबबूल-3. छिवला-2, बबूल-2, बेर-71, लिप्टिस- 1. सीताफल 1
	राजेन्द्रसिंह पिता भददेसिंह, महेंद्रसिंह पिता भददेसिंह, हेमसिंह पिता मनेसिंह, महेन्द्रवती पुत्री भददेसिंह, श्यामवती पुत्री भददेसिंह, कलावती पत्नी भददेसिंह, हरिवति पुत्री मददेसिंह पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	10/2	2.620			
27	जयसिंह पिता शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी दयासिंह पिता शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य` प्रदेश भूमि स्वामी दयावती पुत्री शंकरसिंह जाति 27 गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अम्मावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गिरजावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	11/1	1.020	0.183		खमेर -3, बेर-3
28	श्यामबाई परस्ते बेवा सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी राजेशसिंह परस्ते पिता सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कंधीसिंह पिता सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	11/2	1.030			
29	जुलाबसिंह पिता बल्लारसिंह, प्यारे पिता बल्लारसिंह, फूलाबाई पुत्री सेमसिंह, फूलसिंह पिता सेमसिंह, हरेसिंह पिता सेमसिंह, नंदनी पुत्री रोहित, हरियारोबाई पत्नी गुलाबसिंह, तिहारोबाई पुत्री सेमसिंह, गुलावती पिता थानसिंह, नन्हेसिंह पिता गुलाबसिंह, राधेश्याम पिता रोहित, हरिवती पुत्री निरपत पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	20/1	0.440	0.302		उमर -1, बेर-15
30	मानवती पुत्री सम्पत जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	20/2	0.340	0.269		बेर-8
31	झामसिंह पिता गरभू जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी चैनसिंह पिता गरभू जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी बैसखिया पुत्री गरभू जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी फुलझरिया पुत्री गरभू जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी रमोतिनबाई पुत्री गरभू जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हीरासिंह पिता रामलाल जाति गौड़ पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हरिसिंह पुत्र रामलाल जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी रमेश पिता रामलाल जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हीरावती पुत्री रामलाल जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हिरिया पुत्री रामलाल जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जीतसिंह पिता रामसिंह जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अमरसिंह पिता रामसिंह जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गंगासिंह पिता रामसिंह जाति गॉड` पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गीताबाई पुत्री रामसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	21	4.360	3.876		शोबबूल 4. उमर-2, किरगी. 2. खमेर-13. खसी-1, जामुन- 1. नीम-1, बबूल-9, बांस-4, बेर-190, महुआ- 1. सेम्हर-1

क्र.	प्रभावित खातेदार (कृषक का नाम)	खसरा नं.	कुल रकबा (हेक्ट.)	अर्जित रकवा (हेक्ट.)	परिसंपत्तियों का विवरण	वृक्षों का विवरण
	गंगासिंह पिता रामसिंह				कुंआ-1	
32	जयसिंह पिता शंकरसिंह, दयासिंह पिता शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी दयावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अम्मावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गिरजावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	22/1	0.270	0.270		शोबबूल-2,ककई. 1.खमेर. 2. बबूल - 10 बेर-19
33	श्यामबाई परस्ते बेवा सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी राजेशसिंह परस्ते पिता सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी` डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कंधीसिंह पिता सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	22/2	0.270	0.270		शोबबूल-6, ककई-2. किरगी-2, खमेर-1, बेर-13
34	रामवती पिता छबलसिंह जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	23	0.790	0.790		शोबबूल- 2. कचनार-1, किरगी-2,खमेर-9,बबूल 2, बेर-54, हड़या-1 शोबबूल -2, उमर-1, किरगी- 1. खमेर-1, बैर- 9. सेम्हर-1
35	टीकोबाई पिता दसरुसिंह जाति गोड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	24	0.810	0.810		शोबबूल- 10,आम-1,उमर 1, किरगी. 5. खमेर-3, जामुन-1, बेर 59, साजा-1 सेम्बर-3
36	कोशीबाई पत्नी अजरु जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/1	0.180	0.180		
37	भजनसिंह पिता विशनसिंह जाति गोंड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/2/1	0.090	0.090		
38	सजनसिंह पिता विशनसिंह जाति गोंड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/2/2	0.090	0.090		शोबबूल- 10,आम-1,उमर 1, किरगी. 5. खमेर-3, जामुन-1, बेर 59, साजा-1 सेम्बर-3
39	धरमसिंह पिता मंगलू जाति गोंड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/3	0.180	0.180		
40	छुरैया पिता मंगलू जाति गौड़ पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/4	0.170	0.170		
41	कोपसिंह पिता बाबूलाल जाति गौड़ पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/5	0.170	0.170		
42	नवलसिंह पिता बजरु जाति गौड़ पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी विश्रामसिंह पिता बजरु जाति गौड़ पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कुटीबाई पुत्री बजरु जाति गौड़ पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हरिवती पुत्री बजरु जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/6	0.170	0.170		
43	कवलसिंह पिता बुद्ध जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्यामी	27	0.790	0.790		खमेर1,खसी1बबूल 3बेर11
44	शिखरचन्द पिता हीरासिंह जाति गौड़ पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी फूलसिंह पिता हीरासिंह जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी नन्नूसिंह पिता कुंवरलाल जाति गौड़ पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	28/1	2.000	2.000		शोबबूल-63, उमर-3, कंजी-1. किरगी-3. खमेर पीपल 2. बबूल11बेर- 79
45	अमरतिया पुत्री रामसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अमरसिंह पिता नन्नूसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सम्हासिंह पिता नन्नूसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी समलीबाई पुत्री रामसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	25/2	1.300	1.300		शोबबूल - 2, उमर- 1 धुन्जा- 2. बबूल 4, बैर 6
46	सोमनाथ पिता गनपत जाति गौड़ पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	28/3/1	0.590	0.590		
47	रजनसिंह पिता रामनाथ जाति गोंड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	28/3/2/1	0.300	0.300		शोबबूल - 11, आम-2, किरगी- 1. खगेर-3, बबूल -6, बरगद 1, बेर-16, लभेर-1,लिप्टिस1,सगोन-1
48	चन्द्रसिंह पिता रामनाथ जाति गोड पता कुर्कयारा १० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	28/3/2/2	0.300	0.300		लिप्टिस-9
49	सोमनाथ पिता गनपत जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	28/4/1	0.300	0.300		
50	रामनाथ पिता गनपत जाति गोंड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	28/4/2	0.300	0.300		किरगी-3, बेर-2
51	पतिराम पिता नन्कू, द्रोपति पिता नन्कू रूपता पुत्री नन् जाति गोंड सुग्रीबाई पुत्री नन्कू जाति गोंड गनपली पुत्री नन्कू लता पुत्री नत्कू जाति गौड़, सेमसिंह पिता पनकू जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी लम्मासिंह पिता पनकू जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गेंदसिंह पिता पनकू जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी इन्द्रसिंह पिता पलकू जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	29	3.900	3.900		शीशम 3. शोबबूल - 15, आम-1, उमर 4, खमेर-36 जिला-1, नीम.1बांस- 1. बेर-66, साजा-1, सेम्हर 1 खमेर - 1.
52	झामसिंह पिता गरभू, चैनसिंह पिता गरभू बैसखिया पुत्री गरभू, फुलझरिया पुत्री गरभू रमोतिनबाई पुत्री गरभू जाति गौड, हीरासिंह पिता रामलाल हरिसिंह पुत्र रामलाल, रमेश पिता रामलाल, हीरायती पुत्री रामलाल जाति गॉड, हिरिया पुत्री रामलाल जाति गॉड पता डिडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जीतसिंह 52 पिता रामसिंह जाति गांड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अमरसिंह पिता रामसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गंगासिंह पिता रामसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गीताबाई पुत्री रामसिंह जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	30	0.420	0.420		चिवला-1, बबूल-7, बेर-7
53	जयसिंह पिता शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी दयासिंह पिता शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी दयावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अम्मावती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी 53 डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गिरजायती पुत्री शंकरसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	31/1	1.980	1.980		अमरुद-3, आम-1, इमली. 2, फिरगी-1, खमेर- 1. खसी- 1. छिवला-2, नीम 2. बबूल. 21. बेर- 70
	जयसिंह पिता शंकरसिंह (मकान मालिक)				कच्चा घर छत खपरेल	
54	श्याम बाई परस्ते पेवा सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी राजेशसिंह पिता सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कंधीसिंह पिता सोनसिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	31/2	1.970	1.970		शोबबूल-8, इमली1.किरग 3,खमेर 16,बबूल-7, बेर-76
55	जोहर सिंह पिता गहबरसिंह जाति गोंड पता कुर्कवारा डिंडोरी डिंडौरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जवाहरसिंह पिता गहबरसिंह जाति गॉड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी श्रीवती पुत्री गहबरसिंह जाति गॉड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी शामवती पुत्री गहबरसिंह जाति गॉड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सहमतियाबाई बेवा गहबरसिंह जाति गॉड पता कुर्कवारा डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी बृहस्पतिया बेवा आनंद जाति गांड पता कुकैवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी भगतसिंह पिता आनंद जाति गौड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जगतसिंह पिता आनंद जाति गांड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी लौगवती पुत्री आनंदसिंह जाति गौड पता कुर्कवारा डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	32	0.950	0.950		
56	चन्द्रकला पत्नी सुखदेव जाति गॉड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] गंभीरसिंह पिता सुखदेव पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी शांतिबाई पुत्री सुखदेव पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जीराबाई पुत्री सुखदेव पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] इन्द्रसिंह पिता]ुपतसिंह पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] मंगलसिंह पिता गुपतसिंह पता कुर्कवारा ० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] इंद्रवती पुत्री गुपतसिंह पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] मोहवती पुत्री गुपतसिंह पता कुर्कचारा डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] रमोतिनबाई पत्नी सम्पतसिंह पता डंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] हम्मेलाल पिता सम्पतसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] गलीराम पिता सम्पतसिंह पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] देवसिंह पिता सम्पतसिंह पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] बुद्धीबाई पुत्री सम्पतसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] केहरसिंह पिता सुनवा जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] रामबाई पुत्री चमरासिंह जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] धरमीबाई पुत्री पमरासिंह जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] श्यामबाई पुत्री चमरासिंह जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] सुनवा पिता सोनसाय जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] सम्हर पिता सोनसाय जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] भुखिया बेवा सोनसाय जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] बृहस्पतिया पुत्री महासिंह जाति गोंड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] श्यामपती बेया हीरासिंह जाति गोड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] कमलसिंह पिता हीरासिंह नवलसिंह पिता हीरासिंह लखनसिंह पिता हीरासिंह जाति गौड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] राजेन्द्र पिता हीरासिंह जाति गॉड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी] मंगलीबाई पुत्री हीरा सिंह जाति गोंड पता डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	31/1	2.120	2.120		खमेर-3, छिवला-1. जामुन-1, बेर 35, रैला -1
57	सुन्दरसिंह पिता दुलपसिंह जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी फुलवरिया पुत्री दुलपसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी ओमवती पुत्री दुलपसिंह जाति गोड ता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सोमवती पुत्री दुलपसिंह जाति गॉड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	33/3	0.530	0.530		उमर-3, बेर-5, रेला-1
58	मेनका पुत्री सुधईसिंह, भागवती पुत्री सुधईसिंह, जानकी पुत्री सुधईसिंह, निरुपसिंह पिता रायसिंह, प्रेमसिंह पिता मानसिंह, सेवसिंह पिता मानसिंह, सजीवन पिता सुधईसिंह, सियाबाई पत्नी सुधईसिंह जाति गॉड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	34/1	0.980	0.980		छिवला-1 बेर-8,
	राजेन्द्रसिंह पिता भददेसिंह, महेंद्रसिंह पिता भददेसिंह, हेमसिंह पिता मनेसिंह, महेन्द्रवती पुत्री भददेसिंह, श्यामवती पुत्री भददेसिंह, कलावती पत्नी भददेसिंह, हरिवति पुत्री भददेसिंह पता डिंडोरी	34/2	0.980	0.980		
59	मगनलाल पिता सोनू जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कमललाल पिता सोनू जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी गोकल पिता महगू जाति गोड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	35	2.250	2.250		खमेर-1, बबूल 28. बेर-50
60	मेनका पुत्री सुधईसिंह, भागवती पुत्री सुधईसिंह, जानकी पुत्री सुधईसिंह, निरूपसिंह पिता रायसिंह, प्रेमसिंह पिता मानसिंह, सेवसिंह पिता मानसिंह, सजीवन पिता सुधईसिंह, सियाबाई पत्नी सुधईसिंह जाति गॉड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	36/1	1.490	1.490		शोबबूल-5. अमरुद-5, किरगी-13, बबूल- 17, बरगद-1, बेर- 84
	राजेन्द्रसिंह पिता भददेसिंह, महेंद्रसिंह पिता भददेसिंह, हेमसिंह पिता मनसिंह, महेन्द्रवती पुत्री भददेसिंह, श्यामवती पुत्री भददेसिंह, कलावती पत्नी भददेसिंह, हरियति पुत्री भददेसिंह पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	36/2	1.480	1.480		

शेष अगले पेज पर

खबर संक्षेप

चीन, इंडोनेशिया से इस्पात डंपिंग की जांच की शुरू

नई दिल्ली। भारत ने घरेलू कंपनियों की शिकायत के बाद चीन, इंडोनेशिया और वियतनाम से कुछ इस्पात वस्तुओं की कथित डंपिंग की जांच शुरू कर दी है। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने इन तीन देशों से '300 और 400 श्रृंखला के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों' के आयात की एंटी-डंपिंग जांच शुरू कर दी है। भारतीय स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसिएशंस (आईएसएसडीए) ने घरेलू कंपनियों की ओर से इसके लिए एक आवेदन किया है।

वोस्ट्रो खाते से कॉरपोरेट बांड में निवेश की मंजूरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश से बाहर रहने वाले व्यक्तियों को विशेष रुपया वास्ट्रो खातों के जरिये कॉरपोरेट ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करने की मंजूरी दे दी।

इससे पहले, ऐसी संस्थाओं को केवल ट्रेजरी बिलों समेत केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में अपने खाते के अधिशेष रुपये का निवेश करने की मंजूरी थी। आरबीआई ने कहा, 'अब यह निर्णय लिया गया है कि इस शेष राशि को किसी भारतीय कंपनी द्वारा जारी गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर/बॉन्ड और वाणिज्यिक पत्रों में भी निवेश करने की अनुमति दी जाए।'

एफएंडओ में बड़ा बदलाव! एनएसई ने निफ्टी समेत 4 इंडेक्सों का लॉट साइज घटाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इंडेक्स डेरिवेटिव ट्रेडिंग से जुड़ा बड़ा फैसला लिया है। अब निफ्टी और बैंक निफ्टी जैसे प्रमुख इंडेक्स में ट्रेडिंग के लिए कम लॉट साइज की जरूरत होगी, जिससे निवेशकों का मार्जिन घटेगा और ट्रेडिंग आसान बनेगी। एनएसई ने 3 अक्टूबर 2025 को जारी सर्कुलर में बताया कि प्रमुख इंडेक्स डेरिवेटिव्स के मार्केट लॉट को घटाया जा रहा है।

अब निफ्टी 50 के लॉट 75 से घटकर 65, बैंक निफ्टी के 35 से घटकर 30 और फिन निफ्टी के 65 से घटकर 60 हो जाएंगे। वहीं निफ्टी मिड सेलेक्ट के लॉट 65 से घटाकर 60 और मिडकैप निफ्टी के 140 से घटाकर 120 कर दिए गए हैं। इस बदलाव से छोटे निवेशकों के लिए इंडेक्स ट्रेडिंग अधिक सुलभ और किफायती हो जाएगी।

28 अक्टूबर से लागू होंगे नए नियम

एनएसई ने बताया कि यह बदलाव 28 अक्टूबर 2025 के अंत से प्रभावी होगा। हालांकि, दिसंबर 2025 तक चलने वाले साप्ताहिक और मासिक कॉन्ट्रैक्ट्स पर पुराने लॉट साइज ही लागू रहेंगे। नए लॉट साइज का प्रभाव दिसंबर 2025 के बाद आने वाले क्वार्टरली और हाफ-ईयर कॉन्ट्रैक्ट्स पर पड़ेगा। इस तरह निवेशकों को नए सिस्टम के अनुकूल होने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

ट्रेडिंग में बढ़ेगी लिक्विडिटी और पारदर्शिता

विशेषज्ञों के अनुसार, एनएसई का यह कदम बाजार की लिक्विडिटी बढ़ाने और छोटे निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उठाया गया है। कम लॉट साइज का मतलब है कि निवेशक कम पूंजी में भी इंडेक्स फ्यूचर्स और ऑप्शंस में हिस्सा ले सकेंगे। साथ ही, डेरिवेटिव मार्केट में पारदर्शिता बढ़ेगी और ट्रेडिंग वॉल्यूम में इजाफा होने की संभावना है।

निफ्टी नेक्स्ट 50 के लॉट साइज में कोई बदलाव नहीं

एनएसई ने यह भी स्पष्ट किया कि निफ्टी नेक्स्ट 50 के लॉट साइज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह पहले की तरह 25 ही रहेगा। एनएसई का यह फैसला भारतीय डेरिवेटिव मार्केट में एक अहम बदलाव माना जा रहा है। इससे न केवल छोटे निवेशकों को फायदा होगा, बल्कि बाजार में नई ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिलेगी।

देश में त्योहारी यात्रा में रिकॉर्ड तेजी देखने मिल रही

दिवाली पर यात्रा में रिकॉर्ड उछाल, भारतीयों ने त्योहार को आस्था और सैर-सपाटे से जोड़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इस साल दीपावली के मौके पर देश में त्योहारी यात्रा में रिकॉर्ड वृद्धि देखने को मिल रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यात्री अब पारंपरिक पारिवारिक समारोहों को लक्जरी छुट्टियों और आध्यात्मिक यात्राओं के साथ जोड़ रहे हैं। ऐसे में ऑनलाइन यात्रा मंचों पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में जबरदस्त उछाल आया है।

- यात्री पारंपरिक समारोह को लक्जरी छुट्टियों के साथ जोड़ रहे

मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश मागो ने कहा कि दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने जाना अब भी त्योहारों के समय यात्रा का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। उन्होंने बताया कि कई भारतीय दिवाली मनाने के लिए अपने गृहनगर लौटते हैं। मागो ने कहा, ''इसलिए सबसे ज्यादा बुक किए गए शीर्ष 10 गंतव्यों में से पांच महानगर हैं (दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई)।

खास बातें

- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में जबरदस्त उछाल आया
- दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने जाना त्योहारों में सबसे बड़ा कारण

तीर्थ स्थलों पर जाने वालों की संख्या बढ़ी

मागो ने बताया कि तीर्थ स्थलों पर जाने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो दर्शाता है कि किस तरह लोग पारिवारिक मिलन को अब आध्यात्मिकता से जोड़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएई, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम जैसे पास के देश इस बार भारतीयों की पसंदीदा सूची में शामिल हैं।

नए गंतव्यों की खोज पर जोर

थॉमस कुक (इंडिया) के अध्यक्ष और कंट्री हेड (हॉलीडेज, एमआईसीई, वीजा) राजीव काले ने कहा कि अब पूरा परिवार, जिनमें कई पीढ़ियां शामिल हैं, दीवाली जैसे त्योहारों को साथ मिलकर मनाना चाहता है। साथ ही वे पसंदीदा या नए गंतव्यों की खोज करने पर जोर दे रहे हैं।

इस साल चूंकि त्योहार सप्ताह के शुरुआती दिनों में पड़ रहा है, इसलिए कई यात्री लंबी छुट्टियों का आनंद लेने के लिए उससे पहले वाले शुक्रवार से ही अपनी यात्रा की बुकिंग कर रहे हैं।''

12 दिन की लंबी छुट्टियां ले रहे

काले ने बताया, ''अब यात्री तीन दिन की पारंपरिक छुट्टियों की बजाय छह से 12 दिन की लंबी छुट्टियां ले रहे हैं। स्कूल की छुट्टियों का लाभ उठाकर कई पीढ़ी वाले परिवार यात्रा पर निकल रहे हैं, जबकि युवा और कामकाजी लोग सप्ताहांत और त्योहारों की छुट्टियों को जोड़कर छुट्टियों को लंबा बना रहे हैं।''

कम दूरी के देश बने पसंदीदा

शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पसंदीदा देशों में यूरोप के स्विट्जरलैंड, फ्रांस, इटली, ऑस्ट्रिया, स्पेन और पुर्तगाल शामिल हैं। काले ने कहा कि कम दूरी के पसंदीदा देशों में वियतनाम, ओमान, मालदीव और बाली शामिल हैं तथा कंबोडिया भी मजबूती से उभर रहा है।

वीजा मुक्त मांग में वृद्धि जारी

काले ने कहा कि थाईलैंड, मलेशिया, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, दुबई-अबू धाबी, इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे वीजा मुक्त और आसान वीजा गंतव्यों से मांग में वृद्धि जारी है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर यात्री केरल, राजस्थान, उत्तराखंड, अंडमान और चार धाम कैलाश मानसरोवर, अयोध्या और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक स्थलों को चुन रहे हैं।

आगामी सप्ताह सोने के दाम अस्थिर रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आने वाले सप्ताह में सोने के दाम अस्थिर रह सकते हैं, क्योंकि निवेशक अमेरिकी सरकार के वित्त पोषण विधेयक, श्रम बाजार के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के बयानों पर नजर रखेंगे। विश्लेषकों ने यह जानकारी दी।

- निवेशक, श्रम बाजार व फेड के बयानों पर नजर रखेंगे

विश्लेषकों ने कहा कि बृहस्पतिवार को फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के विवरण जारी होने से भी सर्राफा बाजार की धारणा प्रभावित होने की संभावना है। जेपीएम फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, आने वाला सप्ताह अपेक्षाकृत कम आंकड़ों वाला है, लेकिन अस्थिरता ज्यादा रहने की उम्मीद है। मुनाफावसूली बढ़ सकती है, जिसके बाद नए सिरे से खरीदारी भी हो सकती है। आने वाले सप्ताह में ध्यान अमेरिकी सरकार के वित्त पोषण विधेयक पर रहेगा, जबकि आंकड़ों के मोर्चे पर श्रम बाजार पर नजर होगी। उन्होंने कहा, ''फेडरल रिजर्व की आधिकारिक टिप्पणी पर बृहस्पतिवार को फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के भाषण के साथ कड़ी नजर रहेगी।'' मेर ने कहा कि पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में 3.5 से 4 प्रतिशत और वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी कमजोर अमेरिकी डॉलर और आंशिक अमेरिकी सरकार के बंद होने की चिंताओं के कारण हुई है, जिससे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के जारी होने में देरी हुई है।

पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में 2.8 फीसदी की वृद्धि

अल्फा मनी में इक्विटी और पीएमएस के प्रबंध साझेदार ज्योति प्रकाश ने कहा कि पिछले सप्ताह सोने की कीमतों में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में बढ़ती हिस्सेदारी, केंद्रीय बैंकों की संभावित नई मांग और सट्टेबाजी की मजबूत स्थिति सोने की कीमतों में इस उछाल को बढ़ावा दे रही है।

पिछले पेज का शेष

क्र.	भूमिस्वामी/ शास. पट्टेदार का नाम मय पता सहित	खसरा नं.	कुल रकबा (हेक्ट.)	अर्जित रकबा (हेक्ट.)	परिसंपतियों का विवरण	वृक्षों का विवरण
61	मोहनसिंह पिता सुखना जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी मनोहरसिंह पिता सुखना जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी अमरवती पुत्री सुखना जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सुखैया पिता बिगरा जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी मनमतिया बैचा भुखवा जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी हिन्दूसिंह पिता भुखवा जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी` जगतसिंह पिता भुखया जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्यामी सरवनसिंह पिता पुनवा जयमती पुत्री पुनवा भारतसिंह पिता भुखवा जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी लमुवा पिता भुखवा जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी छोटेलाल पिता भुखवा जाति गौड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	37	3.130	1.620		शोययूल- 22, अमरूद -3, उमर-1, खमेर- 18, बबूल - 35, बांस-3, बेर-30. लभेर-1
62	भगतसिंह पिता अधनू जाति गाँड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी चरनसिंह पिता अधन जाति गौड़ पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	39	3.920	1.324	परिसंपतियों का विवरण	शोबबूल-3, खमेर - 6, नीम-1. बबूल-32. बेर-43
	चरनसिंह पिता अधनू				बोरबेल-1	
63	चेतराम पिता सौनू पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जिल्लैसिंह पिता सुकलु पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी कल्ले सिंह पिता सुकलु पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	40/1	1.900	0.504		उमर-1, बबूल 1. बेर-3
64	कल्लेसिंह पिता सुकलु जाति गॉड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	40/2	0.400	0.160		खमेर-1, बेर-7
65	रामवती पिता छबलसिंह जाति गोंड पता डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	59/1	0.300	0.142		बबूल -6, बेर-8
65	जोहर सिंह पिता गहबरसिंह. जवाहर सिंह पिता गहबरसिंह, श्रीवती पुत्री गहबरसिंह, शामवती पुत्री गहबरसिंह जाति गोड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी सहमतियाबाई बेवा` गहबरसिंह जाति गाँड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी वृहस्पतिया बेया आनद जाति 66 गोड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी भगतसिंह पिता आनंद जाति गॉड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी जगतसिंह पिता आनंद जाति गौड पता कुर्कवारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्यामी लोंगवती पुत्री आनंदसिंह जाति गॉड पता कुर्कचारा रै० डिंडोरी डिंडोरी मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	59/2	3.390	0.018		हड़या-1
	योग :-		96.710	73.994		

(2) उपरोक्त घोषणा भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के उपबंधों के अधीन सम्यक जांच करने के पश्चात की गई है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित कुटुम्ब की संख्या 20 है जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के लिए क्षेत्र चिहित कर लिया गया है जिसका विवरण निम्नलिखित है- **ग्राम- मुढ़िया कला रा.नि.म. शाहपुर तहसील डिण्डौरी की आराजी नं. 09 रकवा 27.39 है।**
परियोजना हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन स्कीम आयुक्त जबलपुर संभाग जबलपुर द्वारा पत्र क्रमांक-69/ स.अ. राजस्व/ 2024 जबलपुर दिनांक 13/05/2024 द्वारा अनुमोदन किया जा चुका है जिसका सार निम्नानुसार है :- 1. प्रभावित कुटुंब को प्रधानमंत्री आवास योजना विनिदेर्शों के अनुसार एक निर्मित मकान उपलब्ध कराया जाएगा।
2. कंडिका-1 में वर्णित फायदों को ऐसे किसी प्रभावित कुटुंबों को, वासक्षेत्र भूमि से रहित है और जो प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में रह रहा है और जिसे ऐसा क्षेत्र से अनिच्छा से विस्थापित किया गया है भी विस्तारित किया जाएगा।
3. यदि कोई प्रभावित कुटुंब जो प्रस्थापित मकान को न लेने का विकल्प करता है तो निर्मित मकान के बदले मकान के समतुल्य खर्च प्रस्थापित किया जा सकेगा ।
4. अर्जन से प्रभावित किसी कुटुंब को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन एक से अधिक मकान नहीं दिया जाएगा।
5. ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, जिसे अर्जित भूमि से विस्थापित किया गया है, को अधिनिर्णय की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक प्रतिमाह तीन हजार रुपए के समतुल्य मासवार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। 6. ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब जो विस्थापित हुआ है, को कुटुंब, भवन सामग्री, घरेलू सामग्री पशुओं के स्थानांतरण के लिए परिवहन खर्च के रूप में एक बार पच्चास हजार रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी।
7. प्रत्येक प्रभावित कुटुंब को केवल पचास हजार रुपए का एक बार "पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जाएगा।
8. प्रभावित कुटुंबों को आवंटित भूमि या मकान के रजिस्ट्रीकरण के लिए संदेय स्टांप शुल्क और अन्य फीस का वहन अपेक्षक निकाय द्वारा किया जाएगा।
9. प्रभावित कुटुंबों को आवंटित मकान के लिए भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होगी।
10. आवंटित भूमि या मकान प्रभावित कुटुंब की पत्नि और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा।
11. जनसमुदाय के पुनर्व्यवस्थापन के लिए अध्यपेक्षा प्राधिकारी के खर्चे पर निम्नलिखित अवसंरचनात्मक सहूलियतें और मूलभूत न्यूनतम सुविधाएं यह सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी कि नए गांव या कालोनी में पुनर्व्यवस्थापित जन समुदाय स्वंय में लिए एक युक्तियुक्त सामुदायिक जीवन स्तर प्राप्त कर सके और विस्थापन से हुए अभिघात को कम करने का प्रयास कर सकें।
11.1. युक्तियुक्त वासयोग्य और नियोजित व्यवस्थापन के लिए न्यूनतम निम्नलिखित सहूलियतें और संसाधन उपलब्ध कराई जायेगी।
11.2. सभी पुनर्व्यस्थापित कुटुंबों के लिए पुनर्व्यवस्थापित ग्रामों के भीतर सड़क और पक्की सड़क मार्ग से जुड़ी बारहमासी सड़क और सुखाधिकार की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
11.3 वास्तविक पुनर्व्यवस्थापन के पहले उचित निकासी और स्वच्छता योजनाएं निष्पादित की जाएं।
11.4 भारत सरकार द्वारा विहित मानकों के अनुसार प्रत्येक कुटुंब के लिए सुरक्षित पेयजल का एक या अधिक सुनिश्चित संसाधन ।
11.5 उचित मूल्य की दुकान की युक्तियुक्त संख्या ।
11.6 यथोचित पंचायत घर ।1. 7 जाति समुदायों और उनकी प्रथाओं के आधार पर कब्रिस्तान या शवदाह गृह ।
11.8 स्वच्छता के लिए सुविधाएं जिसके अंतर्गत व्यक्तिगत प्रसाधन बिंदु
11.9 प्रत्येक घर और सार्वजनिक प्रकाश के लिए व्यक्तिगत एकल विद्युत कनेक्शन (या सौर उर्जा जैसे उर्जा के गैर-परंपरागत संसाधनों के माध्यम से कनेक्शन) ।
11.10 शिशु और माता को पूरक पोषणीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली आंगनबाड़ी।
11.11 नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (2009 का 35) के उपबंधों के अनुसार विद्यालय ।
11.12 बच्चों के लिए क्रीड़ा क्षेत्र ।
11.13 प्रत्येक सौ कुटुंबों के लिए एक सामुदायिक केन्द्र
11.14 प्रभावित क्षेत्र की संख्या और उनके आयाम से संगत प्रत्ये पचास कुटुंबों के लिए पूजा स्थल और सामुदायिक सभा के लिए चौपाल / वृक्ष चौतरा।
11.15 प्रभावित परिवारों को जल भराव क्षेत्र में मत्स्य पालन एवं मत्स्य आखेट का अधिकार रहेगा। परन्तु इस हेतु समुचित सरकार से निहित रीति द्वारा अनुमति प्राप्त की जावेगी।
12. विस्थापित कुटुंबों को 50 वर्ग मीटर से कम नहीं का आवासीय पट्टा दिया जायेगा ।
(3) अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिसूचना प्रकाशन की जानकारी वेबसाईट www.rnandta.nic.in www.dindori.nic.in व मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग भोपाल की वेबसाईटwww.mparevenue.nic.in पर भी देखी जा सकती है।
(4) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) डिण्डौरी या कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास, संभाग क्र. 2. मण्डला के कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
नेहा मारव्या
कलेक्टर डिण्डौरी एवं पदेन अपर सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-19609/25

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

सुपरकार का नया वर्जन तीन महीने बाद भारत में आया

भारत में मसेराति के दो सुपरकारों की एंट्री, कीमत 4.12 करोड़

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रीमियम ब्रांड मसेराति ने भारत में अपने नए सुपरकार एमसी पुरा और एमसी पुरा सिएलो को लांच कर दिया। ये कारें मसेराति के एमसी20 सुपरकार का नया वर्जन हैं और ग्लोबल लांच के सिर्फ तीन महीने बाद भारत में आ गई हैं। दोनों मॉडल्स में 3.0-लीटर वी6 टर्बो पेट्रोल इंजन लगा है जो 630बीएचपी की पावर और 720एनएम का टॉर्क देता है। कंपनी का दावा है कि कार सिर्फ 2.9 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है। कंपनी ने एमसीपुरा की कीमत 4.12 करोड़ एमसीपुरा सिएलो की 5.12 करोड़ रुपए रखी है।

इंटीरियर भी है दमदार

इंटीरियर भी बेहद अट्रैक्टिव है। दोनों मॉडल्स में एआई कंटारा सीट्स लगी हैं जिन पर लेजर इचिंग से 3डी इफेक्ट दिया गया है। कूप में ग्लॉसी डिटेलिंग है जबकि कंवर्टेबल सिएलो में मैट डिटेलिंग दी गई है। इसके अलावा, कार के अन्य इंटरियर एलिमेंट्स भी स्टाइलिश और प्रीमियम फील देते हैं।

डिजाइन एग्रेसिव व स्पोर्टी

डिजाइन की बात करें तो एमसीपुरा, एमसी20 से भी एग्रेसिव और स्पोर्टी दिखती है। इसे डल्लारा ने वायुगतिकी के लिहाज से ट्यून किया है। कार का सबसे खास फीचर है इसका नया एआई एक्वा रैनबो कलर जो धूप में बदलता है और रेनबो जैसा इफेक्ट देता है। कूप मैट फिनिश में आता है जबकि खुलने वाला सिएलो ग्लॉसी फिनिश के साथ है। दोनों में बटरफ्लाई दरवाजे, कार्बन फाइबर मोनोकॉक चेसिस और सिएलो में रिट्रैक्टेबल ग्लास रूफ जैसी खूबियाँ दी गई हैं।

स्टाइल के साथ परफॉर्मेंस भी

कुल मिलाकर एमसीपुरा और एमसीपुरा सिएलो अपने स्टाइल, परफॉर्मेंस और लग्जरी के साथ मसेराति की नई सुपरकार लाइनअप को एक नया मुकाम दे रही हैं। यह कारें केवल तेज और स्पोर्टी ही नहीं बल्कि हर तरह से प्रीमियम और शानदार अनुभव देने वाली हैं। भारत में सुपरकार प्रेमियों के लिए यह एक शानदार विकल्प साबित हो सकती हैं।

आठ-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन

मसेराति एमसी पुरा में पावर को रियर व्हील्स तक पहुंचाने के लिए इसमें आठ-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया गया है। इस पावर की मदद से, सिएलो 3.0 सेकंड में 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है, जबकि इसकी अधिकतम गति 325 किमी/घंटा है। वहीं, कूपे 2.9 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है और इसकी अधिकतम गति भी उतनी ही है।

ऑडी की खुदरा बिक्री 18 फीसदी घटी

नई दिल्ली। लक्जरी कार विनिर्माता ऑडी इंडिया की इस साल के पहले नौ महीनों में बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत घटकर 3,197 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल जनवरी-सितंबर की अवधि में 3,889 इकाइयों की खुदरा बिक्री की थी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने एक बयान में कहा, 'इस साल बाजार में अनोखी गतिशीलता देखने को मिली है, जिसने लक्जरी कार खंड को चुनौती दी है। इस दौरान हमने अपने ग्राहकों के लिए सार्थक अनुभव बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।'

कार्यालय सामान्य वनमण्डल डिण्डौरी जिला डिण्डौरी (म. प्र.)

TELEPHONE (0) 07644- 234400 (R) 07644-234066 (FAX) 07644 - 234024 PIN 481880,,
मेन रोड, उत्कृष्ट विद्यालय के सामने, वन विभाग परिसर, डिण्डौरी (म0प्र0),E-mail- dfotddori@mp.gov.in

क्रमांक / व्यय लेखा / 25-26/11136 — डिण्डौरी, दिनांक 03/10/2025

// द्वितीय/तृतीय निविदा सूचना //

निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली मे पंजीकृत फर्मों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in एवं https://mpforest.gov.in पर देखी जा सकती है ।

टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की मात्रा	सत्याकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
2025_MPFD_442078_3	कोटा स्टोन, कांक्रीट पेवर ब्लाक	आवश्यकतानुसार	30,000/-	1000/-
2025_MPFD_448699_2	वनमण्डलाधिकारी कक्ष का नवीनीकरण कार्य	एक कक्ष	30,000/-	2000/-
2025_MPFD_442068_2	टाईल्स	आवश्यकतानुसार	30,000/-	1000/-

परिशिष/निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र - यदि कोई हो केवल पोर्टल https://mptenders.gov.in/ पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं ।

वन मंडल अधिकारी
सामान्य वनमंडल डिण्डौरी

G-19613

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म. प्र.)

NIT NO. 25/2025/Centralized Tender/G/CE(B) — JABALPUR, DATED- 29.09.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत पी.ए.सी (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय वर्षाकाल सहित	कार्यालय का नाम जहाँ ई.एम.डी एवं बिड प्राप्त की जावेगी ।	निविदा की श्रेणी / निविदा काल
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU 455539_1	मण्डला जिले में ठेकेदार द्वारा छोड़े गए अपूर्ण शेष कार्य / परफार्मेंस गारंटी अंतर्गत सुधार आदि (सिविल व विद्युत) कार्यों हेतु जोनल निविदा (तृतीय आमंत्रण)	90.00	90000/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन), लो.नि.वि परिक्षेत्र-जबलपुर	लोक निर्माण विभाग में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (तृतीय आमंत्रण)

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखें एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट / कैशकार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा ।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 03.10.2025 समय 9.00 बजे से दिनांक 17.10.2025 समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से सामाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री (भवन).
लोक निर्माण विभाग, मण्डला (म. प्र.)

G-19627

रूस ने यूक्रेन में दागी 50 बैलिस्टिक मिसाइलें और 500 ड्रोन, कई इलाकों में हाहाकार, 5 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस की ओर से शनिवार की रात को बड़ी संख्या में यूक्रेन पर ड्रोन, मिसाइल और बमों से हमला किया गया है। रातभर किए गए इन हमलों नें कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार सुबह अपने बयान में कहा कि रूस ने उनके देश नौ क्षेत्रों में 50 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल और 500 ड्रोन रातभर में दागे हैं।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि यह एक बड़ा हमला था, जिसमें नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।क्षेत्रीय

अधिकारियों के मुताबिक, ड्रोन और मिसाइल हमले में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं कम से कम चार अन्य लोग घायल हुए हैं। ल्वीव में हमले के कारण के दो जिलों में बिजली गुल हो गई और सार्वजनिक परिवहन कुछ घंटों के लिए बाधित रहा। जपोरिज्जिया के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि इस दक्षिणी शहर में रात के समय हुए हवाई हमले में एक महिला की मौत हो गई और 16 वर्षीय लड़की सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए।

यूक्रेन की विद्युत ग्रिड पर हमला

रूस की ओर से बीते कई दिनों से लगातार यूक्रेन पर हमले किए जा रहे हैं। रूस ने इससे पहले शुक्रवार रात को ड्रोन और मिसाइलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड पर भीषण हमले किए। रूस ने यूक्रेन के प्राकृतिक गैस प्रतिष्ठानों पर भी अटैक किया। विद्युत ग्रिड पर हमलों के कारण रूसी सीमा के निकट उत्तरी शहर चेर्निहिव के निकट ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। इससे 50,000 घर प्रभावित हुए।

इधर ट्रंप ने दावा किया: नेतन्याहू फौज हटाने को तैयार उधर इजराइल ने ताबड़तोड़ कर दिए हमले, 70 की मौत

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इधर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि हमास ने कुछ शर्तें मान ली हैं और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू भी गाजा से फौज हटाने को तैयार हो गए हैं। ट्रंप के इस बयान के कुछ ही घंटों बाद इजराइल ने गाजा पर ताबड़तोड़ बमबारी कर दी।

शनिवार को इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलस्तीनियों की मौत हो गई जिनमें 7 बच्चे शामिल हैं। बच्चों की उम्र 2 महीने से लेकर 8 साल तक बताई गई है। वहीं ट्रंप ने कहा है कि हमास ने कुछ शर्तें मान ली हैं और इसलिए तत्काल प्रभाव से बमबारी रुक जानी चाहिए।रिपोर्ट के मुताबिक आधिकारिक रूप से 45 लोगों के जान जाने की जानकारी दी गई है। हाल के कुछ हफ्तों में इजराइल की आक्रामकता

की वजह से गाजा की लगभग 10 लाख की आबादी बुरी तरह प्रभावित हुई है। गाजा सिटी से बड़ी संख्या में लोगों को पलायन करना पड़ा है। तुफाह के पास एक रिहाइशी इमारत पर हमले की वजह से कम से कम 18 लोगों की जान चली गई।दक्षिणी गाजा के अल मवासी में एक कैंप पर भी इजराइल ने हमला कर दिया। दक्षिणी गाजा में इस हमले में कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई। इसके अलावा 8 घायल हो गए।

नेतन्याहू के खिलाफ सड़क पर लोग!

इजराइल और हमास के बीच शांति की कोशिश चल रही है। वहीं तेल अवीव में भी बंधकों की वापसी को लेकर प्रदर्शन हुआ। इस बीच गाजा से एक बार फिर दर्दनाक तस्वीरें आई हैं। इस बीच दुनिया भर में नेतन्याहू के एक्शन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के कारण भारी तबाही मची है। अब तक 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। इजराइल ने गाजा सिटी में अपनी सैन्य अभियान को रोकने का आदेश दिया है, लेकिन हवाई हमले जारी हैं। ट्रंप ने हमास को अल्टीमेटम देते हुए अमेरिकी शांति योजना स्वीकार करने के लिए शाम तक का समय दिया था।

खबर संक्षेप

तूफान से पहले 3.47 लाख लोग सुरक्षित जगह भेजे

बैंकॉक। चीन में आये मौटमो टाइफून ने लैंडफॉल से पहले ही

तांडव दिखाना शुरू कर दिया है। इससे हड़कंप मच गया। रविवार को इसके चलते आनन-फानन में सरकार ने ग्वांगडोंग और हेनान प्रांतों के लगभग 3,47,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश दिया। चीन के राष्ट्रीय मौसम केंद्र के अनुसार रविवार सुबह मैटमो की अधिकतम सतत गति 151 किलोमीटर प्रति घंटे थी। यह तूफान रविवार दोपहर के आसपास ग्वांगडोंग के झानजियांग क्षेत्र में पहुंच गया।

बौखलाए पाकिस्तान ने दी भारत को धमकी

इस्लामाबाद। आतंकवाद को लेकर भारत सख्त टिप्पणी पाकिस्तान

बौखला गया है। दहशत के चलते पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गीधड़ धमकी देते हुए कहा है कि अबकी बार जंग हुई तो भारत अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय लीडरशिप अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पाने के लिए भड़काऊ बयान दे रही है। इससे पहले पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को कहा था कि अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो तबाही होगी।

महज तीन माह में लग जाएगी एग्रीमेंट पर मुहर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इधर टैरिफ लगाते रहे उधर भारत ने यूरोप के साथ कर ली ट्रेड डील!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेड डील यूरोपीय संघ को वैश्विक अस्थिरता के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन भारत के लिए यह सुधारों और विकास के एक दशक के बाद विश्वास का एक रणनीतिक कदम होगा

भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) अगले तीन महीनों में ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं, जिसमें कृषि, स्थिरता और बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों पर फोकस किया जा रहा है।

वन वर्ल्ड आउटलुक की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर आक्रामक रुख के कारण भारत और ईयू के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत और तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग बेस, डिजिटल अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार और उच्च घरेलू उपभोग, भारत को चीन का विकल्प तलाशने वाली यूरोपीय कंपनियों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग बेस, डिजिटल अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार होगा

रूस और चीन पर निर्भरता कम करना हो जाएगा आसान

अब भारत के एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में

चिली के साथ अक्टूबर और पेरू के साथ नवंबर में होगी व्यापार वार्ता

भारत और दो दक्षिण अमेरिकी देशों चिली तथा पेरू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौतों पर अगले दौर की बातचीत क्रमशः अक्टूबर और नवंबर में होगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय वार्ता 27 अक्टूबर को सैंटियागो में शुरू होगी, जबकि पेरू के साथ तीन दिवसीय विचार-विमर्श तीन नवंबर को लीमा में शुरू होगा। दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है। भारत चिली के साथ दूसरे दौर की व्यापार वार्ता तथा पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत करेगा। भारत और चिली ने 2006 में एक अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच हुए पीटीए को और आगे बढ़ाना है और इसमें डिजिटल सेवाएं, निवेश संवर्धन और सहयोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों को शामिल करना है। भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार सामान्य सा है। वित्त वर्ष 2024-25 में, चिली को भारत का निर्यात 2.46 प्रतिशत घटकर मात्र 1.15 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

यूरोप ने भारत को बनाया अहम भागीदार

रूस और चीन पर निर्भरता कम करने के यूरोप के प्रयासों ने भारत को अपनी विविधीकरण रणनीति में एक महत्वपूर्ण भागीदार बना दिया है। भारत ने यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिजम (सीबीएएम) से जुड़े बाध्यकारी स्थिरता प्रावधानों का विरोध किया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को उन ऐतिहासिक उत्सर्जनों के लिए दंडित करने को 'अनुचित' बताया है जो उन्होंने पैदा नहीं किए हैं। अगर भारत और ईयू के बीच यह ट्रेड डील अंतिम रूप लेती है, तो यह समझौता वैश्विक व्यापार नियमों को आकार देने में भारत के एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में उभरने का प्रतीक होगा।

क्यों अहम है ये ट्रेड डील?

भारत और ईयू के बीच होने वाली ट्रेड डील काफी अहम होगी। इससे वैश्विक स्तर पर व्यापार में बदलाव आएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेड डील यूरोपीय संघ को वैश्विक अस्थिरता के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन भारत के लिए यह सुधारों और विकास के एक दशक के बाद विश्वास का एक रणनीतिक कदम होगा। जहां यूरोपीय संघ का दृष्टिकोण अपने बाजार को वैश्विक अस्थिरता से बचाने की आवश्यकता से प्रेरित है, वहीं भारत की प्रेरणा रणनीतिक है। नई दिल्ली इस समझौते को हताशा की कार्रवाई के रूप में नहीं, बल्कि अपने वैश्विक आर्थिक आत्मविश्वास के दावे के रूप में देखती है। यह नई व्यापार व्यवस्था को केवल अपनाने के बजाय, उसे आकार देने की दिशा में एक कदम है।

राष्ट्रपति भवन को घेरा गया

नेपाल, बांग्लादेश के बाद अब जॉर्जिया की सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ तिबिलिसी

जॉर्जिया में हालात विस्फोटक बन चुके हैं, सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर हैं, जगह-जगह हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। राष्ट्रपति भवन तक को घेर लिया गया है, सुरक्षाबल स्थिति को काबू में करने की कोशिश कर रहे हैं। भीड़ को काबू में करने के लिए वाटर कैनन, पेपर स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल हो रहा है, पूरा प्रयास है कि भीड़ को तितर-बितर किया जाए।

प्रेसिडेंशियल पैलेस के बाहर बैरिकेड्स में आग लगा दी

स्थिति ज्यादा तनावपूर्ण तब बन गई जब कुछ प्रदर्शनकारी ओर्बेलियानी पैलेस यानी कि जॉर्जिया के राष्ट्रपति भवन में घुस गए। उसके बाद से ही पुलिस को भी बल का इस्तेमाल करना पड़ा और भगदड़ जैसी स्थिति बनी। अब जानकारी के लिए बता दें कि जॉर्जिया में पिछले कुछ समय से स्थानीय निकाय चुनाव के बाद से ही बवाल की स्थिति है, ज्यादातर विपक्षी पार्टियों ने उस चुनाव का बहिष्कार किया था।

चुनाव में धांधली का आरोप, फिर भड़का गुस्सा

जॉर्जिया में पिछले साल संसदीय चुनाव हुए थे, उसके बाद से ही आरोप लगने लगे कि बड़े स्तर पर धांधली हुई, सत्तारूढ़ दल जॉर्जियन ड्रीम पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए काम किया गया। संसदीय चुनावों की निगरानी के लिए नियुक्त हुए इंटरनेशनल ऑब्जर्वर्स ने भी चुनाव में पारदर्शिता की कमी बताई। उसके बाद से ही जॉर्जिया में राजनीतिक संकट खड़ा हो गया और पीएम इराकली की भी चुनौतियां बढ़ गईं।

कंधे पर ऑटो उठाकर पार कर रहे नदी

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बंत गांव के ग्रामीणों की जिंदगी इन दिनों बेहद कठिन दौर से गुजर रही है। भारी बारिश के कारण गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाला एकमात्र पुल बह गया है, जिससे गांव पूरी तरह से कट गया है। हालात इतने बदतर हैं कि ग्रामीण अब ऑटो रिक्शा को कंधों पर उठाकर नदी पार कर रहे हैं, ताकि बीमारों और बच्चों को इलाज व स्कूल तक पहुंचाया जा सके। एक ग्रामीण ने बताया, स्कूल जाने वाले बच्चों, बीमार लोगों, सबको कंधों पर उठा कर नदी पार करवाना पड़ता है। नदी बहुत गहरी है। कोई विभाग हमारी मदद को नहीं आया। डर तो लगता है, लेकिन और करें भी क्या?

एआई को बताया पानी का बुलबुला

कहा- कंपनियां डूबेंगी, लेकिन समाज को मिलेगा फायदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेजन के चेयरमैन जेफ बेजोस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में हो रहे निवेश को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल एआई को लेकर जो जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, वह एक बुलबुले जैसा है। यानी इस समय अच्छे और बुरे दोनों तरह के विचारों पर पैसा लगाया जा रहा है। बेजोस ने कहा, जब लोग किसी तकनीक को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हो जाते हैं, जैसे आज एआई को लेकर हैं, तो हर

आइडिया को फंड मिल जाता है। चाहे वो अच्छा हो या बुरा। उन्होंने बताया कि कई कंपनियों को अरबों डॉलर की फंडिंग सिर्फ उत्साह के कारण मिल रही है, जबकि उनका कोई तैयार प्रोडक्ट तक नहीं है। हालांकि, बेजोस मानते हैं कि एआई हर उद्योग को बदल देगा और दुनिया की हर कंपनी की उत्पादकता बढ़ाएगा। उन्होंने इसे 1990 के दशक के बायोटेक बुलबुले जैसा बताया, जहां कई कंपनियां बंद हो गईं, निवेशकों को नुकसान हुआ, लेकिन अंत में कुछ जीवनरक्षक दवाएं भी बनीं।

यातायात बाधित हुआ और तमाम उड़ानें रद्द कर दीं गई

पीएम मोदी ने दुख व्यक्त कर कहा- मदद करेंगे

नेपाल में बारिश का कहरः भूस्खलन और बाढ़ से 51 की मौत,यातायात ठप

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में दो दिन हुई लगातार बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। नेपाल पुलिस द्वारा जारी ताजा जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर साढ़े 1 बजे तक एकत्र किए गए विवरण के मुताबिक देशभर में 51 लोगों की जान गई है और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं । सबसे ज्यादा जनहानि कोशी प्रदेश में हुई है। केवल इलाम जिले में ही 37 लोगों की मौत हुई है। वहीं, मौसम में कुछ सुधार होने पर

काठमांडू से यातायात आंशिक रूप से बहाल किया गया है, हालांकि रात में वाहनों की आवाजाही पर रोक जारी है। खराब मौसम के चलते कई घरेलू उड़ानें भी रद्द कर दी गईं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में हुई इस तबाही पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने पड़ोसी देश को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है।

भारत और नेपाल पीड़ितों के साथ

पीएम मोदी ने एक पोस्ट में कहा कि नेपाल में भारी बारिश से जनहानि और नुकसान बेहद दुखद है। इस कठिन समय में भारत नेपाल सरकार और वहां के लोगों के साथ खड़ा है। एक मित्र पड़ोसी और पहले रिस्पॉन्डर के रूप में भारत हर संभव मदद के लिए तैयार है। रविवार को मौसम में आंशिक सुधार के बाद दिन के समय आपात सेवाओं, सामान ढोने वाले और कुछ यात्री वाहनों को अनुमति दी गई।

केंद्र सरकार ने 'विकसित भारत बिल्डाथॉन' का ब्रांड एंबेसडर बनाया

देश का सबसे बड़ा स्कूल हैकाथॉन, चार मुख्य थीम पर काम करेंगे छात्र

अब नई भूमिका में दिखेंगे शुभांशु शुक्ला छात्रों को बनाएंगे विकसित भारत के निर्माता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचने वाले भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को केंद्र सरकार के 'विकसित भारत बिल्डाथॉन' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह कार्यक्रम देशभर के स्कूलों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।

'विकसित भारत बिल्डाथॉन' शिक्षा मंत्रालय और अटल इनोवेशन मिशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा स्कूल हैकाथॉन है, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को जोड़ा जा रहा है। इस पहल के तहत 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्र मिलकर नए विचारों, डिजाइन और प्रोटोटाइप तैयार करेंगे। विद्यार्थियों को चार राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर प्रोजेक्ट बनाने होंगे। इसमें आत्मनिर्भर भारत- स्वावलंबी तकनीक और समाधान विकसित करना, स्वदेशी- देशी विचारों और नवाचारों को बढ़ावा देना। वोकल फॉर लोकल- स्थानीय उत्पादों, कला और संसाधनों को प्रोत्साहन देना। समृद्धि - सतत विकास और समृद्धि के मार्ग बनाना शामिल है।

शिक्षा मंत्रालय के साथ हुई चर्चा

शनिवार को शुभांशु शुक्ला ने स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार से मुलाकात की। दोनों के बीच 'विकसित भारत बिल्डाथॉन' की रूपरेखा और उद्देश्य पर बातचीत हुई। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस दृष्टि से जुड़ी है, जिसमें विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करने की बात कही गई है ताकि वे भविष्य के 'विकसित भारत' के निर्माता बन सकें।

दिसंबर में घोषित होंगे विजेता

यह बिल्डाथॉन 23 सितंबर को लॉन्च हुआ था। इसमें पंजीकरण की अंतिम तिथि- 6 अक्टूबर, वहीं इसका लाइव बिल्डाथॉन 13 अक्टूबर को होगा। वहीं विजेताओं की घोषणा दिसंबर महीने में की जाएगी इस दौरान छात्र टीमों में मिलकर अपने विचारों को मूर्त रूप देंगे और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करेंगे।

अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय शुभांशु

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, 39 वर्षीय भारतीय वायुसेना अधिकारी और टेस्ट पायलट हैं। उन्होंने हाल ही में एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। यह मिशन इसरो, नासा और एक्सिओम स्पेस के सहयोग से संपन्न हुआ। इस यात्रा के साथ वे आईएसएस तक पहुंचने वाले पहले भारतीय और राकेश शर्मा (1984) के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने।

यूएस में चल रहा शटडाउन

अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप.. अरबों का हुआ नुकसान

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में सरकार का शटडाउन पहले कभी-कभार और कुछ दिनों के लिए होता था, लेकिन अब ये ज्यादा लंबे, ज्यादा नुकसानदायक और कहीं ज्यादा महंगे साबित हो रहे हैं।

अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि हर नया शटडाउन कर्मचारियों, कारोबार और पूरी इकोनॉमी पर भारी बोझ डालता है। राजनीतिक टकराव की वजह से होने वाले ये शटडाउन अब अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचा रहे हैं। कांग्रेशनल बजट ऑफिस, जो एक नॉन-पार्टिजन वित्तीय संस्था है, संस्था ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2018–2019 का शटडाउन जो अमेरिकी इतिहास में सबसे लंबा रहा और 34 दिन चला, उसने देश की जीडीपी को 11 अरब डॉलर से घटा दिया। इसमें से 3 अरब डॉलर 2018 की चौथी तिमाही में और 8 अरब डॉलर 2019 की पहली तिमाही में गिरे। खास बात ये कि इसमें से 3 अरब डॉलर का नुकसान हमेशा के लिए हो गया। एजेंसी के मुताबिक ये 2019 की अनुमानित सालाना जीडीपी का 0.02% था।

सृष्टि के कण-कण में व्याप्त हैं राम

गोविंदगंज के रामलीला के श्री राम राज्याभिषेक के अवसर पर बोले अतिथि गण

जबलपुर। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम भारत की आत्मा है, श्री राम देश के प्राण हैं, श्री राम चराचर जगत के स्वामी हैं। राम जी के बिना भारत और भारतीयों की कल्पना करना भी संभव नहीं है। राम भारत की चेतना के प्रतीक हैं, वह सृष्टि के कण कण में व्याप्त है। इस आशय के उद्गार गोविंदगंज रामलीला समिति के 161वे श्री राम राज्याभिषेक महोत्सव के पावन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने व्यक्त किये। इस अवसर पर शहर के प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, उत्तर विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे, पूर्व महापौर प्रभात साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश यादव,महाकौशल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि गुप्ता सहित तमाम अतिथिगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर 50 वर्ष पूर्व रामलीला में श्री राम का अभिनय करने वाले सिद्ध घाट के ब्रह्मचारी पंडित मुकेश शास्त्री का अभिनंदन किया गया। इसी तर्ज पर 50 वर्ष पूर्व रामलीला में परशुराम हनुमान और रावण का अभिनय करने वाले पंडित रामकुमार तिवारी उर्फ लाला महाराज तथा वर्षों तक हनुमान का अभिनय करने वाले मोतीलाल जोशी का अभिनंदन भी किया गया। सभी पात्रों ने उस समय के रामलीला के संवाद भी दर्शकों के सामने सुनाए। समिति की ओर से अतिथियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष पंडित अनिल तिवारी ने कहा कि रामलीला समिति सभी के सहयोग से इस उत्कर्ष पर पहुंची है। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष के अलावा महामंत्री मनीष पाठक सहित सभी संरक्षक और पदाधिकारियो ने किया। उत्तर क्षेत्र की विधायक अभिलाष पांडे ने छोटे फुहारा से दमोह नाका तक की सड़क का निर्माण, मिलोनीगंज चौक का नाम रामलीला चौक करने तथा हनुमान ताल में लंका दहन की व्यवस्था करने की घोषणा की। युवा कवि आलोक पाठक ने प्रभु श्री राम पर आधरित कविता का पाठ किया । अंत में अध्यक्ष अनिल तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय ने प्रभु श्री राम, माता जानकी सहित चारों भैया और अंजनी किशोर का तिलक वंदन भी किया।

धनुष यज्ञ रामलीला सदर में उमड़ी भीड़

भरत मिलाप लीला का हुआ मंचन, आज राज्याभिषेक

जबलपुर। सदर में लंका विजय के बाद सीता जी के साथ पुष्पक विमान में अंगद, नल, नील, सुग्रीव, विभीषण, जामवंत, हनुमान, भगवान राम-लक्ष्मण अयोध्या के लिए रवाना होते हैं, रास्ते में सीता जी को संपूर्ण वृतांत से अवगत कराते हैं। श्री हनुमान को भरत से मिलने भेजा जाता है, भरत वहां पर भैया नहीं आए कहकर रोते रहते हैं, हनुमान जी शुभ समाचार देते हैं अयोध्या में खुशी की लहर दौड़ जाती है, चारों भाइयों का मिलन होता है, बधाइयां बजने लगती हैं, राम घर आए लंका विजय पे... कल राम राज्याभिषेक लीला का मंचन किया जाएगा, आए हुए सभी मित्रों की भगवान राम विदाई करेंगे। मंचन में उपस्थिति की अपील मधुर तिवारी, आशीष पाठक, सतीश पाठक, मनोहर लाल अग्निहोत्री, शिव शंकर मिश्रा, सीताराम, नरेश तिवारी, प्रमोद तिवारी, अरुण तिवारी, शिवदत्त चौबे, नर्मदा गुप्ता, चमन अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, प्रदीप राय, संजय चौकसे, शरद शर्मा, अमरचंद बावरिया, संजय कपूर, रमेश सोनी, प्रकाश सोनी, प्रवण अवस्थी, कन्हैया लाल तिवारी, डीपी कमल, विजय ठाकुर ने की है।

महान वीरांगना रानी दुर्गावती को जयंती पर एनएसयूआई ने किया याद

जबलपुर। गोंडवाना साम्राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया व आम, सिंदूर, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर उनकी वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन और योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में एनएसयूआई के अनुराग शुक्ला व शफी खान ने कहा कि रानी दुर्गावती गोंडवाना की शासक थीं, उन्होंने अपनी बहादुरी, राष्ट्र प्रेम और दृढ़ता से अपनी मातृभूमि की रक्षा की और 1564 में मुगलों के विरुद्ध लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, वे एक सच्ची देशभक्त थीं जिन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान सभी ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।इस मौके पर प्रदेश सचिव प्रतीक गौतम, अदनान अंसारी, एजाज अंसारी, वकार खान, युग ठाकुर, अनिकेत तिवारी, हरिओम जायसवाल, नीतेश द्विवेदी, ऐश्वर्य नायर आदि मौजूद थे।

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया पौधारोपण

कछपुरा महाकाली की महाआरती उतारी

जबलपुर। प्रत्येक वर्ष अनुसार इस वर्ष भी कछपुरा महाकाली में महाआरती कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के सभी लोगों ने माता का आशीर्वाद लिया तथा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया । इस अवसर पर पंडित महेंद्र तिवारी, गोपाल तिवारी, कुक्की वर्मा, दीपेश, लालू, हिमेश, राघव, सनी, यस, सोनू एवं समस्त क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धावस्था दिवस पर वृद्धजनों का सम्मान किया

जबलपुर। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धावस्था दिवस पर मानस भवन खेरमाई माता मंदिर में वृद्धजनों का सम्मान समाज सेवी कायस्थ महासभा के प्रांतीय महामंत्री सहेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा पुष्प माला, वस्त्र, खाद्य सामग्री प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में अखिलेश ब्यौहार, अमरेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, पियूष वर्म, गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, प्रमोद वर्मा, विनोद श्रीवास्तव, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव की उपस्थिति रही।

कौमी एकता की गूंजी मिसाल

जबलपुर। मदन महल पहाड़ी स्थित हज़रत पीराने पीर की दरगाह में शनिवार को ग्यारहवीं शरीफ के उर्स मेले का बड़े एहतेमाम के साथ आयोजन किया गया। इस मौके पर हजारों की तादाद में जायरीन दरगाह पहुँचे और अकीदत के साथ चादर शरीफ पेश की।मेले में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई धर्मावलंबियों ने मिलकर हाजरी पेश की और दरगाह की फिज़ा में कौमी एकता और भाईचारे का पैग़ाम गूंज उठा। मेले में खाने-पीने के साथ-साथ बच्चों के मनोरंजन के लिए भी अनेक स्टॉल लगाए गए थे। दूर-दराज से आए जायरीन ने मेले की रौनक का आनंद लिया।अपरान्ह बाद नमाज जुहर जल्सागाह में मुतवल्ली सैयद क़ादिर अली क़ादरी की सदारत में जल्साए गौसिया का आयोजन किया गया। इस दौरान सज्जादानशीन वासित क़ादरी ने मनक़बत पाक पेश की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सज्जादानशीन सूफी मुबारक क़ादरी ने कहा कि मदन महल की दरगाह सभी धर्मों के लोगों के लिए अमन, शांति और एकता का प्रतीक है। यहाँ हर मजहब के लोग एक साथ हाजरी पेश कर भाईचारे की मिसाल कायम करते हैं।इस मौके पर सूफी बाबर खान बन्दानवाजी, अन्ना बाबा, अबरार खान, बाबू कलाम, आनंद रजक, शाहरुख सुल्तानी सहित हजारों अकीदतमंद मौजूद रहे। दस्तारबन्दी के दौरान निज़ाम क़ादरी, आफ़ताब क़ादरी, असग़ार क़ादरी, इनायत क़ादरी, जवाहर क़ादरी, इदरीस क़ादरी, अब्बू बाबा क़ादरी, शराफ़त क़ादरी, अफ़ज़ल क़ादरी, आशु क़ादरी, एहफ़ाज क़ादरी, परवेज क़ादरी, अमान क़ादरी और राज क़ादरी ने मेहमानों का इस्तक़बाल किया, वहीं आबिद अली, सलामत अली, अंसार क़ादरी, इदरीस क़ादरी, याक़ूब अली शाह, जलील शाह आदि ने तबर्रुक पेश किया। शाम मगरिब की नमाज के बाद सलातो सलाम पेश किया गया।

ग्यारहवीं शरीफ के उर्स मेले में अकीदत से पेश की गई चादरें

बीएसपी ने निकाली समाज सम्मान रैली

जबलपुर। डॉ. आम्बेडकर चौक पर भीमराव आम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाज सम्मान रैली निकाली गई। इस मौके पर बहुजन समाज पार्टी के द्वारा प्रकाश गौतेल को नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर दशरथ चंद्रवंशी बादाम, बी.एल. काले, कुंजी लाल महात्मा, जगदीशकांत उसरवर्षे ने हार्दिक शुभकामनायें दी हैं। रैली का समापन भानतलैया बीएसपी कार्यालय में हुआ। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी बालकिशन चौधरी, राकेश समुद्रे, रमेश खरे, करन सुखदान, सुभाष करियार, सतीश तामिया, मुकेश तामिया, रामसेवक बिरहा, पवन समुन्द्रे, सुदर्शन समुन्द्रे, मगन बाउंडर, इंद्रपाल गौतेल, ओम समद, पवन राना, ओ.पी. विहोनिया, व्हीएस मेहत्तो, दिलीप चमकेल, ऋतिक समुद्रे, आकाश मलिक, शिवरानी बिरहा, बबीता तामिया, विवेक भौरेल, मिट्टू कांडे, सुरेश चौहान, अजय बम्बेला श्री गौतेल का स्वागत किया।

कम्प्यूटर ऑपरेटर मानदेय से वंचित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि कम्प्यूटर आपरेटर जो कि दिन-रात ऑनलाइन विभाग के समस्त कार्यों को पूर्ण करने में अपना योगदान दे रहे हैं जैसे मेपिंग, रजिस्ट्रेशन, छात्रवृति, परीक्षा संबंधी कार्य, शासन की विभिन्न जानकारियां आदि वे ही मानदेय से वंचित हैं यह समझ से परे है, जबकि विभाग के लगभग सभी कार्य ऑनलाइन हो चुके हैं किन्तु कम्प्यूटर आपरेटर कार्य में लगे अतिथि कम्प्यूटर आपरेटर जो कि विभाग के रीढ़ माने जाते हैं उन्हें भी जुलाई माह से मानदेय के लिए तरसना पड़ रहा है, जबकि ये वर्षों से विभाग में सेवा दे रहे हैं किन्तु शासन द्वारा ना ही परमानेंट करने की योजना दिख रही और तो और हमेशा विलम्ब से ही मानदेय प्राप्त होता है, अतः संगठन शासन से मांग करता है कि अतिशीघ्र इन मानदेय कम्प्यूटर आपरेटर्स का अतिशीघ्र वंटन राशि जारी कर मानदेय भुगतान किया जावे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, मीनुकान्त शर्मा, राकेश श्रीवास, हेमंत ठाकरे, राजेश सहारिया, रऊफ खान, दिनेश गोंड, गुडविन चार्ल्स, फ़िलिप एंथोनी, विनोद सिंह, उमेश सिंह ठाकुर, सुरेंद्र चौधरी, सुनील झारिया, मनमोहन चौधरी, संतोष चौरसिया, आशीष कोरी आदि ने मांग की है।

आखिर कब ऑउट सोर्सिंग संविदा कर्मचारियों का शोषण होगा बन्द?

जबलपुर।

मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि समस्त विभागों में हजारों की संख्या में प्रतिवर्ष स्थाई कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनकी भरपाई शासन कुशल आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों से विभिन्न सर्वोच्च योजनाएं, समस्त कार्यों एवं जानकारियां पूर्ण करवा रही है किन्तु इन्हें समय से ना तो मानदेय प्राप्त होता है, और तो और चाहे जब हटा भी दिया जाता है। इन आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों को भी एक एजेंसी/ कम्पनी जो बीच में बिचौलिए की तरह काम करती है जो प्रत्येक माह के मानदेय में अपना कमीशन भी काट लेती है। मजबूरीवश पढ़े-लिखे कुशल आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी शासन से आस लगाए बैठे है कि कभी तो अपनी नीति में इन योग्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति एवं बढ़ती मंहगाई को देखते हुए मानदेय में बदलाव करेगी। अतः संगठन मुख्यमंत्री से मांग करता है कि बढ़ती हुई मंहगाई को देखते हुए आउटसोर्स संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाए एवं उनके मानदेय में वृद्धि कर नियमित माह में भुगतान किए जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, मीनुकान्त शर्मा, राजकुमार यादव, रऊफ खान, राजेश सहारिया, फिलिप एंथोनी, धनराज पिल्ले, एनोस विक्टर, संतोष चौरसिया, गोपीशाह, मक़सूद कादरी आदि ने मांग की है।

कुशल ऑउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी न्यूनतम मानदेय में काम करने मज़बूर

केंद्रीय कर्मचारियों की तर्ज पर राज्य के कर्मचारियों का भी बढ़ाया जाए महंगाई भत्ता

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अभी हाल ही में केंद्रीय कर्मचारियों को दशहरा त्योहार के तोहफ़े के रूप में 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने को मंजूरी देकर कर्मचारियों को सौगात दी गई है, वहीं राज्य के कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता बढ़ाए जाने की कोई औपचारिक घोषणा भी नहीं की गई। अतः संगठन मांग करता है कि केंद्रीय कर्मचारियों की तर्ज पर राज्य के कर्मचारियों को भी तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 से 58 प्रतिशत किया जाए। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रदेश के समस्त कर्मचारियों को भी दीपावली के तोहफे के रूप में केंद्र शासन की भांति तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाकर दिया जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमन्त ठाकरे, मीनूकांत शर्मा, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, दिनेश गोंड, गुडविन चार्ल्स, शहीर मुमताज़, राजकुमार यादव, दीपेश जैन, एनोस विक्टर, सुधीर अवधिया, देवेन्द्र भट, विनोद सिंह, फिलिप अन्थोनी, सुरेंद्र चौधरी, मनमोहन चैधरी, राकेश गुप्ता, गोपीशाह, आरपी खनाल ने मुख्यमंत्री से मांग की है।

मथुरा उत्साही साहित्य सेवा अलंकरण से सम्मानित

जबलपुर। जबलपुर में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और चिलमन मुशायरों के जनक , आयोजक, संयोजक और उद्घोषक के रूप में मथुरा जैन उत्साही ने शहर में कई वर्षों तक साहित्य को जिंदा रखने का काम किया है निश्चित रूप से प्रसंग संस्था द्वारा प्रदत्त साहित्य सेवा अलंकरण उत्साही के उत्साह को नवीन ऊर्जा प्रदान करते हुए सदैव गतिमान रखेगा। अवसर था प्रसंग संस्था द्वारा आयोजित उत्साही उत्साह की 50 वर्षों की साहित्यिक सेवा के लिए उनके अभिनंदन समारोह का। इस समारोह में मंचासीन अतिथि महाकवि आचार्य भागवत दुबे, गढ़ा रामलीला प्रमुख अशोक मनोध्याय, हास्य सम्राट के.के नायकर, समरसता के संयोजक संदीप जैन, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, व्यंग्यकार प्रतुल श्रीवास्तव ने कहा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और चिलमन मुशायरे साहित्यिक गोष्ठियां मथुरा जैन उत्साही की देन है। प्रसंग संस्था की संस्थापक इंजी. विनोद नयन ने कहा यह आयोजन न केवल उत्साही के जीवन की प्रेरणा दायी उपलब्धियों का उत्सव है।

कर्मचारियों की मांगों पर बनी शासन के साथ भी सहमति

सीपीसीटी, स्वास्थ बीमा आदि व्यवस्था से होगा हजारों कर्मचारियों को लाभ

जबलपुर।

मुख्यमंत्री निवास पर BMS के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर के नेतृत्व में मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट कर 6 मांगों पर सकारात्मक चर्चा की, मुख्यमंत्री द्वारा समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया है।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता अनिल भार्गव (वायू) ने बताया है कि अध्यापक संवर्ग पर नियुक्ति दिनांक से ग्रेच्युटी एवं पेंशन प्रदान करने की बात सामने रखी जिससे कर्मचारियों को वरिष्ठता का लाभ मिल सके, अधिकारी कर्मचारियों को दो बच्चों का प्रतिबंध समाप्त किए जाने, सीपीसीटी अनुत्तीर्ण कर्मचारियों को सेवा से मुक्त न किये जाने का निवेदन किया गया, बिना परीक्षा पास किए अनुकंपा से लिपिक के पद की नियुक्ति निरस्त की जा रही है, साथ ही कर्मचारियों एवं पेंशनरों के स्वास्थ्य बीमा का शीघ्र आदेश जारी करने पर चर्चा की, मुख्यमंत्री द्वारा विगत माह कर्मचारियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम में घोषणा की थी। कर्मचारियों के 70, 80, 90% वेतन के स्थान पर पूर्ण वेतन देने, एवं परिवीक्षा अवधि 2 वर्ष करने की मांग रखी, आज नवीन नियुक्ति पर पूरा वेतन नहीं दिया जा रहा है, कर्मचारी आयोग का गठन शीघ्र किए जाने की बात रखी जिससे कर्मचारियों की अनेक मांगों का निराकरण समय पर किए जा सकेगा। कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर किए जाने पर विचार मंथन किया गया।

प्रतिनिधि मंडल में अखिल भारतीय मंत्री रामनाथ गणेशे, वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ संगठन मंत्री जितेन्द्र गुर्जर, वंदना राजोरिया, आशीष सिंह, राजन नायर, जितेन्द्र भदौरिया, मेघा दुबे, उमेश शर्मा, सी.एल. व्यास, सुशील पाण्डे, संगीता श्रीवास्तव, दिनेश तोमर, ब्रजराज डंडौतिया, शिशिर रिछारिया, देवराज सिंह, सुमन पटेल, राजेश पटेल, कमलेश नागपुरे, पी.एन. तिवारी, हीरा रानवे, प्रदीप झा, गोपाल जी. अतुल प्रताप सिंह उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जबलपुर के अटल उपाध्याय, देवेंद्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, बृजेश मिश्रा, सुशील गुप्ता, अर्जुन सोमवंशी, रवि बांगड़, आकाश गुप्ता, एसपी बाथरे, बीरेंद्र चंदेल ने कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं के निदान की पहल करने पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए शासन से जल्द आदेश जारी करने की मांग की है।

आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश संगठन भंग, नई समिति गठित

जबलपुर। आम आदमी पार्टी के मध्य प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर ने प्रदेश के संपूर्ण संगठन को तत्काल प्रभाव से भंग करने की घोषणा की है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि शीघ्र ही नए संगठन का निर्माण किया जाएगा। नए संगठन के निर्माण हेतु एक 31 सदस्यीय प्रदेश स्तरीय समिति गठित की गई है। इस समिति में जबलपुर से एडवोकेट रामकिशोर शिवहरे एवं राजेश वर्मा को शामिल किया गया है। पार्टी ने कहा है कि यह कदम संगठन को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है, ताकि प्रदेश में संगठनात्मक कार्यों को नए जोश और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाया जा सके।

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल ने शताब्दी समारोह पर किया कविता पाठ स्पर्धा का आयोजन

जबलपुर।

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर द्वारा अपने शताब्दी समारोह के अंतर्गत शरद पूर्णिमा के अवसर पर कविता पाठ स्पर्धा का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल की चारों संस्थाएं महाराष्ट्र हिन्दी विद्यालय, महाराष्ट्र इंग्लिश विद्यालय, महाकोशल विद्यालय एवं महाराष्ट्र कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन के भूपू छात्रों द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लिया गया। इस अवसर पर निर्णायक की भूमिका में मोहिनी मोघे, विलास बिडवईकर थे। मंडल के अध्यक्ष डॉ. जयंत तनखीवाले, शताब्दी आयोजन समिति के सचिव अविनाश हलवे, भूपू छात्र प्रतिनिधि दीपक उबाले, मनोज चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहे। भूतपूर्व छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए आयोजन की सराहना की। साथ ही मंडल द्वारा समस्त उपस्थित लोगों को दुग्धपान कराकर शरद पूर्णिमा पर्व मनाया गया।